हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 18 जनवरी 2026

इंडिगो पर 22 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने दिसंबर में बड़े पैमाने पर कैंसल हुईं फ्लाइट्स के मामले में इंडिगो एयरलाइन पर 22.2 करोड़ का जुर्माना लगाया है। साथ ही, कंपनी के सीईओ पीटर एल्बर्स को भी चेतावनी दी गई है। इंडिगो के एक वरिष्ठ अधिकारी को हटाने का भी आदेश दिया गया है। यह जानकारी शनिवार को रेगुलेटर ने एक बयान जारी करके दी। डीजीसीए ने यह एक्शन 3-5 दिसंबर के बीच बड़े पैमाने पर हुई गड़बड़ी की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित करने के एक महीने से ज्यादा समय बाद लिया है। पिछले महीने की शुरुआत में इंडिगो की 2,507 उड़ानें रद्द हुई थीं और 1,852 उड़ानों में देरी हुई थी। बयान के अनुसार, डीजीसीए ने इंडिगो को ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर के सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट को मौजूदा ऑपरेशनल जिम्मेदारियों से मुक्त करने का निर्देश दिया है। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को फ्लाइट ऑपरेशंस और क्राइसिस मैनेजमेंट पर अपर्याप्त ओवरऑल निगरानी के लिए चेतावनी दी है।

ओडगी के मोहरसोप का मामला

प्रधानपाठक नहीं जाते स्कूल, अपनी जगह रख लिया किराए का शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

सूरजपुर जिले के ओडगी विकासखंड अंतर्गत ग्राम मोहरसोप में पदस्थ प्रधानपाठक स्वयं स्कूल नहीं आते बल्कि अपनी ड्यूटी के लिए 2 हजार रुपए में एक शिक्षक रखकर स्वयं शासकीय वेतन का घर बैठे लाभ उठा रहे हैं। ऐसे में बच्चों की शिक्षा गुणवत्ता का अंदाजा ▶▶|शेष पेज 8 पर

की जाएगी कार्रवाई

बीईओ को मामले की जांच करने के निर्देश दिए गए है। सोमवार को जांच प्रतिवेदन मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी

-अजय मिश्रा
डीईओ, सूरजपुर

कलेक्टर, मंत्री का नाम नहीं पता

स्कूल में जिस किराए के शिक्षक द्वारा बच्चों को पढ़ाने का काम किया जा रहा था उसने खुद 12वीं तक पढ़ाई करने का दावा किया। किराए के शिक्षक पूर्व देव यादव ने बताया कि प्रधान पाठक ने उसे स्कूल में पढ़ाने के लिए रखा है और वे 11 दिनों से पढ़ा रहा है। उसे कोई नियुक्ति नहीं दी गई है। इस दौरान जब उससे जिले के कलेक्टर, प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री, विधायक, शिक्षा विभाग के बीईओ का नाम पूछा गया तो वह कोई जवाब नहीं दे पाया। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है ▶▶|शेष पेज 8 पर

डीवीसीएम दिलीप बेड़जा और एक महिला को भी सुरक्षाबलों ने मार गिराया

अंतिम सांसें गिन रहा लाल आतंक, मुठभेड़ में मारे गए शीर्ष माओवादी समेत चार नक्सली

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में शीर्ष उग्रवादी दिलीप बेड़जा समेत चार नक्सलियों को मार गिराया। जिले के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के पहाड़ी जंगलों में तड़के मुठभेड़ शुरू हो गई, जहां सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर नक्सल-विरोधी अभियान पर निकली थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि जिले के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के जंगल, पहाड़ी इलाकों में माओवादियों की नेशनल पार्क एरिया कमेटी के डीवीसीएम दिलीप बेड़जा एवं अन्य सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी, कोबरा, एसटीएफ की संयुक्त टीम सर्च ऑपरेशन पर निकली थी। 17 जनवरी की सुबह से संयुक्त टीम एवं माओवादियों के बीच रुक-रुककर फायरिंग होती रही। ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ स्थल से एक ▶▶|शेष पेज 8 पर

- मौके से एके-47 और 303 राइफल ग्रेडेड हथियार बरामद

दिलीप बेड़जा

नक्सल नेटवर्क को बड़ा झटका

डीवीसीएम दिलीप बेड़जा को नक्सली संगठन का सक्रिय और प्रभावशाली नेता माना जाता था। उसके मारे जाने से बीजापुर और आसपास के इलाकों में सक्रिय नक्सली नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। सुरक्षा एजेंसियां इस सफलता को नक्सल विरोधी अभियान में अहम मान रही हैं।

वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने समय सीमा तय

तीन जनवरी को बीजापुर सहित सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में दो मुठभेड़ों में 14 नक्सली मारे गए थे। पिछले साल छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 285 नक्सली मारे गए थे। केंद्र सरकार ने वामपंथी उग्रवाद ▶▶|शेष पेज 8 पर

नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बीजापुर के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के दुर्गम जंगल–पहाड़ी इलाकों में डीआरजी, कोबरा और एसटीएफ के साहसी जवानों ने सघन सर्च ऑपरेशन के दौरान महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए एक महिला नक्सली सहित 04 हार्डकोर माओवादियों को न्यूट्रलाइज किया है। हमारी सरकार का संदेश स्पष्ट है- हिंसा छोड़िए, विकास की मुख्यधारा से जुड़िए।

ग्रीनलैंड पर कब्जे का विरोध पड़ा महंगा

आठ देशों पर फूटा ट्रंप का टैरिफ बम

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की योजना पर डोनाल्ड ट्रंप का विरोध करने वाले 8 देशों पर अमेरिका ने 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूके, नीदरलैंड्स और फिनलैंड पर 10 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। अगर ग्रीनलैंड की खरीद वाली डील नहीं पूरी हो पाती है तो इस टैरिफ को बढ़ाकर 25 फीसदी कर दिया जाएगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों के बीच कांग्रेस के एक द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को डेनमार्क और ग्रीनलैंड को अपने समर्थन का आश्वासन देने की कोशिश की। ट्रंप ने धमकी दी है कि आर्कटिक के रणनीतिक द्वीप पर अमेरिका के नियंत्रण का समर्थन नहीं करने पर कड़े शुल्क लगाए जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल के नेता और डेलावेयर से डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर क्रिस कून्स ने ▶▶|शेष पेज 8 पर

ग्रीनलैंड पर कब्जे से इंकार

'व्हाइट हाउस' ने जबरन ग्रीनलैंड क्षेत्र पर कब्जा करने की संभावना से इंकार नहीं किया है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा, ग्रीनलैंड को फिलहाल कोई सुरक्षा खतरा नहीं है। ट्रंप कई महीनों से इस बात पर जोर देते रहे हैं कि अमेरिका को ग्रीनलैंड पर नियंत्रण रखना चाहिए, जो नाटो सहयोगी डेनमार्क का एक अर्द्ध-स्वायत्त क्षेत्र है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कल, नितिन नबीन के प्रस्तावक समर्थक बने साय सहित राष्ट्रीय परिषद के 17 सदस्य

रायपुर में ही राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के हस्ताक्षर लेकर भरा गया नामांकन फार्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव के लिए 19 जनवरी को नामांकन भरा जाएगा। अध्यक्ष के नाम का ऐलान 20 जनवरी को होगा। कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन को ही पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया जा रहा है। नितिन नवीन के लिए जो नामांकन भरे जाएंगे, उसमें एक नामांकन छत्तीसगढ़ की तरफ से भी भरा जाएगा। प्रदेश के राष्ट्रीय परिषद के जो 17 सदस्य बने हैं, इनमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, दोनों डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा के साथ प्रदेश के मंत्री, विधायक, सांसद और भाजपा नेता शामिल हैं। नामांकन फार्म में इनके प्रस्तावक, समर्थक के रूप में हस्ताक्षर लेकर रायपुर में ही फार्म तैयार किया गया है। दिल्ली में 19 जनवरी को नामांकन के समय छत्तीसगढ़ की तरफ से यह नामांकन दाखिल किया जाएगा। राष्ट्रीय परिषद के सभी सदस्यों के साथ ही भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव सहित और कई भाजपा नेता रविवार को अलग-अलग नियमित विमानों से दिल्ली जाएंगे। मुख्यमंत्री साय रविवार की रात या फिर सोमवार की सुबह जाएंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने बीते साल के अंतिम माह में अचानक बिहार के मंत्री और

छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रभारी नितन नवीन को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया। अब पूर्णकालिक अध्यक्ष का चुनाव 19 जनवरी को किया जा रहा है। 19 जनवरी को दोपहर दो बजे से लेकर चार बजे तक नामांकन होगा। इसके बाद चार से पांच बजे तक नामांकन पत्रों की जांच होगी पांच से छह बजे तक नाम वापसी का समय है। वैसे नितिन नवीन के नाम से ही अलग-अलग राज्यों के राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों द्वारा नामांकन भरे जाएंगे। अगले दिन मंगलवार 20 जनवरी को जरूरत पड़ने पर 11.30 बजे से 1.30 तक मतदान का समय तय किया गया है। इसके बाद अध्यक्ष का ऐलान किया जाएगा। ठीक इसी तरह से 2019 में पहले जेपी नड्डा को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था और 20 जनवरी 2020 को उनको पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया गया था। एक बार से से छह साल बाद वही इतिहास दोहरा जा रहा है।

ये हैं राष्ट्रीय परिषद के सदस्य

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय
- डिप्टी सीएम अरुण साव
- डिप्टी सीएम विजय शर्मा
- प्रदेश के मंत्री दयालदास बघेल
- प्रदेश के मंत्री केदार कश्यप
- केंद्रीय मंत्री तोखन साहू
- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय
- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी
- सांसद बृजमोहन अग्रवाल
- सांसद संतोष पांडेय
- सांसद विजय बघेल
- सांसद रूपकुमारी चौधरी
- राज्य सभा सांसद देवेंद्र राजा प्रताप सिंह
- विधायक विक्रम उसेंडी
- विधायक पुन्नूलाल मोहिले
- पूर्व विधायक ननकी राम कंवर
- वरिष्ठ भाजपा नेता खूबचंद पारख

जिन किसानों को 31 को टोकन जारी, उन्हें दो दिन पहले धान लाने कहा गया

धान खरीदी का अंतिम चरण, तुंहर एप से टोकन अब नहीं, 29 तक धान बेच सकेंगे किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

धान खरीदी अब अंतिम दौर में है। अब तक 20 लाख से अधिक किसानों से धान की खरीदी हो चुकी है। शेष दिनों के लिए समितियों में धान खरीदी के लिए टोकन भी जारी कर दिए गए हैं, इसके बावजूद जिन किसानों के पास धान बचा है, उन्हें टोकन जारी करने अब समितियों में आवेदन देना होगा। आवेदन का सत्यापन करने के लिए पटवारी और तहसीलदार भौतिक सत्यापन करने के बाद टोकन जारी करेंगे।

बताया जाता है कि 10 जनवरी तक किसानों को 31 जनवरी तक के लिए टोकन जारी किए गए थे। अब तुंहर टोकन एप के जरिए टोकन जारी नहीं किया जा रहा है। समितियों के प्रबंधक से मिली जानकारी के अनुसार समितियों से धान खरीदी को लेकर शासन नए नियम के तहत टोकन जारी कर रहा है। अधिकतर किसानों को जारी टोकन के बाद भी उनके पास धान शेष होने या आधा बिके होने पर बिक्री के लिए टोकन की मांग की जा रही है। ऐसे मामलों में पटवारी द्वारा भौतिक सत्यापन के बाद ही जारी किया जा रहा है।

परिवहन बंद, धान का बफर स्टॉक

समितियों से धान का उठाव करने के लिए बनाए गए डिलीवरी एप को बंद कर दिया गया है। समितियों में धान रखने की जगह नहीं बची है। ऐसे में समिति प्रबंधक परेशान हैं। डीएमओ द्वारा डीओ और आरओ नहीं काटे जाने के कारण धान का उठाव नहीं हो रहा है। प्रदेश के 2739 समितियों में से लगभग 1700 समितियों में बफर स्टॉक से अधिक धान रखा हुआ है। अधिक धान की वजह से बेमेतरा, महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद, कवर्धा और अन्य जिलों में धान की खरीदी लिमिट से कम की जा रही है। कलेक्टर से समिति प्रबंधक उठाव कराने लगातार मांग कर रहे हैं, पर अब तक ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

31 को जारी टोकन से अब 29 को खरीदी

सूत्रों के अनुसार किसानों को धान बेचने के लिए 31 जनवरी को टोकन जारी किया गया था। उनका धान अब दो दिन पूर्व 29 जनवरी को खरीदने के लिए समितियों ने सूचना जारी की है। बताया जाता है कि खरीदी के अंतिम दिन शनिवार होने के कारण खरीदी बाधित होने की संभावना है। ऐसे में वे किसान वंचित न हों, इसे देखते हुए दो दिन पूर्व ही उनका धान लिया जा रहा है। उन सभी किसानों को समिति प्रबंधकों ने दो दिन पूर्व ही धान लाने के लिए लिखा है।

दृष्टिहीन पूर्व आईएएस ने लिख डालीं छह किताबें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

अलग खबर

जिले के फरसाबहार विकासखंड निवासी पूर्व आईएएस एवं पूर्व सरगुजा कमिश्नर एमएस पैंकरा ने यह साबित कर दिया कि जज्बा हो तो अंधेरा भी रास्ता नहीं रोक सकता। आंखों की रोशनी पूरी तरह जाने के बावजूद उन्होंने लेखनी को अपना सहारा बनाया और अब तक 6 किताबें लिखकर प्रकाशित करवा दीं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी पुस्तकों की 3 हजार से अधिक प्रतियां समाज में निःशुल्क वितरित भी कर दी हैं। एमएस पैकरा ने बताया कि स्कूल जीवन के दौरान एक बार आए फ्लू के बाद उनकी आंखें ड्राई हो गई थीं। इसके बाद कोरोना काल से उनकी दृष्टि लगातार कमजोर होती गई और धीरे-धीरे पूरी तरह चली गई। लेकिन इस शारीरिक बाधा ने उनके विचारों और लेखन को नहीं रोका। वर्ष 2021 से उन्होंने लेखन कार्य प्रारंभ किया। अब तक जिंदगी के सुरता, महुआ फूल, करमडार, कंवर जनजाति, जनजातीय समाज का सामाजिक एवं आर्थिक विकास और बदलता अबूझमाड़ जैसी चर्चित पुस्तकें लिख चुके हैं।

बेटी बनी आंखें, पिता बने शब्द

दृष्टिहीनता के बाद लेखन कार्य में उनकी बेटी रुपाली पैंकरा ने अहम भूमिका निभाई। वर्तमान में रायगढ़ जिले में व्याख्याता के पद पर पदस्थ रुपाली, पिता द्वारा बोले गए शब्दों को टाइप करती थीं। इसी अनूठे तालमेल से एक के बाद एक छह किताबें तैयार हुईं। इस पूरे सफर में उनकी पत्नी सुशीला पैंकरा ने भी निरंतर सहयोग दिया।

कलेक्टर से कमिश्नर तक

एमएस पैंकरा का जन्म फरसाबहार विकासखंड के ग्राम सिंगीबहार में हुआ। वे मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले और छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में कलेक्टर के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा वे लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष और सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

बिलासपुर
रविवार 18 जनवरी 2026
माघ कृष्ण पक्ष अमावस्या
वर्ष : 25, अंक : 297
पृष्ठ : 12+6+8 =26 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 30.7
न्यून. 12.5

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सौगात

मालदा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हावड़ा एवं गुवाहाटी के बीच देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पूरी तरह वातानुकूलित स्लीपर ट्रेन से हावड़ा-गुवाहाटी मार्ग पर यात्रा समय लगभग 2.5 घंटे कम होने की उम्मीद है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

हवाई अड्डे पर 2.89 करोड़ का सोना जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने म्यांमा के तीन नागरिकों के पास से 2.89 करोड़ रुपएके 2.15 किलोग्राम से अधिक सोना जब्त किया है एवं उनपर मामला दर्ज किया है। ये तीनों यात्री 14 जनवरी को म्यांमा के यांगून से दिल्ली पहुंचे थे और टर्मिनल-तीन के अंतरराष्ट्रीय आगमन क्षेत्र में ग्रीन चैनल से गुजरते समय उन्हें पकड़ा गया। उनकी और सामान की तलाशी लेने पर उनके पास से सोने की 13 ईंट बरामद की गईं। बरामद सोने का कुल वजन 2,158 ग्राम है।

23 जनवरी को टी-20 में दिखेगी बल्ले और गेंद की बराबर की टक्कर

छत्तीसगढ़ की मिट्टी से बनेगी टी-20 की पिच बनेगा शानदार स्कोर, कीवी टीम को होगा कष्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

टी-20 मैच को लेकर शहीद वीर नारायण स्टेडियम में क्रिकेट की तैयारियां तेज हो चुकी है। 23 जनवरी को भारत और न्यूजीलैंड टी-20 मैच में छत्तीसगढ़ की मिट्टी से पिच बनाई गई थी। उस मैंच में दर्शकों को खूब आनंद आया था। इस बार भी टी-20 में छत्तीसगढ़ महतारी की मिट्टी से पिच बनाई जा रही है। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ और एक्सपर्ट ने हरिभूमि को बताया कि पिच का निर्माण छत्तीसगढ़ की मिट्टी से होगा, जिसमें भारत और न्यूजीलैंड के खिलाड़ी खेलेंगे। दिसंबर में हुए वनडे मैच में भी काली मिट्टी का इस्तेमाल हुआ, जिससे भारत को पहले बल्लेबाजी में काफी फायदा हुआ था।

अलग खबर

विराट और रितुराज गायकवाड़ ने शतकीय पारी खेली थी। इस बार ऐसा ही मैंच दर्शकों को देखने मिल सकता है। एक्सपर्ट की माने तो पिच दो तरह की बनती है, पहली लाल और काली मिट्टी से। रायपुर में काली मिट्टी की पिच होने से बल्लेबाज को ज्यादा फायदा होगा। छत्तीसगढ़ की लाल मिट्टी में स्वाभाविक रूप से कड़ापन होता है। इससे पिच पर ट्रू बाउंस मिलता है। गेंद टप्पा खाने के बाद तेज़ी से और अच्छे उछाल के साथ निकलती है। भारतीय तेज़ गेंदबाज़ जैसे जसप्रीत बुमराह या अर्शदीप सिंह इस उछाल का फायदा उठाकर कीवी बल्लेबाज़ों को बैकफुट पर धकेल सकते हैं।

पिच 200 से अधिक स्कोर बनाने में मदद करेगी

छत्तीसगढ़ की काली मिट्टी के पिच में इस बार जो पहले बल्लेबाजी करने उतरेगा उसे फायदा होगा। एक्सपर्ट का कहना है कि काली मिट्टी में गेंद पिच पर फंसती नहीं है और सीधे बल्ले पर आती है, बल्लेबाजों को शॉट खेलने में बहुत आसानी होती है। गेंद की गति का इस्तेमाल करते हुए खिलाड़ी बड़े शॉट आसानी से लगा सकेंगे। रायपुर का मैदान बड़ा है, लेकिन पिच की रफ़्तार बड़े स्कोर 180 से 200 से अधिक बनाने में मदद करेगी। अगर ओस अधिक पड़ी तो दूसरी इनिंग में बल्लेबाजों को समस्या हो सकती है।

काली मिट्टी की पिच 180 से 200 से अधिक स्कोर बनाने में करेगी मदद

फाइल फोटो

दूसरी पारी में भी पिच पहले की तरह काम करेगी

पिच एक्सपर्ट का कहना कि स्थानीय मिट्टी की बाइंडिंग क्षमता अच्छी होती है। पूरे 40 ओवर के खेल के दौरान पिच टूटेगी नहीं। इसलिए दूसरी पारी में भी पिच का व्यवहार वैसा ही रहेगा जैसा पहली पारी में था। इससे टॉस का असर थोड़ा कम हो जाता है और मुकाबला बराबरी का रहता है। रायपुर में जनवरी की शाम को ओस एक बड़ा फैक्टर होती है। स्थानीय मिट्टी पानी को अच्छे से सोखने की क्षमता रखती है, जिससे अगर हल्की ओस गिरती भी है, तो पिच गीली होकर धीमी नहीं पड़ती और खेल की गति बनी रहती है।

बांग्लादेश में थम नहीं रहा अत्याचार

एक हिंदू को कुचला, दूसरे को पीट-पीटकर मार डाला

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बीते दो दिनों में दो अलग-अलग जिलों से दो हिंदुओं की हत्या के मामले सामने आए हैं। शनिवार सुबह एक हिंदू होटल व्यवसायी लिटन चंद्र घोष उर्फ काली (60) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। लिटन घोष इलाके में बोयीशाखी स्वीट एंड होटल नाम से एक होटल चलाते थे।

जानबूझकर गाड़ी से कुचलकर हत्या

इससे एक दिन पहले भी बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या का मामला सामने आया था। घटना राजबाड़ी जिले के सदर उपजिला की थी, जहां 30 वर्षीय रिपन साहा की कथित तौर पर जानबूझकर गाड़ी से कुचलकर हत्या कर दी गई। यह घटना शुक्रवार को हुई। मृतक रिपन साहा राजबाड़ी के गोलांदा मोड़ के पास स्थित करीम फिलिंग स्टेशन पर काम करते थे।

तीन आरोपी हिरासत में

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, स्थिति को नियंत्रित किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में यह मामला मामूली विवाद से जन्मा हिंसा का लग रहा है, हालांकि जांच जारी है।

इस्लामिक देश ईरान में रिकॉर्ड तोड़ मुद्रास्फीति, खाद्य पदार्थों की कीमतों और मुद्रा के अवमूल्यन को लेकर अराजकता का माहौल है। आमजन में निराशा के चलते विरोध प्रदर्शन जल्द ही एक व्यापक आंदोलन में तब्दील हो चुके हैं, जिसमें मौजूदा शासन को समाप्त करने की मांग की गई है। नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी, कठोर मजहबी प्रतिबंधों एवं सामाजिक कानूनों के प्रति विद्रोही हैं। लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से असंतुष्ट हैं। उधर, अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहता है। वह अमेरिकी नेतृत्व वाले पश्चिमी हितों के अनुकूल नवशासन स्थापित कर ईरानी परमाणु कार्यक्रमों को पूरी तरह बंद करवाना चाहता है। ट्रंप की अतिवादी नीतियों ने जिस तरह ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसे आर्थिक रूप से कमजोर बनाने का खेल शुरू किया है, यह सीधे तौर पर भारत के लिए भी एक और मुसीबत खड़ी कर सकता है। ईरान स्थित चाबहार पोर्ट भारत के लिए अर्थनीतिक रूप में सबसे महत्वपूर्ण परियोजना है। अगर ईरान की स्थिति नियंत्रण से बाहर होती है, तो इससे वैश्विक स्तर पर तेल और वित्तीय बाजारों पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

ईरान का इस्लामिक दुनिया से जटिल रिश्ता

विश्लेषण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

रमजान के महीने में राजधानी दिल्ली में इस्लामिक देशों के राजनयिक आमतौर पर चाणक्यपुरी में स्थित सूडान एंबेसी में नमाज अदा करते हैं। ईरानी राजनयिक अपनी एंबेसी में ही नमाज अदा करते हैं। ईरान और शेष इस्लामिक संसार में दूरियों को इस उदाहरण से कुछ हद कर समझा जा सकता है। दरअसल, ईरान के इस्लामिक राष्ट्रों के साथ संबंध जटिल और बहुआयामी हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने शिया इस्लाम को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया है, जो सुन्नी-बहुल मुस्लिम दुनिया के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करता है। ईरान की सरकार खुद को इस्लामिक एकता का समर्थक बताती है, लेकिन वास्तव में वह शिया प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करती रहती है। ईरान की इस्लामिक क्रांति ने उसे मुस्लिम दुनिया में एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, जहां वह खुद को साम्राज्यवाद-विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक के रूप में पेश करता है। हालांकि, शिया-सुन्नी विभाजन के कारण ईरान की सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सुन्नी-बहुल देशों के साथ प्रतिद्वंद्विता गहरी है। ईरान को सुन्नी राष्ट्रों द्वारा 'शिया विस्तारवादी' के रूप में देखा जाता है, जबकि ईरान इन देशों को अमेरिका की कठपुतली मानता है।

ईरान के इस्लामिक राष्ट्रों के साथ संबंध जटिल और बहुआयामी हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने शिया इस्लाम को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया है, जो सुन्नी-बहुल मुस्लिम दुनिया के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करता है। ईरान की सरकार खुद को इस्लामिक एकता का समर्थक बताती है, लेकिन वास्तव में वह शिया प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करती रहती है। ईरान की इस्लामिक क्रांति ने उसे मुस्लिम दुनिया में एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, जहां वह खुद को साम्राज्यवाद-विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक के रूप में पेश करता है।

विद्रोहियों को रहा समर्थन

1980 के दशक से ईरान ने लेबनान में हिजबुल्लाह, इराक में शिया मिलिशिया, सीरिया में असद शासन और यमन में हूती विद्रोहियों को समर्थन दिया। यह नेटवर्क ईरान को क्षेत्रीय शक्ति प्रदान करता है, लेकिन इसे आतंकवाद का प्रायोजक भी बनाता है, जैसा कि अमेरिका और उसके सहयोगी दावा करते हैं। सऊदी अरब और ईरान में पुरानी अदावत है। दरअसल सऊदी अरब में एक शिया मौलवी को 2016 में फांसी की सजा दी गई थी और इसी मुद्दे पर 2016 में सऊदी अरब और ईरान के कूटनीतिक संबंध खत्म हो गए थे। तब से ये दोनों देश एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए थे। सऊदी अरब खुद को सारी दुनिया के सुन्नी मुसलमानों का रहनुमा मानता है और ईरान अपने को शिया मुसलमानों का। आप जानते हैं कि दोनों ही देश तेल उत्पादक देश हैं। दोनों ही देश अपने व्यावसायिक दिलचस्पी के वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हैं। क्या सऊदी अरब और ईरान कभी चीन से यह पूछने की हिमाकत करेंगे कि चीन में मुसलमानों पर भीषण अत्याचार क्यों हो रहे हैं? वे कब थमेंगे? चीन ने अपने मुस्लिम बहुल शिनजियांग प्रांत में रहने वाले मुसलमानों को पूरी तरह से कसा हुआ है।

ईरान की अलगाववादी स्थिति

उन्हें खान-पान के स्तर पर वह सब कुछ करना पड़ा रहा है, जो उनके इस्लाम धर्म में पूर्ण रूप से निषेध है। इस बीच, ईरान अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे सुन्नी बहुल देशों के साथ व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाता है। वह मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे सुन्नी समूहों से भी संबंध रखता है, ताकि अमेरिकी प्रभाव का मुकाबला कर सके, लेकिन कुल मिलाकर, ईरान की अलगाववादी स्थिति बनी हुई है, विशेष रूप से सुन्नी अरब देशों के साथ। हालांकि यह बताना जरूरी है कि उसकी पाकिस्तान से तनातनी भी चलती रहती है। ईरान ने पाकिस्तान में 2021 में सर्जिकल स्ट्राइक किया था। इस हमले का नतीजा यह हुआ कि ईरान ने अपने कुछ अपहृत कर लिए गए नागरिकों को 'जैश उल अदल' नाम के आतंकी संगठन के कब्जे से छुड़वा लिया। जैश अल-अदल के आतंकी पाकिस्तान की ईरान से लगती सरहद पर लगातार हमले बोल रहे हैं। उनके 2019 के हमले में 27 ईरानी नागरिक मारे गए थे। ओआईसी में ईरान की स्थिति ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) 1969 में स्थापित विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें 57 मुस्लिम बहुल देश शामिल हैं।

ओआईसी में भूमिका प्रभावित

ईरान इस संगठन का संस्थापक सदस्य होने के साथ-साथ शुरू से ही एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हालांकि, ईरान की स्थिति हमेशा विवादास्पद और उतार-चढ़ाव वाली रही है। सऊदी अरब के साथ क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता ने ओआईसी में ईरान की भूमिका को बार-बार प्रभावित किया।

उसे 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध के दौरान ओआईसी में अलग-थलग करने की कोशिशें हुईं। फिर भी, ईरान ने इस संगठन में अपनी सक्रियता कभी कम नहीं होने दी। वह फिलिस्तीन के समर्थन, कश्मीर मुद्दे और इस्लामोफोबिया के खिलाफ लगातार मुखर रहा। हाल के वर्षों में, खासकर 2024-2025 में इजराइल के साथ बढ़ते तनाव और ईरान पर हुए हमलों के बाद उसने ईरान ओआईसी से मजबूत एकजुटता की मांग की। कतर, मलेशिया, इंडोनेशिया और तुर्की जैसे देशों ने कई बार ईरान के पक्ष में आवाज उठाई, लेकिन सऊदी अरब और उसके सहयोगियों के प्रभाव के कारण संगठन अक्सर निर्णायक कार्रवाई करने में असमर्थ रहा।

सुन्नी देशों के साथ तनाव

ईरान ओआईसी को मुस्लिम दुनिया की एकता का मंच मानता है, लेकिन ईरान की स्थिति प्रभावशाली तो है, परंतु पूर्ण नेतृत्व वाली नहीं है। आज ईरान के प्रमुख सहयोगी हैं: लेबनान में हिजबुल्लाह, गाजा में हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद, यमन में हूती, इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज। ये समूह ईरान को इजराइल और अमेरिका के खिलाफ 'प्रतिरोध' प्रदान करते हैं। ईरान रूस और चीन के भी करीब है, जो उसे प्रतिबंधों से बचाने में मदद करते हैं। दूसरी ओर, उसका सुन्नी देशों के साथ तनाव जारी है। सऊदी अरब के साथ यमन युद्ध और इराक में प्रभाव की लड़ाई ने संबंधों को बिगाड़ा है। हालांकि, 2023 में चीन की मध्यस्थता से कुछ सामान्यीकरण हुआ, लेकिन इजराइल-हमास युद्ध ने फिर तनाव बढ़ाया। ईरान खुद को मुस्लिम दुनिया का रक्षक बताता है, लेकिन कई राष्ट्र उसे संदेह की नजर से देखते हैं।

देश में विरोध प्रदर्शन

उनका मानना है कि वह क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाता है। ईरान में आजकल चल रही उथल-पुथल इस्लामिक दुनिया के साथ उसके संबंधों को और जटिल बना रही है। दिसंबर से तेहरान के ग्रैंड बाजार में दुकानदारों की हड़ताल से शुरू हुए विरोध प्रदर्शन तेजी से देशव्यापी हो गए, सभी 31 प्रांतों में फैल गए। शुरुआत में मुद्रा (रियाल) के पतन और 40% महंगाई के खिलाफ थे, लेकिन जल्दी ही राजनीतिक हो गए। प्रदर्शनकारी देश के शिखर नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ नारे लगा रहे हैं, रेजा पहलवी (पूर्व शाह के पुत्र) के पक्ष में चिल्ला रहे हैं, और शासन के अंत की मांग कर रहे हैं।

रूस-चीन की दिलचस्पी सैनिक कार्रवाई में नहीं

मुद्दा

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

साल 2026 के तीसरे ही दिन अमेरिका ने जिस तरह वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की, उसके बाद से विशेषकर सैनिक रूप से कमजोर देशों में चिंता की लहर है। अमेरिका के सर्वोच्च पद पर डोनॉल्ड ट्रंप के रहते ऐसी चिंताएं स्वाभाविक भी हैं। जिस तरह अपने ही खेमे के देश डेनमार्क के ग्रीनलैंड द्वीप पर ट्रंप ने अपनी नजर टिका रखी है, उससे दुनिया को चिंतित होना ही चाहिए। ऐसे में विश्व की निगाह दुनिया के सैनिक रूप से दूसरे शक्तिशाली देश रूस और आर्थिक रूप से दूसरे और सैनिक रूप से तीसरे ताकतवर देश चीन पर लगना स्वाभाविक है। दोनों ही देशों ने वेनेजुएला पर जिस तरह रस्मी प्रतिक्रिया जताई है, उससे लगता नहीं कि वे भविष्य में ऐसी अमेरिकी कार्रवाइयों के खिलाफ अपने मित्र देशों के पक्ष में खड़े होंगे।

जब तक सोवियत संघ अस्तित्व में रहा, कम से कम दुनिया के कमजोर और साधनहीन देशों को उम्मीद रहती थी कि अगर अमेरिका ने उनकी ओर आंख तरेरी तो सोवियत संघ का साथ मिलेगा और अगर सोवियत संघ ने निगाहें तीखी कीं तो अमेरिका उसकी मदद करने पहुंचेगा। सोवियत संघ के विघटन के बाद उसका सबसे बड़ा हिस्सा रूस शक्तिशाली तो बना रहा है, लेकिन मौजूदा अमेरिका-ब्रिटेन प्रेरित-पोषित आर्थिक दुनिया में सोवियत संघ जैसी ताकत बना नहीं रह सका। बेशक डॉलर, सोवियत और आज के रूस की मुद्रा रूबल की तुलना में ताकतवर था, लेकिन ऐसा भी नहीं था कि आर्थिक रूप से पूरी दुनिया को नियंत्रित कर सके। आज आर्थिक क्षेत्र में डॉलर को कोई चुनौती नहीं है। ब्रिक्स देशों ने अपनी-अपनी मुद्राओं को आपसी आर्थिक व्यवहार में आगे बढ़ाने की कोशिश तो की है, हालांकि वह डॉलर को चुनौती देने की स्थिति में नहीं आ पाई हैं। अमेरिका जानता है कि उसकी आर्थिक ताकत को बड़े स्तर पर चुनौती देने की हालत में दुनिया की दूसरी यानी चीन की अर्थव्यवस्था नहीं है, इसलिए ट्रंप बेफिक्र होकर कभी मैक्सिको को अपना उपनिवेश बनाने की वकालत करते हैं तो कभी कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का ऐलान करते हैं। ग्रीनलैंड पर निगाह और वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई उनकी इसी सोच का विस्तार है। वेनेजुएला पर कार्रवाई को लेकर रूस और चीन ने चिंताएं तो जाहिर कीं, लेकिन वे वेनेजुएला को सैनिक सहयोग करने के लिए इच्छुक नहीं दिखे। इसकी मोटे तौर पर दो वजहें सामने आती हैं। वेनेजुएला से रूस ने 2010 में समझौता तो किया, लेकिन वह रणनीतिक, तकनीकी और आर्थिक मामलों पर केंद्रित है। सैनिक सहयोग की बात उसमें नहीं है। दिलचस्प यह है कि वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार का सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाला चीन भी इस मामले में उसको सैनिक सहयोग करने से दूर है। वेनेजुएला के तेल निर्यात का 50 से 89 प्रतिशत तक हिस्सा सिर्फ चीन जाता था। इसके बावजूद वह वेनेजुएला को सैनिक सहायता देने से हिचक रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन की नीतियां कम से कम एशिया से बाहर सिर्फ और सिर्फ आर्थिक मुद्दों पर ही टिकी हैं। ट्रंप काल में अमेरिका से कारोबारी मुद्दे पर उसकी ठनी हुई है। जिसे वह सहज करने की कोशिश में है, इसलिए वह कोई ऐसा कदम नहीं उठाना चाहता, जिससे अमेरिका से उसके कारोबारी रिश्तों पर असर पड़े। चीन की पूरी कोशिश है कि अमेरिका से जारी व्यापार युद्ध को खत्म करे। उसकी कोशिश किसी तरह अमेरिका को खुश करने की भी होगी, ताकि वेनेजुएला से वह पहले की तरह तेल का भारी आयात कर सके। वेनेजुएला के मसले पर रूस की भी स्थिति बहुत बेहतर नहीं है। रूस यूक्रेन में फंसा हुआ है। वेनेजुएला से रूस की रणनीतिक संधि तो है, लेकिन उसमें साझा रक्षा का जिक्र नहीं है। फिर रूस के संसाधन, सेना, सैन्य उपकरण आदि यूक्रेन युद्ध में लगे हुए हैं। ऐसे में अगर वह वेनेजुएला का सैन्य सहयोग करता है तो एक तरह से अमेरिका के खिलाफ नया मोर्चा खोलना होगा। रूस इस वजह से बचना चाहता है, इसीलिए जब रूसी झंडा लगे पोत को अमेरिकी सेना ने रोका तो रूस ने सिर्फ अमेरिका से रूसी नागरिकों की हिफाजत और उन्हें छोड़ने की अपील ही की। जाहिर है कि लगातार अर्थकेंद्रित होती दुनिया में देशों की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। रूस और चीन इसी मानस से ग्रस्त हैं, इसीलिए वेनेजुएला ही नहीं, ऐसे अपने किसी और साथी के सहयोग के लिए सक्रिय रूप से सामने आने में अब उनकी दिलचस्पी नहीं है। ऐसे में दुनिया, विशेषकर अमेरिकी कोप से आशंकित देशों को चिंतित होने की जरूरत है। उन्हें वैकल्पिक राह भी तलाशनी होगी।

वेनेजुएला के तेल निर्यात का 50 से 89 प्रतिशत तक हिस्सा सिर्फ चीन जाता था। इसके बावजूद वह वेनेजुएला को सैनिक सहायता देने से हिचक रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन की नीतियां कम से कम एशिया से बाहर सिर्फ और सिर्फ आर्थिक मुद्दों पर ही टिकी हैं।

पर्शिया से ईरान बनने तक : सत्ता संस्कृति और संघर्ष की गाथा

सफरनामा

सेंट्रल डेस्क

आज जिसे दुनिया ईरान के नाम से जानती है, वह सदियों तक पर्शिया या फारस कहलाता रहा। दिलचस्प तथ्य यह है कि देश के भीतर इसे हमेशा ईरान ही कहा गया, नाम बदला तो केवल बाहरी दुनिया की दृष्टि में। इसका नाम चाहे जो रहा हो, इस भूभाग की शक्ति, संस्कृति और महत्व कभी कम नहीं हुए। इतिहास के पन्ने पलटकर देखें तो ईरान की सभ्यता लगभग चार हजार वर्ष पुरानी है। इलेमाइट, अस्सीरियन और मेडियन सभ्यताओं के बाद हमदान राजधानी बना और यहीं से संगठित राजशाही की नींव पड़ी। इसी परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाई सायरस द ग्रेट ने, जिन्होंने एकेमेनिड साम्राज्य खड़ा किया। उनका साम्राज्य पूर्वी यूरोप से लेकर सिंधु नदी तक फैला था। सायरस केवल विजेता नहीं थे, वे कुशल प्रशासक भी थे। क्षत्रप प्रणाली, धार्मिक सहिष्णुता और यहूदियों की मुक्ति जैसे फैसलों ने उन्हें इतिहास में विशिष्ट स्थान दिलाया। भारत और फारस के भाषाई और सांस्कृतिक रिश्ते भी इसी दौर में मजबूत हुए।

सायरस के उत्तराधिकारी डेरियस द ग्रेट के समय फारस दुनिया की लगभग आधी आबादी पर शासन करता था। भारत को 'हिंदुस्तान' नाम देने का श्रेय भी इसी काल को जाता है। हालांकि ग्रीस पर आक्रमण फारस की वह रणनीतिक भूल साबित हुई, जिसने साम्राज्य की नींव हिला दी। 331 ईसा पूर्व में सिकंदर ने डेरियस तृतीय को हराकर पर्शिया पर अधिकार कर लिया। यह जीत केवल सत्ता परिवर्तन नहीं थी, बल्कि एक युग के अंत का संकेत थी। सिकंदर के बाद सेल्युकिड और पार्थियन आए, लेकिन फारसी गौरव का पुनरुत्थान सासानी वंश में हुआ। शापुर प्रथम ने रोमन सम्राट वैलेरियन को बंदी बनाकर रोम की अजेयता के मिथक को तोड़ा। इसके बाद सातवीं सदी में इस्लाम का आगमन हुआ। अरब विजय के साथ जोरोस्ट्रियन धर्म पर दबाव बढ़ा और यही समुदाय आगे चलकर पारसी कहलाया। जीवन रक्षा के लिए इन लोगों का भारत आगमन हुआ, जिसने भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता को नई पहचान दी।

मध्यकाल में फारसी भाषा और संस्कृति ने फिर उन्नति की। फिरदौसी की शाहनामा ने ईरान को उसकी ऐतिहासिक स्मृति लौटाई, लेकिन मंगोल आक्रमणों ने इस समृद्धि को तहस-नहस कर दिया। चंगेज खान और बाद में तैमूर के हमलों ने फारस और भारत दोनों को गहरे घाव दिए, जिनकी छाप सदियों तक बनी रही। आधुनिक ईरान की पहचान सफवी वंश के शिया धर्म को राज्य धर्म बनाने से बनी। यही कारण है कि आज ईरान शिया इस्लाम का केंद्र है। नादिर शाह के दिल्ली आक्रमण ने मुगल साम्राज्य के पतन को तेज किया और भारतीय इतिहास की दिशा बदल दी। उन्नीसवीं सदी में पर्शिया ब्रिटेन और रूस की साम्राज्यवादी राजनीति में उलझ गया। 1935 में रेजा शाह पहलवी ने देश का आधिकारिक नाम ईरान किया। तेल के राष्ट्रीयकरण और 1953 के अमेरिकी-समर्थित तख्तापलट ने ईरान की राजनीति को निर्णायक रूप से प्रभावित किया। शाह की भव्यता और जनता की बदहाली के बीच खाई बढ़ती गई। 1979 की इस्लामी क्रांति ने राजशाही का अंत कर दिया, लेकिन स्थायी स्थिरता नहीं दे सकी। आज ईरान एक बार फिर अपने अतीत और वर्तमान के बीच झूल रहा है। इतिहास गवाह है कि यह देश जितनी बार आगे बढ़ा, उतनी बार उसका अतीत उसके सामने खड़ा हो गया। शायद यही कारण है कि सिकंदर की अंगूठी, शाहनामा की गाथाएं और शाह की ताजपोशी आज भी ईरान की राजनीति और चेतना में एक साथ जीवित हैं। गौरतलब है कि ईरान में पिछले दो हफ्तों से विरोध प्रदर्शनो जारी हैं। इनकी वजह से वहां की स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है। बताया जा रहा है कि इन विरोध प्रदर्शनों में अब तक करीब 114 सरकारी अधिकारी व कर्मचारी भी मारे गए हैं। हालांकि, सही संख्या का जानना मुश्किल है क्योंकि देश में अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों पर पाबंदियां हैं।

सिकंदर की अंगूठी, शाहनामा की गाथाएं और शाह की ताजपोशी आज भी ईरान की राजनीति और चेतना में एक साथ जीवित हैं।

तेल बाजारों के लिए कितने मायने रखता है ईरान का भविष्य

अराजकता

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

ईरान में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल भारत के लिए सिर्फ एक विदेशी संकट नहीं है, बल्कि यह भारत की सुरक्षा, व्यापार और रणनीति से सीधे जुड़ा मामला बनता जा रहा है। ईरान और भारत के रिश्ते दशकों पुराने हैं।

ये रिश्ते सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं, बल्कि भूगोल, रणनीतिक संतुलन और क्षेत्रीय पहुंच से जुड़े हैं। अगर ईरान कमजोर हुआ या वहां सत्ता परिवर्तन हुआ, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान भारत को हो सकता है। भारत के लिए ईरान सिर्फ एक देश नहीं, बल्कि पश्चिम की ओर खुलने वाला एकमात्र भरोसेमंद दरवाजा है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान और मध्य एशिया के लिए भारत के जमीनी रास्ते बंद कर रखे हैं। ऐसे में ईरान ही भारत को उस क्षेत्र से जोड़ता है, जहां से ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक पहुंच मिलती है। ट्रंप की अतिवादी नीतियों ने जिस तरह ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसे आर्थिक रूप से कमजोर बनाने का खेल शुरू किया है, यह सीधे तौर पर भारत के लिए भी एक और मुसीबत खड़ी कर सकता है। अगर ईरान की स्थिति नियंत्रण से बाहर होती है, तो इससे वैश्विक स्तर पर तेल और वित्तीय बाजारों पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। वेनेजुएला में निकोलस मादुरो को हटाए जाने के बाद ऐसा नहीं हुआ था, लेकिन ईरान के मामले ने सभी को चिंता में डाल दिया है क्योंकि ईरान, वेनेजुएला की तुलना में चार गुना अधिक तेल का उत्पादन करता है। ओपेक देशों में ईरान तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है। दुनिया की कुल तेल मांग का लगभग चार फीसदी हिस्सा ईरान से आता है, जबकि वेनेजुएला सिर्फ एक फीसदी ही उत्पादन करता है। संघर्ष के समय में इतिहास इसका गवाह रहा है। फिलहाल, बाजार 'इंतजार करो और देखो' की स्थिति में है। क्रूड की कीमतों में उथल-पुथल का असर भारत पर सीधे पड़ता है। भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा आयात से पूरा करता है। इस भारी निर्भरता के कारण उसे अपने विदेशी मुद्रा भंडार का काफी बड़ा खर्च इस पर करना पड़ता है। इससे भारत का इंपोर्ट बिल बढ़ता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जरा भी तेजी भारत में पेट्रोल, डीजल और माल ढुलाई की लागत बढ़ा देती है। दूसरी तरफ, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। सत्ता परिवर्तन के संक्रमण काल में भारत को अमेरिका और ईरान के बीच संतुलन बनाना बहुत कठिन हो सकता है। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण चोक प्वाइंट बना हुआ है। यहां से वैश्विक एलएनजी व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत और कच्चे तेल के निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है। ईरान इस रास्ते को बंद कर सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास किसी भी तरह की बाधा से इराक, सऊदी अरब और यूएई से तेल की खेप प्रभावित हो सकती है। इस रास्ते में बाधा आने से तेल लाने की लागत बढ़ जाएगी। इससे समय के साथ-साथ लागत के मामले में भारत के निर्यात को नुकसान हो सकता है।

भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा तेल आयात से पूरा करता है। इस भारी निर्भरता के कारण उसे अपने विदेशी मुद्रा भंडार का काफी बड़ा खर्च इस पर करना पड़ता है।

साफ है, यदि सत्ता परिवर्तन हिंसक होता है तो ईरान में लंबे समय तक अस्थिरता रह सकती है। इससे भारत के करोड़ों डॉलर के निवेश अधर में लटक सकते हैं। वर्तमान में अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत ईरान से तेल नहीं खरीद पा रहा है। यदि नई सरकार आती है और अमेरिका के साथ उसके संबंध सुधरते हैं, तो भारत को फिर से ईरान से सस्ता और गुणवत्तापूर्ण कच्चा तेल मिल सकेगा। इसमें कोई संदेह नहीं स्थिर ईरान भारत के लिए बहुत मायने रखता है। ईरान में सत्ता परिवर्तन यदि लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से होता है तो यह भारत के लिए दीर्घकालिक लाभ लेकर आएगा।

आंतरिक और बाह्य संकटों में उलझा ईरान

विरोध

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

इस समय ईरान गहन आंतरिक तथा बाह्य संकटों में उलझा हुआ है। गत वर्ष जून में अमेरिका के साथ प्रक्षेपास्त्रीय युद्ध में अपनी सामरिक शक्तियों के ध्वस्त होने के बाद इस देश में अर्थव्यवस्था का भी तीव्र पतन हुआ। ईरान की सबसे बड़ी समस्या आर्थिक बदहाली और राजनीतिक कठोरता का मिश्रण है। दशकों से लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। यहां मुद्रास्फीति उच्च स्तर पर है। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। ईरानी रियाल का मूल्य निरंतर कम हो रहा है। सबसे बड़ी समस्या जो इस देश में है, वो 'इस्लामिक रिपब्लिक' शासन व्यवस्था है। यह शासन लोकोपकारी भूमिका में है ही नहीं। शासकीय कुव्यवस्था ने नागरिकों की स्वतंत्रता छीन ली है।

नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी, कठोर मजहबी प्रतिबंधों एवं सामाजिक कानूनों के प्रति विद्रोही हैं। लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से अति असंतुष्ट हैं। ईरान के नवीन आंदोलनों की सबसे बड़ी लहर 2022 में महसा अमीनी की मौत के बाद शुरू हुई थी, जिसे ठीक से 'हिजाब' न पहनने के कारण नैतिकता प्रबंधन पुलिस ने अभिरक्षा में लिया था। हालांकि, इन दिनों के जनप्रदर्शन केवल हिजाब-प्रकरण तक सीमित नहीं रहे, बल्कि इनके होने के पीछे अनेक कारण हैं। व्यक्तिगत स्वतंत्रता इनमें प्रमुख है।

स्त्रियां एवं युवा 'स्त्री, जीवन, स्वतंत्रता' नारे के साथ व्यक्तिगत अधिकारों की मांग कर रहे हैं। भ्रष्टाचार व शासकीय कुप्रबंधन ने भी जन विद्रोह में वृद्धि की है। जनता पूर्णतः आश्वस्त है कि देश के संसाधन आम लोगों के कल्याण की तुलना में विदेशी संघर्षों तथा सत्ता संरक्षण में निर्धारित हैं। यही कारण है कि प्रदर्शनकारी अब केवल शासन पद्धति में सुधार नहीं, बल्कि धार्मिक नेतृत्व के अंत की कठोर मांग भी कर रहे हैं। अमेरिका तो ईरान के पीछे तब ही से पड़ा हुआ है, जब से उसे ईरान में परमाणु अस्त्रों के प्रथम परीक्षण की भनक लगी थी। जहां ईरान स्वभूमि पर विद्यमान प्राकृतिक तेल भंडारों की सुरक्षा के लिए सामरिक शक्तियों से संचित होने की कामना से भरा रहा है, वहीं अमेरिका की मंशा आरंभ से ही इस कोण पर केंद्रित रही है कि ईरान को स्वतंत्र रूप में परमाणु अस्त्र की शक्ति से संपन्न नहीं होने देना है, क्योंकि ऐसा हो जाने पर अमेरिका उसके तेल संसाधनों का मनमाना दोहन नहीं कर सकेगा। अपने इस दृष्टिकोण को विश्व में स्वीकार्यता देने के उद्देश्य से वह ईरान के इन आंदोलनों को अपने स्तर पर तीव्र कर रहा है। वह इन्हें 'लोकतंत्र के समर्थन' के रूप में प्रचारित कर रहा है। अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहता है। वह अमेरिकी नेतृत्व वाले पश्चिमी हितों के अनुकूल नवशासन स्थापित कर ऐसे शासन के माध्यम से ईरानी परमाणु कार्यक्रमों को पूरी तरह बंद करवाना चाहता है।

अमेरिका की मंशा यह रही कि ईरान को स्वतंत्र रूप में परमाणु अस्त्र की शक्ति से संपन्न नहीं होने देना है, क्योंकि वह उसके तेल संसाधनों का मनमाना दोहन नहीं कर सकेगा।

अमेरिकी कामना ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव को कम करने की भी है। चूंकि ईरान मध्य पूर्व में इजरायल और सऊदी अरब का कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। अमेरिका इस स्थिति का सामरिक, आर्थिक व राजनीतिक लाभार्जन चाहता है। वह आंदोलनों व जनप्रदर्शनों के माध्यम से ईरान के प्रभाव को सीमित करना चाहता है। अमेरिका आंदोलनों की आड़ में अत्यधिक कठोर प्रतिबंध लगाकर ईरानी शासन पर दबाव बनाना चाहता है ताकि वह परमाणु समझौते पर सीधे-सीधे उसकी शर्तों को मान ले। प्रत्यक्ष रूप में भारत भले ही ईरान-प्रकरण पर तटस्थ प्रतीत हो, किंतु अनेक स्तर पर स्वहितों की रक्षा हेतु भारत, आंदोलनकारी स्थितियों को नियंत्रित करने की दिशा में ईरान के साथ कूटनीतिक विमर्श में सम्मिलित है। यदि हमारे व ईरान के संबंधों को देखें तो इनका सबसे बड़ा आधार आर्थिक व व्यापारिक है। वैसे दोनों देशों के संबंध ऐतिहासिक और रणनीतिक रूप में भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहे हैं। ऊर्जा सुरक्षा दोनों के संबंधों का एक विशाल सेतु रही है। एक समय में ईरान, भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता था।

हालांकि, अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत का ईरान से तेल आयात कम हो गया है, परंतु तब भी दोनों ओर से ऊर्जा सहयोग की संभावनाएं बनी हुई हैं। ईरान स्थित चाबहार पोर्ट भारत के लिए अर्थनीतिक रूप में सबसे महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके माध्यम से भारत पाकिस्तान के पारगमन मार्ग को अनस्तित्व कर अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधी पहुंच बनाता है। इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर अर्थात व्यापार मार्ग रूस और यूरोप तक पहुंचने के लिए भारत और ईरान के बीच एक प्रमुख कड़ी है।

भारत व पारंपरिक ईरान के बीच सांस्कृतिक सह-संबंध भी था। दोनों देशों में प्राचीन भाषायी एवं सांस्कृतिक समानताएं हैं, जो द्विपक्षीय आधुनिक कूटनीति को शक्तिसंपन्न करती है। इस आधार पर भारत आंदोलन के कारण हिंसक, अस्थिर तथा अस्त-व्यस्त ईरान के हितों की रक्षा हेतु कूटनीतिक पहल कर सकता है।

अब पीएम कुसुम योजना में लगेंगे सोलर कृषि पंप, सौर सुजला योजना होगी बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के किसानों को कृषि के लिए सोलर पंप लगाने की भाजपा सरकार में 2016 में प्रारंभ की गई सौर सुजला योजना अब बंद होगी। इसके स्थान पर अब केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना में किसानों को सोलर पंप लगाकर दिए जाएंगे। इसके लिए क्रेडा ने प्रदेश सरकार के माध्यम से नए सत्र के लिए केंद्र सरकार के पास प्रदेश के किसानों के खेतों में प्रधानमंत्री कुसुम योजना में 20 हजार पंप लगाने का प्रस्ताव भेजा है।

वहां से प्रस्ताव की मंजूरी के बाद क्रेडा खेतों में पंप लगाने का काम नए सत्र अप्रैल से प्रारंभ करेगा। प्रदेश में अब तक एक लाख साठ हजार सोलर पंप लग चुके हैं। अंतिम साल में योजना को बंद करने के कारण महज सात हजार पंप लग पाएंगे। प्रदेश में किसान खेती के लिए कृषि पंप लगाने का काम करते हैं।

ज्यादातर कृषि पंप तो बिजली से चलने वाले लगाए जाते हैं। लेकिन प्रदेश में कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर बिजली की सुविधा न होने पर या किसानों के खेतों के पास बिजली के ट्रांसफार्मर और खंभे न होने के कारण कृषि पंप लगाने के लिए करीब दस साल पहले प्रदेश में भाजपा की रमन सरकार के समय सौर सुजला योजना राज्य स्थापना दिवस पर एक नवंबर 2016 को प्रारंभ की गई थी। तब सौर सुजला योजना के माध्यम से सोलर कृषि पंप लगाने का काम किया गया। उसी समय प्रदेश में बहुत ज्यादा सोलर कृषि पंप लगाए गए।

नए सत्र में प्रदेश में 20 हजार पंप लगाने का केंद्र सरकार को भेजा गया प्रस्ताव

केंद्र सरकार को भेजा है प्रस्ताव

नए सत्र में प्रदेश में केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री कुसुम योजना में 20 हजार सोलर पंप लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार को दिया गया है।

– **भूपेंद्र सवन्नी**, अध्यक्ष, क्रेडा

हर साल लगे 20 हजार पंप

राज्य सरकार ने चूंकि इस योजना का प्रारंभ एक नवंबर 2016 को किया था, इसलिए पहले साल 2016-17 में महज 12 हजार सोलर पंप किसानों के खेतों में लगाए गए। इसके बाद से हर साल प्रदेश सरकार ने 20 हजार के आस-पास सोलर पंप लगाने का काम किया। 2025-26 के लिए भी वैसे तो 20 हजार सोलर पंप लगाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन इस बीच फैसला किया गया कि अब केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना में ही कृषि के लिए सोलर पंप लगाने का काम होगा, इसलिए राज्य सरकार की योजना में महज सात हजार पंप ही लग सकेंगे।

अब केंद्र सरकार की योजना में लगेंगे

अब किसानों को सोलर पंप केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना में लगाकर दिए जाएंगे। इसके लिए केंद्र सरकार के पास 20 हजार पंप लगाने का प्रस्ताव भेजा गया है। वहां से मंजूरी मिलने पर पंप लगाए जाएंगे। इस योजना में भी किसानों को सब्सिडी मिलेगी। लेकिन अभी तय नहीं है कि इसमें सब्सिडी कितनी मिलेगी। राज्य सरकार की योजना में महज 10 से 20 हजार में पंप लग जाते थे। क्रेडा के अधिकारियों के मुताबिक अब तो सोलर पंप लगाने की लागत कम हो गई है। इस समय तीन एचपी के लिए करीब ढाई लाख और पांच एचपी के लिए तीन लाख दस हजार में लगते हैं। टेंडर के बाद यह लागत और कम हो सकती है।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत रायपुर जिले में चयनित 43 ग्रामों को फंड जारी नहीं होने से अटके विकास कार्य

109 में 66 ग्रामों को ही बना पाए आदर्श ग्राम, फंड जारी नहीं होने से 43 गांव के लिए आदर्श कहलाना बना सपना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना (पीएमएजीवाय) के तहत अनुसूचित जाति (एससी) बहुल क्षेत्र वाले ग्रामों में सड़क संपर्क, दूरसंचार, स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य उपकेंद्र, पेयजल, जल निकासी और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाएं देकर उन्हें आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करना है।

इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में भी योजना शुरू होने से लेकर अब तक 109 गांवों को आदर्श ग्राम बनाने के लिए चुना गया है, लेकिन इनमें से अभी तक सिर्फ 66 ग्रामों को ही आदर्श ग्राम बनाया जा सका है। वहीं शेष 43 गावों के लिए आदर्श ग्राम बनना सपना जैसा हो गया है, क्योंकि आदर्श ग्राम बनाने की सूची में इन ग्रामों के नाम शामिल हैं, लेकिन बुनियादी सुविधाएं देने के लिए इन ग्राम पंचायतों को अभी तक फंड ही जारी नहीं किया गया है, जबकि इनमें ऐसे कई ग्राम हैं जिनका चयन वर्ष 2022 में हुआ है। इस तरह फंड के अभाव इन ग्रामों के विकास कार्य भी रुके हुए हैं।

ये ग्राम अब तक नहीं बन पाए आदर्श ग्राम

आरंग ब्लॉक अंतर्गत 15 गांव शामिल बोड़रा, कुहेरा, सेंध, खुटेरी, पचेड़ा, रीको, चकवे, छतौना, कठिया-1, नवागांव-1, जुगेसर, कोटनी, धनसुली, अकोलीखुर्द, नरियारा शामिल है। अभनपुर ब्लॉक अंतर्गत 9 ग्राम शामिल हैं, जिनमें मुड़पार अलाइस भेवाडीह, खंडवा, उमरपोटी, तर्रा-2, कठिया-2, लमकेनी, पचेड़ा-2, नायकबांधा एवं सिंगारभाठा शामिल है। धरसींवा ब्लॉक में 14 गांवों को शामिल किया है। इनमें कुथरेल, पिरदा, कन्हेरा, दोंदेखुर्द, दोंदेकला, संकरी-3, खपरीडीह, पचरी, नवागांव, चिचोली, सोनतरा, भरुवाडीह, गैतरा एवं मोतीपुरकला शामिल है। इसके अलावा रायपुर ग्रामीण में मुजगहन एवं सेजबहार तथा बलौदाबाजार अंतर्गत केवतरा गांव इस सूची में शामिल है।

फंड जारी नहीं होने से 43 गांव नहीं बन पाए आदर्श ग्राम

इस योजना के तहत रायपुर जिले में वर्ष 2014 से वर्ष 2021 तक कुल 68 ग्रामों को शामिल किया गया था। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2022-23 में 35 अन्य ग्रामों का चयन आदर्श ग्राम बनाने के लिए किया। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी 6 ग्रामों का चयन हुआ है। इस तरह जिले में कुल 109 ग्रामों का चयन हुआ है, जिनमें से 66 ग्रामों को योजना के तहत फंड जारी कर उन्हें आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया है।

विधायक करते हैं ग्रामों का चयन

किस गांव को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करना है, इसका चयन उस विधानसभा क्षेत्र का विधायक तय करता है। विधायक अपने क्षेत्र में एक ऐसे गांव का चयन करता है, जिसमें अनुसूचित जाति की आबादी 40 प्रतिशत से अधिक हो, ताकि उसका एकीकृत विकास किया जा सके। इसके बाद चयनित ग्राम का ग्राम विकास योजना (वीडीपी) तैयार किया जाता है। इसके तहत गांव में आवश्यकता और प्राथमिकता के अनुसार सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य कार्यों को शामिल किया जाता है। विधायक की अनुमति के बाद वीडीपी तैयार कर इस प्रस्ताव को जिला आदिवासी विकास विभाग राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से मंजूरी के लिए भेजता है। इसके बाद मंजूरी मिलने पर केंद्र सरकार इन ग्रामों के विकास के लिए फंड जारी करती है।

आदर्श ग्राम बना सपना, कई गांव के सरपंचों ने हरिभूमि से बातचीत में कही बात

केस 1 मुजगहन की सरपंच उषा राकेश टंडन ने बताया कि उनके क्षेत्र के विधायक के अनुमोदन पर उनके गांव को वर्ष 2022 में आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने सूची में शामिल किया था, लेकिन इस योजना के तहत एक रूपए भी गांव को नहीं मिला है। उनके गांव में पानी की विकराल समस्या बनी हुई है, सड़क जर्जर, नाली की कमी, तालाब का पानी गंदा हो गया है। फंड नहीं आने से ये सभी विकास कार्य हो नहीं पा रहे हैं।

केस 2 ग्राम खंडवा अभनपुर के सरपंच जगदीश भारती ने बताया कि आदर्श ग्राम के रूप में उनका गांव भी चयन हुआ है। वर्ष 2024 में इस योजना के तहत क्या-क्या कार्य कराए जाने है। इस संबंध में प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था, लेकिन त्रुटि होने के कारण दो बार उनके प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी गई। उनके गांव में नाली, सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है।

केस 3 ग्राम तर्रा अभनपुर के सरपंच लालाराम साहू ने बताया कि उनका गांव भी आदर्श ग्राम के रूप में चयन हुआ है, लेकिन फंड जारी नहीं होने से गांव में विकास कार्य नहीं हो पाए हैं।

वर्ष 2009 में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हुई थी योजना शुरू, अक्टूबर 2014 को लागू

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना वित्तीय वर्ष 2009-10 में पायलट आधार पर शुरू की गई थी, जिसका लक्ष्य अनुसूचित जाति बहुल गांवों का एकीकृत विकास करना है, लेकिन बाद में इसे सांसद आदर्श ग्राम योजना (एसएजीवाय) से अलग रखा गया है। इस तरह 11 अक्टूबर 2014 को इस योजना की मुख्य रूप से शुरुआत हुई।

सहायक शिक्षकों की सामूहिक हड़ताल, पढ़ाई लिखाई ठप, 4 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेशभर के सहायक शिक्षकों ने अपनी 4 सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को राजधानी के नवा रायपुर स्थित तूता धरना स्थल सहित प्रदेश के 33 जिलों में हड़ताली शिक्षकों ने एक दिवसीय सामूहिक हड़ताल कर पढ़ाई-लिखाई का कार्य ठप रखा। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक-समग्र शिक्षक फेडरेशन के आव्हान पर सहायक शिक्षकों ने मोदी की गारंटी के तहत सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर कर सभी शिक्षकों को क्रमोन्नत वेतनमान देने, प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणनकर एलबी शिक्षकों को सभी लाभ प्रदान करने, टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की।

- छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के आव्हान पर 33 जिलों में एक साथ प्रदर्शन

नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर रायपुर जिलों 4 संभागों के सहायक शिक्षकों ने लंबित मांगों को लेकर जमकर हल्ला बोला। आंदोलन करने जुटे सहायक शिक्षकों ने शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति स्वयं के मोबाइल में करने और वीएसके की अनिवार्यता समाप्त करने प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के प्रदेश संयोजक मनीष मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र कुमार राठौर ने हरिभूमि को संयुक्त रूप से बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में सहायक शिक्षकों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति देकर वेतन विसंगति दूर करने सहित अन्य मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। हड़ताल में बड़ी संख्या में महिला सहायक शिक्षकों की भी सहभागिता रही। सिर पर सफेद रंग की टोपी पहने और उसमें मांगों से संबंधित स्लोगन दर्शाते हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी की गई। फेडरेशन ने यह स्पष्ट किया है कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा घोषित मोदी की गारंटी के तहत सहायक शिक्षकों की वर्षो से लंबित समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए, किन्तु अब तक इस दिशा में ठोस पहल नहीं होने से शिक्षकों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

घूम घूमकर उठाईगिरी करने वाले त्रिची गिरोह के आधा दर्जन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देश में घूम-घूमकर उठाईगिरी करने वाला तामिलनाडु, तिरुच्चिराप्पल्ली (त्रिची) गिरोह के एक साथ छह बदमाशों को क्राइम ब्रांच की टीम झारखंड, रांची से गिरफ्तार कर रायपुर लाई है। गिरोह में शामिल शातिरों ने देवेंद्र नगर तथा गंज थाना क्षेत्र में दो उठाईगिरी की घटना को अंजाम दिया था। बदमाश घटना को अंजाम देने के बाद बस से दुर्ग फरार हुए, इसके बाद डब्लूटी ट्रेन से फरार हुए थे। त्रिची गिरोह के एक साथ छह बदमाशों को दबोचे जाने का देश में यह पहला मामला है। इसके पूर्व भी गिरोह के सदस्य छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में पकड़े गए हैं, लेकिन उनकी संख्या एक दो की रहती थी। गिरोह में शामिल शातिर पुलिस को चकमा देकर फरार होने में माहिर होते हैं।

- शातिर गिरोह के एक साथ आधा दर्जन बदमाशों के पकड़े जाने का यह पहला मामला
- रांची में वारदात करने पहुंचे थे, चोरी करने के लिए बाइक तलाश रहे थे इस दौरान पुलिस ने आरोपियों को दबोचा

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने त्रिची गिरोह का खुलासा करते हुए बताया कि उठाईगिरी करने के आरोप में किट्टू, ए. विनोद कुमार, बाला मुरूगन, कुमरेशन डी., स्कर के. तथा रंगन ए. को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शातिरों के गिरोह को रामजी नगर गिरोह के नाम से भी जाना जाता है। पुलिस के अनुसार गिरोह में शामिल शातिर बगैर टिकट ट्रेन में यात्रा करते हैं। त्रिची गिरोह के लोग लॉज, धर्मशाला या होटल में रुकने के बजाय रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म में रुकते हैं।

इन राज्यों में उठाईगिरी करने के बाद पहुंचे थे

पुलिस के अनुसार उठाईगिरी करने वाले गिरोह का कोई निश्चित टार्गेट नहीं रहता। एक राज्य में उठाईगिरी करने के बाद वह वहां रुकने के बजाय तत्काल शहर छोड़ देते हैं। शातिरों को लगता है कि पुलिस अब उन्हें नहीं पकड़ पाएगी। उसके बाद नए टार्गेट की तलाश में निकलते हैं। पुलिस के अनुसार रायपुर में उठाईगिरी करने के बाद शातिर झारखंड, रांची में उठाईगिरी करने पहुंचे थे। घटना को अंजाम दे पाते, इसके पहले बदमाश दबोचे गए। त्रिची गिरोह के शातिरों ने महाराष्ट्र, उडीसा, राजस्थान एवं दिल्ली में वारदात करने के बाद रायपुर में घटना को अंजाम दिया था।

पुलिस को गुमराह करने यहां फेंका लैपटॉप

पुलिस को गुमराह करने शातिरों ने चोरी किया गया एक लैपटॉप गरियाबंद क्षेत्र में फेंक दिया था। पुलिस टीम ने सतर्कता दिखाते हुए महज छह घंटे के भीतर उस लैपटॉप को बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से एक लैपटॉप, एक टैबलेट, 25 हजार रुपए नकद, दो सोने के सिक्के और दो मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

संतोष बोले- पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार में कोई सुरक्षित नहीं

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता और सांसद संतोष पाण्डेय ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान प. बंगाल के 150 जादवपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 110 के बूथ लेवल ऑफिसर अशोक दास की मौत के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा, पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार में कोई सुरक्षित नहीं है। इस घटना ने लोकतंत्र की आत्मा को झकझोर कर रख दिया है। पश्चिम बंगाल की धरती, जो कभी लोकतांत्रिक चेतना और बौद्धिक परंपरा के लिए जानी जाती थी, आज टीएमसी शासनकाल में भय, दबाव और राजनीतिक हिंसा की प्रयोगशाला बना दी गई है। सवाल यह है कि क्या अब चुनाव ड्यूटी निभाना भी पश्चिम बंगाल में जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है।

- पश्चिम बंगाल भय, दबाव और राजनीतिक हिंसा की प्रयोगशाला

श्री पाण्डेय ने शनिवार को एकात्म परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, स्व. दास एक ईमानदार सरकारी कर्मचारी थे और टीएमसी नेताओं द्वारा उन पर लगातार ऐसा दबाव बनाया गया कि दास को आत्महत्या जैसा दुर्भाग्यपूर्ण कदम उठाने के लिए विवश होना पड़ा। उन्हें चेतावनी दी गई थी कि अगर उन्होंने वोटर लिस्ट से किसी भी अवैध वोटर को हटाया, तो न सिर्फ उन्हें मार दिया जाएगा, बल्कि उनकी पत्नी और छोटे बच्चे को भी नुकसान पहुंचाया जाएगा। श्री पाण्डेय ने कहा, यह सिर्फ एक आत्महत्या नहीं है, बल्कि यह सत्तारूढ़ दल के दबाव में कुचले गए एक ईमानदार अधिकारी की चुप कराई गई आवाज है। श्री पाण्डेय ने कहा, आज टीएमसी के इन कारनामों के कारण पश्चिम बंगाल में रोहिंग्याओं और बांग्लादेशी घुसपैठियों को छोड़कर कोई भी सुरक्षित नहीं है, जिन्हें अपने वोट बैंक के लिए प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी संरक्षण दे रही हैं। ममता बनर्जी खुद को लोकतंत्र की रक्षक कहती हैं, तो आज इस मसले पर चुप्पी क्यों है। क्या अवैध घुसपैठियों को बचाने की राजनीति इतनी बड़ी हो गई है कि देश के नागरिकों, चुनाव अधिकारियों और उनके परिवारों की जान की कोई कीमत नहीं रह गई। भाजपा यह स्पष्ट करना चाहती है कि यह लड़ाई किसी पार्टी के खिलाफ नहीं, बल्कि डर, दमन और चुनावी धोखाधड़ी की राजनीति के खिलाफ है। भाजपा इस अन्याय के खिलाफ चुप नहीं बैठेगी। हम स्व. अशोक दास को न्याय दिलाने और बंगाल को भयमुक्त बनाने तक यह संघर्ष जारी रखेंगे।

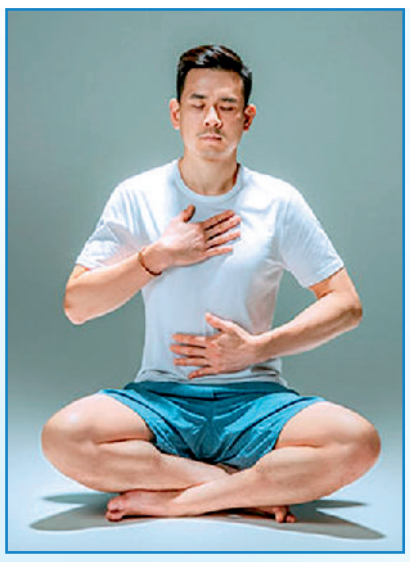

इन दिनों पूरी दुनिया में जेन जी की काफी चर्चा हो रही है। बिल्कुल युवा इस पीढ़ी का चीजों को देखने का, जीवन को जीने का अलग अंदाज है। ये हर तरह के दबाव, तनाव और बंदिशों से मुक्त होकर जीने के कायल हैं। निकट भविष्य में इनकी जीवनशैली, फैशन सेंस और उनके वर्क पैटर्न में कई बदलाव देखने को मिलेंगे।

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

आने वाले दिनों में बदल जाएगी जेन जी की लाइफस्टाइल

जेन जी का जिक्र आते ही उत्साह-उमंग से भरी युवा पीढ़ी की छवि मन में उभरती है। लेकिन कई मायने में यह जेनरेशन बहुत समझदार, व्यावहारिक और जीवन को पूरी तरह जीने में यकीन करती है। आने वाले दिनों में इनकी जीवनशैली, फैशन और कार्यशैली में कुछ नए बदलाव दिखेंगे।

कूल लाइफस्टाइल को महत्व: जेन जी के युवाओं का इंटेंशनल लिविंग पर जोर रहेगा। डिजिटल शोर से दूर रहने के लिए जेन जी, पुरानी आदतों जैसे हाथ से पत्र लिखना और शांतिपूर्ण व्यक्तिगत स्थान बनाने की ओर झुकाव दिखाएगी। वर्क कल्चर भी इस तरह बदलेगा कि वे अब केवल सैलरी नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ, फ्लेक्सिबल वर्क और अपने वैल्यूज के साथ मैच करने वाले काम को प्राथमिकता देंगे।

सबसे जरूरी हेल्थ-वेलनेस: बढ़ती

मानसिक बीमारियों के बीच जेन जी के युवा फिजिकल से ज्यादा मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयर रहेंगे। कुछ अध्ययन साबित करते हैं कि 92 प्रतिशत युवा कार्यस्थल और स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना चाहेंगे। युवा ऐसे भोजन और पेय पदार्थों की मांग करेंगे, जो न केवल स्वाद दें, बल्कि तनाव कम करने और ब्रेन हेल्थ मेंटेन करने में मदद करें। योग के साथ-साथ 'ब्रीदिंग टेक्नीक' (सांस लेने की तकनीक) तनाव प्रबंधन के लिए एक बड़ा ट्रेंड बनेगा।

टेक्नोफैशन का ट्रेंड: जल्द ही 'व्हाइट लग्जरी' (शांत विलासिता) का दौर खत्म होगा और जेन जी बोल्ड कलर्स, चमकदार एक्सेसरीज और लेयर्ड ड्रेसेस को अपनाएंगे। युवाओं में विंटेज ब्लेजर, ओवरसाइज्ड टर्टलनेक और मैसेंजर बैग जैसे 'राइटर लुक' का चलन बढ़ेगा। ड्रेस बनाने में नए मैटीरियल आजमाए जाएंगे। जैसे प्लांट बेस्ड फैब्रिक्स और स्मार्ट टेक हुडीज। 'स्मार्ट टेक हुडी' एक ऐसी ड्रेस है, जिसमें नई तकनीक या स्मार्ट फैब्रिक को आराम और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए शामिल किया जाता है, जो इसे सामान्य हुडी से अलग बनाता है। इन हुडीज में स्वास्थ्य की निगरानी करने वाले सेंसर या यात्रा के अनुकूल कई पॉकेट जैसी सुविधाएं हो सकती हैं। जैसे वियरेबल टेक्नोलॉजी के उपयोग से कुछ हाई-एंड स्मार्ट हुडीज में ऐसे सेंसर लगे होते हैं, जो बायोमेट्रिक और फिजिकल डेटा जैसे हृदय गति और तापमान को ट्रैक कर सकते हैं। ये अकसर ब्लूटूथ के माध्यम से स्मार्टफोन एप से जुड़ते हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी फिटनेस मेट्रिक्स की निगरानी कर सकते हैं। या फिर टेक्निकल फैब्रिक्स इस्तेमाल होंगे। जैसे कई 'टेक' हुडीज फाइन फैब्रिक से बनाई जाती हैं, जिनमें नमी सोखने, दुर्गंध-रोधी और दाग-धब्बे हटाने जैसी विशेषताएं होती हैं। ये विशेष रूप से एथलीटों और यात्रियों के लिए डिजाइन की जाती हैं ताकि उन्हें पूरे दिन आरामदायक

रखा जा सके। कुछ हुडीज को 'स्मार्ट' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनमें कई विशेष रूप से डिजाइन की गई पॉकेट्स होती है। कुछ कंपनियों की ट्रैवल हुडीज में 15 से अधिक पॉकेट्स होती हैं, जिनमें पासपोर्ट, पावर बैंक, धूप का चश्मा और पानी की बोतल रखने के लिए पॉकेट्स होती हैं।

प्रोफेशन में मेंटल पीस को प्रायोरिटी: आने वाले दिनों में जेन जी के लिए वर्क लाइफ बैलेंस और मानसिक स्वास्थ्य लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता पर होंगे। लगभग 61 प्रतिशत जेन जी ऐसी नौकरी छोड़ने को तैयार होंगे, जो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं देती हैं। केवल 23 प्रतिशत जेन जी ही पूरी तरह से रिमोट काम करना चाहेंगे, जबकि अधिकांश हाइब्रिड या ऑफिस में सहयोग को प्राथमिकता देंगे। एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 44 प्रतिशत जेन जी उन नौकरी प्रस्तावों को अस्वीकार कर सकते हैं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों या नैतिकता के खिलाफ होंगे। यह पीढ़ी जॉब सिक्योरिटी के लिए ब्लू-कॉलर जॉब्स में रुचि लेगी।

टेक्नोलॉजी का पॉजिटिव यूज: आने वाले दिनों में जेन जी ज्यादा जिम्मेदारी और समझ से तकनीक के उपयोग की तैयारी में है। जेन जी के युवा एआई को केवल एक टूल नहीं, बल्कि एक रचनात्मक साथी के रूप में देखेंगे। वे एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरों और वीडियो में पारदर्शिता की मांग करेंगे। टेक्नोलॉजी के यूज से खरीदारी का तरीका भी बदलेगा। *

आ चुकी है नई पीढ़ी जेनरेशन बीटा

जेन जी के बारे में जानने के साथ यह जानना भी दिलचस्प है कि नेक्स्ट जनरेशन का उदय हो चुका है। 2025 से 2039 के बीच पैदा होने वाले बच्चों को 'जनरेशन बीटा' कहा जाएगा, जो जेन जी और जेन अल्फा के बाद की सबसे एडवांस जेनरेशन होगी। यह जेनरेशन तो एआई के साथ खेलते-जीते बड़ी होगी। उनका भविष्य आगामी वर्षों में होने वाली टेक्नो डेवलपमेंट पर डिपेंड करेगा।

डीपफेक के मिसयूज से आपको रहना होगा कॉन्शस

तकनीक ने हमारे जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, उसके दुरुपयोग ने कई खतरे भी बढ़ाए हैं। डीपफेक तकनीक का मिसयूज भी इन खतरों में से एक है। इससे बचने के लिए हम सभी का कॉन्शस रहकर तकनीक का यूज करना जरूरी हो गया है।

अवेयरनेस

डॉ. मोनिका शर्मा

किसी के भी चेहरे को लेकर एआई जनरेटेड कंटेंट बनाने की नकारात्मक प्रवृत्ति अब खूब देखने को मिल रही है। तकनीक के दुरुपयोग की यह मानसिकता व्यक्तिगत रूप से किसी इंसान की साख खराब करने के साथ ही आपराधिक घटनाओं का भी कारण बन रही है।

किए जा रहे हैं रोकने के प्रयास: डीपफेक के मिसयूज पर लगाम लगाने के लिए पिछले महीने लोकसभा में रेग्युलेशन बिल पेश किया गया। इस बिल का उद्देश्य लोगों के चेहरे का गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर लगाम लगाना है। इस बिल में किसी भी एआई जेनरेटेड सामग्री को इंटरनेट पर डालने से पहले उस व्यक्ति की अनुमति लेनी जरूरी होगी। साथ ही एआई जेनरेटेड कंटेंट के गलत इस्तेमाल को लेकर जुर्माने और सजा का प्रावधान किया जाएगा। तकनीक के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अत्याधुनिक टेक्निकल टूल्स और कानून के साथ सेल्फ रेगुलेशन भी जरूरी है।

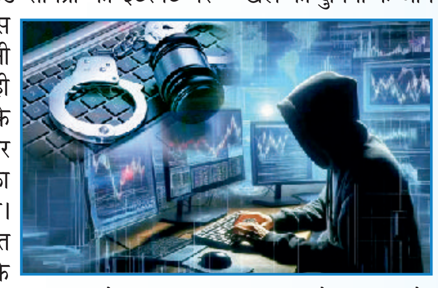

तकनीक का करते हैं मिसयूज: डीपफेक टेक्नीक के जरिए किसी फोटो में दूसरे का चेहरा लगाया जा सकता है। किसी वीडियो में दूसरी आवाज सेट कर दी जाती है। फेक चेहरा लगाने के बावजूद बिल्कुल असली लगने वाली इस एडिटिंग को मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अंजाम दिया जाता है। रीयल लगने वाले ऐसे फेक वीडियो और ऑडियो को विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार करने का खेल किसी भी इंसान की छवि बिगाड़ सकता है। इसमें ना केवल तस्वीर बिल्कुल असली लगती है, बल्कि वॉयस क्लोनिंग के माध्यम से आवाज भी हूबहू कॉपी की जा सकती है। इस तरह डीपफेक तकनीक के जरिए तैयार किए गए फेक कंटेंट का इस्तेमाल फाइनेंशियल और दूसरे कई तरह की धोखाधड़ी, सेलिब्रिटी पोर्नोग्राफी, पर्सनल या सोशल दुष्प्रचार, पहचान की चोरी जैसे गलत उद्देश्यों के लिए किए जाने के मामले सामने आए हैं। फोटो मॉर्फिंग कर एकदम रियल लगने वाली अश्लील तस्वीरें बनाने से लेकर वीडियो में किसी और की आवाज कॉपी कर कुप्रचार करने तक अनगिनत खतरे हमारे सामने हैं। ऐसे में डीपफेक तकनीक से जुड़े खतरों का सामना करने के लिए आम यूजर्स में आत्मनियमन का भाव जरूरी है। तस्वीर हो या वीडियो, अपने जीवन का हर पहलू सोशल मीडिया में साझा करने से पहले सोचना जरूरी है। शेयर की जा रही सामग्री के बढ़ते दुरुपयोग पर लगाम लगाने में खुद यूजर्स की समझदारी भी मददगार बन सकती है।

कंटेंट शेयरिंग में समझदारी: किसी जमाने में पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर केवल चर्चित चेहरों के फोटो और वीडियो ही मौजूद होते थे। फिल्म, राजनीति या खेल की दुनिया के जाने-माने लोगों की आवाज या तस्वीरें ही वर्चुअल मंचों पर मिला करती थीं। स्मार्ट गैजेट्स की बढ़ती दखल के मौजूदा दौर में स्थितियां बदल गई हैं। सोशल मीडिया के बहुत से प्लेटफॉर्म्स पर चर्चित चेहरों के ही नहीं आम लोगों के भी आडियो, वीडियो और फोटोज मौजूद होते हैं। ऐसे में आम लोग भी तकनीक का दुरुपयोग करने वाले लोगों की विकृत मानसिकता के शिकार बन रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ने आम और खास हर इंसान की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। आए दिन एआई टेक्निक के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे हैं। न केवल डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं बल्कि नेगेटिव न्यूज, ऑडियो-वीडियो और अश्लील तस्वीरें फैलाने का काम भी किया जा रहा है। 2019 एआई फर्म डीपट्रेस ने इंटरनेट पर 15 हजार डीपफेक वीडियो का पता लगाया था। जिनमें 96 फीसदी पोर्नोग्राफी से जुड़े थे। समझना मुश्किल नहीं कि बीते छह-सात वर्ष में तकनीकी एडवांसमेंट भी बढ़ा है और आम लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जा रहा कंटेंट भी। ऐसे में फेक कंटेंट तैयार करने के मामलों में भी इजाफा हुआ है। जरूरी है कि यूजर पर्सनल कंटेंट शेयर करने में सतर्कता बरते। *

गजल

कृष्णा बिहारी

तुम्हारी सोहबत में

बड़ी खुशबू मिली हमको तुम्हारी सोहबत में,
जड़ों से जुड़ गए देखो तुम्हारी सोहबत में।

मेरे कदमों की आहट गली भी जानती है,
उसे भी मिल रही शोहरत तुम्हारी सोहबत में।

सफर में मुश्किलें तो थीं मगर था हौसला भी,
सितारों तक पहुंच पाया तुम्हारी सोहबत में।

सादगी में कब ढंका है रूप का दरिया मगर,
आइने में उतर आया तुम्हारी सोहबत में।

जमाना भी कहां जाने ये किसकी ताकत है,
हिमालय तक उठा लाया तुम्हारी सोहबत में।

तपी थी दोपहर फिर भी मुकद्दर से मिली हमको
मुसीबत में घनी छाया तुम्हारी सोहबत में।

व्यंग्य / अशोक वाधवानी

जीने के लिए खाना या खाने के लिए जीना

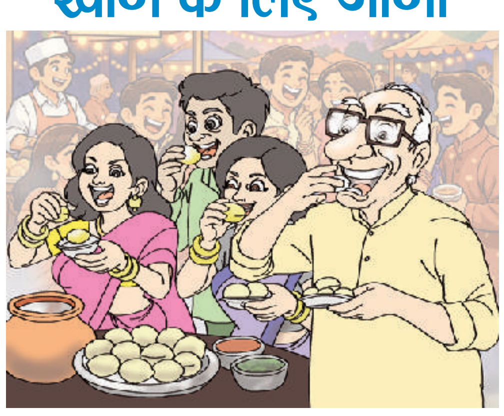

आमूमन मनुष्य कोई काम-धंधा करे या फिर नौकरी, यह कहना नहीं भूलता कि 'पापी पेट के लिए ये सब करना पड़ता है!' जबकि सच्चाई यह है कि पेट के लिए मनुष्य मुश्किल से 20-25 प्रतिशत ही खर्च करता है। बाकी आवश्यकताओं पर पेट से ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये और बात है कि इस तथ्य को लोग अपनी सहूलियत अनुसार सिरे से नकार देते हैं। खाने-पीने वालों की दो प्रजातियां पाई जाती हैं। पहले, जीवन जीने के लिए जितना जरूरी है, उतना ही नाप-तौल कर, ठोक-बजाकर खाते हैं। दूसरे, जो जी में आए, जब जी चाहे, जैसा भी मिले सहर्ष स्वीकारते हैं। शान से बताते हैं कि वे 'खाते-पीते' परिवार वाले हैं। उनका तर्क होता है कि जब तक जान है, हर तरह के खाद्य पदार्थों को चखना चाहिए। ऐसे लोग जिस तरह से हर खाने-पीने की चीजों को पेट के सुपुर्द करते हैं, उससे लगता है कि धरती पर खाने-पीने के लिए ही जन्मे हैं। अर्थात इन लोगों को दिन-रात खाने-पीने की ही चिंता सताती है। जीने के लिए जितना जरूरी है उतना खाने-पीने वाले लोग भी, कभी-कभार आकर्षक व्यंजनों को देखकर 'पिघल' जाते हैं। ऐसे लोग विवाह समारोह आदि जगहों पर इस कठोर नियम को अपनी सुविधा के लिए 'शिथिल' कर देते हैं, जिस तरह उड़ते पतंग को इच्छानुसार ढील दी जाती है। कई 'चटोरे-चटोरियां' पेट को प्रयोगशाला मानकर, हर तरह के सलाद, नमकीन, खट्टा, मीठा, तीखा, फीका, फल। सब कुछ एक के बाद एक पेट को अर्पण-समर्पण करते जाते हैं।

कुछ लोगों का नियम होता है कि सांझ ढलने के बाद दही, छाछ छूते नहीं हैं। अचार खाना तो दूर की बात है। ऐसे लोग इन बातों को नजरअंदाज करके इन जगहों पर ऐसी चीजों का भी स्वादानुसार सेवन करते हैं। मधुमेह वाले मजबूरन सिर्फ फीकी चाय पीना अनिवार्य समझते हैं। या फिर स्वाद के लिए 'शुगर फ्री' गोलियां डालकर पीते हैं। ऐसे लोग भी यहां आकर मीठी चीजें बड़े चाव से चखते हैं। किसी ने इस बाबत रोका-टोका तो खिसियाते हैं। खुलकर, बहाना बनाते कहते हैं, 'फलां व्यक्ति ने आग्रहपूर्वक जबरदस्ती प्लेट में डाल दिया है, वर्ना आप तो जानते ही हैं कि ये सब वर्जित है मेरे लिए।'

कइयों की दृष्टि में फल खाने का सही समय सुबह खाली पेट है। ज्यादा से ज्यादा नाश्ते या दोपहर के भोजन के पहले/बाद में फल खाना स्वास्थ्य के लिए हितकारक बताते हैं। ऐसों में से कुछ को रात के समारोह में तरह-तरह के फल खाते हुए देख सकते हैं। समारोह में घुसते ही कुछ लोग सारे स्टॉल पर नजरें दौड़ाकर सुनिश्चित करते हैं कि कौन-सा खाद्य पदार्थ 'टेस्टी' होगा। देखने के बाद तय करते हैं कि पहले, बीच में और अंत में क्या खाना श्रेयस्कर होगा?

जल्दी पहुंचने वाले कुछ रायता पहले ही खा लेते हैं। उन्हें पता होता है कि थोड़ी देर कर दी तो रायते को 'पतला' होने से कोई रोक नहीं सकता है। ऐसे समारोहों में पानी पूरी के स्टाल पर भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसा प्रतीत होता है कि पानी पूरी दुनिया में अब कहीं और नहीं मिलेगा। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग, स्त्री-पुरुष सभी हाथ में 'कटोरी' लिए हुए छीना-झपटी करते हुए दिखते हैं। कुछ अपनी बारी की प्रतीक्षा बड़ी बेसब्री से करते रहते हैं।

ऐसे ही एक कार्यक्रम में मुझसे चटोरेमल टकरा गए। उन्होंने अपने खाद्य ज्ञान की कई बातें बताईं। जैसे वे सबसे पहले आइसक्रीम खाते हैं। उसके बाद हल्का-फुल्का नाश्ता करके फिर आइसक्रीम खाना अपना कर्तव्य समझते हैं। भोजन बाद 'कार्यक्रम' समाप्ति की घोषणा अंतिम बार आइसक्रीम खाकर ही करते हैं। उन्होंने एक पते की बात बताई कि शौकीन होने पर भी आइसक्रीम कभी खरीदकर खाना जरूरी नहीं समझा।

मानव के रूप में कोई महामानव भी मिल सकते हैं जो कि पेट को 'पीड़ा' पहुंचाना नहीं चाहते हैं। इस तरह के उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ जापानी पद्धति 'हारा हचिबू' पर अमल करते हुए भूख से कम ही खाते हैं ताकि वे सदा चुस्त, दुरुस्त, तंदुरुस्त रहें। ऊंट के मुंह में जीरा समान ऐसे लोगों की थाली में सिर्फ दाल और चावल दिखता है। वे सब्जी तक नहीं खाते। ये महानुभाव दाल, चावल में ही संतुष्ट होते हैं। हालांकि ऐसी प्रजाति के लोग कम ही पाए जाते हैं। *

लघुकथा / सिराज अहमद

उड़ान

काफी देर तक होमवर्क करते हुए सोहन बहुत थक और ऊब चुका था। मन बोझिल हुआ तो उसने कॉपी का पिछला पन्ना फाड़ा और अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरने लगा। देखते ही देखते उसने उसमें रंग भरे और एक प्यारा सा कागज का हवाई जहाज तैयार कर लिया। जैसे ही उसने जहाज उड़ाने के लिए हाथ ऊपर उठाया, तभी कमरे में उसके पापा ने प्रवेश किया। हाथों में खिलौना देख पापा का पारा चढ़ गया। उन्होंने सोहन को जोर से डांटा और होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर चले गए। सोहन सहम गया। थके हुए शरीर और बेमन से उसने अपना बचा हुआ होमवर्क पूरा किया। रात होने पर सोहन को खाना खिलाकर सुला दिया गया, क्योंकि सुबह स्कूल जाने के लिए जल्दी उठना था। देर रात जब पापा कमरे में आए, तो उनकी नजर सोहन के बेड के नीचे पड़े उसी कागज के हवाई जहाज पर पड़ी। उन्होंने झुककर उसे उठाया और गौर से देखा, तो उनकी आंखें सुखद आश्चर्य से भर गईं। वो महज एक खिलौना नहीं, कला का एक सुंदर नमूना था। एक सादे से पन्ने में सोहन ने रचनात्मकता के रंग भर दिए थे। उन्हें लगा कि यह केवल एक खिलौना नहीं, नन्हे कलाकार की उड़ान है। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

सुरक्षित वतन लौटते ही छलक उठे जज्बात, लौटी मुस्कान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान में बिगड़ते सुरक्षा हालात के बीच शनिवार तड़के दिल्ली एयरपोर्ट पर राहत और भावुक पुनर्मिलन के दृश्य देखने को मिले। जैसे ही ईरान से लौटे भारतीय नागरिकों के विमान उतरे, बाहर इंतजार कर रहे परिजनों ने अपने अपनों को गले लगा लिया। किसी ने फूलों की माला पहनाई तो कहीं पिता ने बेटी को सीने से लगाकर राहत की सांस ली, आंखों में आंसू और चेहरे पर मुस्कान साफ झलक रही थी। शुक्रवार रात से ही इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आगमन टर्मिनल के बाहर परिवारों की भीड़ जुटी थी। हर यात्री समूह को उत्सुक निगाहों से देखा जा रहा था, इस उम्मीद में कि शायद अगला चेहरा उनका अपना हो।

संकटग्रस्त ईरान से लौटे भारतीय, बताई जमीनी हकीकत

इंटरनेट नहीं, अंतरराष्ट्रीय कॉल भी काम नहीं कर रहे

ईरान में 28 दिसंबर से हो रही हिंसा, 3 हजार से ज्यादा मौतें

छात्रों ने बताया कि ईरान के हालात बेहद तनावपूर्ण

ईरान से लौटे कई छात्रों ने वहां के हालात को बेहद तनावपूर्ण बताया। एक छात्रा ने कहा कि सड़कों पर माहौल असहज था और इंटरनेट बंद होने से वे पूरी तरह अलग-थलग महसूस कर रहे थे। भारत पहुंचकर परिवार को सामने देखना उनके लिए सुरक्षा और राहत का अहसास लेकर आया। एक अन्य छात्र शाजिद ने बताया कि अनिश्चित हालात और संचार की कमी ने चिंता बढ़ा दी थी। यात्रा व्यवस्था की जानकारी मिलते ही राहत महसूस हुई और घर लौटकर परिवार से मिलना बेहद सुकून देने वाला रहा। शिराज के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा ने बताया कि इंटरनेट बंद होने के कारण देशभर की स्थिति की सही जानकारी नहीं मिल पा रही थी, हालांकि उनके शहर में हालात अपेक्षाकृत ठीक थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे वाणिज्यिक उड़ान से अपने स्तर पर लौटी हैं।

भारतीय दूतावास की मदद से राहत मिली- परिजन

परिजनों ने बताया कि इंटरनेट ब्लैकआउट के दौरान उनकी चिंता चरम पर पहुंच गई थी। बाद में भारतीय दूतावास द्वारा संपर्क बहाल किए जाने और मदद शुरू होने से राहत मिली। विदेश मंत्रालय के अनुसार, ईरान में करीब 9,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं, जिनमें अधिकांश छात्र हैं। सरकार ने हालात सामान्य होने तक ईरान की यात्रा से बचने और उपलब्ध साधनों से देश छोड़ने की सलाह दी है।

ईरान में दो हफ्तों से जारी हिंसा में 3 हजार से ज्यादा मौतें

ईरान में वहां की करेंसी 'रियाल' के ऐतिहासिक रूप से नीचे गिरने और महंगाई के विरोध में 28 दिसंबर 2025 में प्रदर्शन शुरू हुए थे। देश के सभी 31 प्रांतों में हिंसा फैल गई है। इसमें 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

तरकश

संजय के दीक्षित

पोस्टिंग की गजब परंपरा

छत्तीसगढ़ में चना-मुर्रा टाईप आयोगों में सरकार बनने के साल-डेढ़ साल के भीतर नियुक्तियां हो जाती हैं, मगर राज्य वित्त आयोग के साथ कुछ ऐसी विडंबना रही कि 25 साल में सिर्फ एक बार पांच साल के लिए वीरेंद्र पाण्डेय इसके अध्यक्ष रहे। वरना, हर सरकार में, तीसरे साल ही अध्यक्ष की नियुक्ति हो पाती है। अजीत जोगी के मुख्यमंत्री रहने के दौरान लगभग आखिरी समय याने विधानसभा चुनाव से जस्ट पहले टीएस सिंहदेव को इस आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। मगर दिसंबर 2003 में सरकार बदल गई। हालांकि, संवैधानिक पद होने के चलते सिंहदेव इस्तीफा ना भी देते तो कुछ नहीं होता। मगर सिंहदेव ने नैतिकता के नाते पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मुख्यमंत्री बने डॉ. रमन सिंह ने वीरेंद्र पाण्डेय को अध्यक्ष बनाया। वे करीब पांच साल इस पद पर रहे। उसके बाद फिर तीसरे साल में नियुक्ति की परंपरा शुरू हो गई। 2011 में अजय चंद्राकर और 2016 में चंद्रशेखर साहू इस आयोग के अध्यक्ष बनाए गए। भूपेश बघेल सरकार ने भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 2022 में सरजियस मिंज की नियुक्ति की थी। चूंकि बीजेपी-04 सरकार का तीसरा साल चालू हो गया है, ऐसे में इस आयोग को लेकर पार्टी नेताओं की उत्सुकता बढ़ गई है। इस आयोग का मूल काम राज्य के कुल कर राजस्व में से स्थानीय निकायों को कितना हिस्सा मिले, इसका तरीका सुझाना है। पंचायतों और नगरपालिकाओं के लिए आय के नए स्त्रोत तलाशने का कार्य भी यह आयोग करता है। चूकि इसमें दिमाग और बुद्धि का काम है, इसलिए नेताओं में भी पढ़े-लिखे बौद्धिक फेस को ही इस आयोग का चेयरमैन बनाया जाता है। बहरहाल, यह देखना दिलचस्प होगा कि बीजेपी कब और किसकी ताजपोशी करती है।

कटप्पा और आईपीएस प्रमोशन

बाहुबली-2 रिलीज होने से पहले पब्लिक डोमेन में ये बड़ा प्रश्न था कि कटप्पा ने आखिर बाहुबली को क्यों मारा? कुछ इसी तरह के यक्ष प्रश्न आईपीएस लॉबी में भी घूम रहे हैं...बैठक में आखिर पेंच लगाई किसने। दरअसल, डीपीसी तक सब कुछ ठीकठाक चल रहा था। पीएचक्यू ने प्रमोशन का प्रस्ताव तैयार कर भेजा, गृह विभाग ने उसे डीपीसी में सम्मिट किया। बताते हैं, प्रमोशन कमेटी की बैठक जैसे ही शुरू हुई किसी मेंबर ने महादेव ऐप्प का मसला उठा दिया। कहा...6000 करोड़ के स्कैम में तीन अफसरों से पूछताछ के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी को 17ए के तहत अनुमति दी गई है, तो फिर प्रमोशन कैसे? इसके बाद पेंच ऐसी फंसी कि हाई लेवल के निर्देश और मार्गदर्शन के बाद भी दूसरी डीपीसी में मामला सुलझ नहीं पाया। विदित है, मुख्य सचिव विकास शील, सीनियर एसीएस के नाते ऋचा शर्मा, एसीएस होम मनोज पिंगुआ और डीजीपी अरुणदेव गौतम मौजूद थे। पुलिस महकमे में सबसे अधिक उत्सुकता यह जानने का लेकर है कि कटप्पा की भूमिका किसने निभाई? और क्यों?

डरे-सहमे मंत्री!

2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सरकार को बड़ा झटका लगा था। भूपेश बघेल के 12 में से नौ मंत्री चुनाव नहीं निकाल पाए। ये चीजें बीजेपी सरकार के कई मंत्रियों को बड़ा परेशान कर रही। लिहाजा, सरकार द्वारा किए जा रहे रिफार्म की कोशिशों से मंत्रीजी लोग घबरा जा रहे। जमीनों के गाइडलाइन की युक्तियुक्तकरण को लेकर कैबिनेट की बैठक में कई मंत्रियों ने कह दिया था, ऐसा रहा तो वे चुनाव हार जाएंगे। और अभी सरकार फर्जी धान खरीदी पर अंकुश लगाने का प्रयास कर रही तो कुछ मंत्रियों ने हाय-तोबा मचा दिया। बता दें, फर्जी धान खरीदी में हर साल करीब 10 हजार करोड़ का खेल किया जाता है। इस खेल के मुख्य खिलाड़ी कई राईस मिलरों पर दबिश बढ़ाई जा रही तो मंत्री समेत पक्ष-विपक्ष के विधायक उससे बेचैन हो रहे हैं।

पोस्टिंग में विलंब

पिछले साल डीएसपी प्रमोट हो जाने के बाद भी 40 से अधिक टीआई को तीन महीने तक थानेदारी करनी पड़ी, तब जाकर पोस्टिंग मिली। कुछ ऐसा ही एडिशनल एसपी प्रमोशन में हो रहा। एक तो कई महीने घूमने-फिरने के बाद प्रमोशन की फाइल क्लियर हो पाई। और अब एडिशनल एसपी बन जाने के बाद भी काम डीएसपी का करना पड़ रहा है। बात छोटी मगर महत्वपूर्ण है। इससे पता चलता है कि सिस्टम कितना चुस्त है।

सरकार को क्रेडिट नहीं

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में 50 लाख से अधिक बच्चे पढ़ते हैं। सरकार उन्हें मुफ्त में पुस्तकें मुहैया कराती है। याने इन आधा करोड़ परिवारों से सरकार सीधे कनेक्ट होती है। मगर लालफीताशाही के चलते पिछले कुछ सालों में पाठ्य पुस्तक निगम का सिस्टम ऐसा डिरेल्ड हुआ कि दिसंबर तक किताबों का वितरण कंप्लीट नहीं हो पा रहा। आखिर करीब 200 करोड़ रुपए जब इस पर खर्च हो रहा है तो क्या ऐसा नहीं किया जा सकता कि अप्रैल में स्कूल खुलने से पहले किताबें शालाओं में पहुंच जाएं। मगर दुर्भाग्यजनक यह है कि सिस्टम का फोकस स्कूल शिक्षा जैसे विभागों पर नहीं होता। वरना, प्रॉपर मानिटरिंग की जाए तो टाईम पर पुस्तकें स्कूल में पहुंच जाएंगी और सरकार को क्रेडिट भी मिलेगा।

एमडी को डबल चार्ज

सरकार ने जिस तरह हेल्थ को ठीक करने के लिए डायरेक्टर और एनएचएम में अलग-अलग आईएएस अधिकारी बिठाया है, उसी तरह बच्चों को टाईम पर पुस्तकें उपलब्ध हो जाए, इसके लिए समग्र शिक्षा और पाठ्य पुस्तक निगम में अलग-अलग एमडी पोस्ट करना चाहिए। दोनों में एक अफसर को बिठाने का नुकसान यह होता है कि फोकस समग्र शिक्षा पर हो जाता है। सही भी है...समग्र का बजट 2000 करोड़ का है। जाहिर है, बजट बड़ा तो मलाई भी ज्यादा ही होगा। उधर, पापुनि का 200 करोड़ का बजट, उसमें भी कई लेवल की नेतागिरी। हालांकि, पापुनि निर्धनता की केटेगरी में नहीं आता...15 परसेंट के हिसाब से लगभग 30 खोखा का बन जाता है। मगर उसमें चार-से-पांच हिस्से लगते हैं। समग्र शिक्षा में ये हिस्से वाला मामला थोड़ा कम है। इसलिए जरूरी है कि पापुनि के लिए अलग से एमडी बनाया जाए।

पीसीसी चीफ को एक्सटेंशन?

पिछले विधानसभा चुनाव के बाद से पीसीसी चीफ दीपक बैज को हटाने की अटकलें चल रही हैं। एक बार तो बात इस लेवल तक पहुंच गई थी कि लगा कि किसी भी दिन टीएस सिंहदेव का आदेश निकल जाएगा। मगर दीपक ने ढाई साल का टेन्योर पूरा कर लिया। जुलाई 2026 में उनका तीन साल कंप्लीट हो जाएगा। सुनने में आ रहा...दीपक को अगर नहीं हटाया गया तो उनके साथ दो कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति हो सकती है। इसके लिए देवेंद्र यादव, उमेश पटेल, शिव डहरिया और प्रेमचंद जायसी का नाम चल रहा है। हालांकि, भीतर की खबर ये भी है कि उमेश पटेल कार्यकारी अध्यक्ष बनने के लिए तैयार नहीं। जुलाई में अगर दीपक बैच को हटाया गया तो अत्यधिक संभावना है कि टीएस सिंहदेव उनकी जगह लें। कांग्रेस के अंदरखाने में चर्चा इस बात का लेकर भी है कि विधानसभा में पार्टी की आक्रमकता बढ़ाने के लिए उमेश पटेल को नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी सौंपी जा सकती है।

प्रमोशन पॉलिसी में खोट

गुड गवर्नेंस और वर्किंग कल्चर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार कई स्तर पर काम कर रही है। इनमें ई-ऑफिस से लेकर डिजिटल अटेंडेंस तक शामिल है। सरकार को इसके साथ प्रमोशन में विसंगतियों को दूर करने पर भी काम करना चाहिए। खासकर, क्लास टू और क्लास थ्री लेवल पर। प्रमोशन पॉलिसी की विडंबना ही कहें कि मंत्रालय का भृत्य डिप्टी सिकरेट्री तक पहुंच जाता है मगर बाकी जगहों पर बाबू से बडा बाबू और सिपाही से प्रधान सिपाही बनने में सालों लग जाते हैं। कर्मचारियों, अधिकारियों से अगर बढ़यिां काम लेना है तो एचआर पॉलिसी को ठीक करना होगा। प्रमोशन देने से खजाने पर खास भार भी नहीं पड़ता। सीनियरिटी के हिसाब से वेतन लगभग प्रमोशन के रेंज में पहुंच ही जाता है। राज्य के भले के लिए सिस्टम को इस पर काम करना चाहिए।

रेल मंत्री के बैचमेट आईएएस

कचना इलाके में रहने वाले 50 हजार से अधिक लोग पिछले तीन साल से रेलवे ओवरब्रिज की समस्या से जूझ रहे हैं। पीडब्लूडी ने मार्च 24 का टारगेट रखा था। ठेकेदार ने टाईम पर इसे कंप्लीट नहीं किया। उपर से सर्विस रोड की हालत ऐसी दयनीय कि पूछिए मत! पीडब्लूडी के अफसरों ने ऐसा वाला काला चश्मा लगा रखा है कि उन्हें सिर्फ रुपिया दिखता है। आलम यह कि अभी रेलवे साइड का गार्डर लग नहीं पाया है। पूरा मामला इगो का है। रेलवे अधिकारी कोई पाकिस्तानी तो हैं नहीं कि उनसे बात नहीं की जा सकती। अफसर अगर रायपुर डीआरएम या बिलासपुर जीएम से एक बार बात कर लें तो प्राब्लम साल्व हो सकता है। वो भी नहीं तो 94 बैच के कई आईएएस छत्तीसगढ़ में हैं। खुद चीफ सिकरेट्री विकास शील। ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ भी 94 बैच के हैं। इसी बैच के पूर्व आईएएस रेल मंत्री आश्वनी वैष्णव भी हैं। इन तीनों से रेल मंत्री को एक फोन ही काफी होगा। पीडब्लूडी के अधिकारी अगर लेटर-लेटर का खेल करते रहे तो फिर ये साल भी निकल जाए तो आश्चर्य नहीं।

सीएम, जीएम बराबर

राज्य में जो अधिकार मुख्यमंत्री को होता है, रेलवे में वही औरा जीएम का होता है। जीएम चाहे तो क्षेत्रीय जरूरतों का हवाला देते हुए नई लोकल ट्रेन चलवा सकता है, बाद में बोर्ड से एप्रूवल मिल जाता है। सौभाग्य से देश में सबसे अधिक आमदनी देने वाले रेलवे जोन के जीएम बिलासपुर में बैठते हैं। कोआर्डिनेशन अगर ठीक रहता तो दुर्ग से रायपुर के बीच एक 24 कैरेट वाली ट्रेन तो चल ही सकती थी। 24 कैरेट मतलब जिसकी टाईमिंग पर यात्रियों को भरोसा रहे। जब बिलासपुर रेलवे जोन नही बना था, डिवीजन था, तब का एक वाकया बताते हैं। पूर्व मंत्री और कोटा विधायक राजेंद्र प्रसाद शुक्ल को बिलासपुर से पेंड्रा के बीच ट्रेन शुरू करानी थी। कार्यकर्ताओं को लेकर वे खुद ही डीआरएम से मिलने पहुंच गए। डीआरएम ने इधर-उधर से रैक का इंतजाम कर महीने भर के भीतर बिलासपुर-पेंड्रा के बीच ट्रेन चलवा दी थी।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. दुर्ग आईजी रामगोपाल गर्ग को पुलिस कमिश्नर बनाए जाने की चर्चा से रायपुर पुलिस के लोग क्यों घबराए हुए हैं?
2. क्या आईपीएस अंकित गर्ग और बद्री मीणा में से कोई दुर्ग पुलिस रेंज का आईजी बनेगा?

बीएमसी नतीजों के बाद मुंबई में 'खेला'

मेयर पद पर शिंदसेना ने फंसाया पेंच! सभी 29 पार्षद होटल में शिफ्ट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बीएमसी चुनाव के नतीजों के बाद महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट बैठक में शनिवार को दोनों उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार नहीं पहुंचे। शिंदे मुंबई में ही हैं, वहीं अजित पवार पुणे में हैं, लेकिन फिर भी दोनों कैबिनेट बैठक में नहीं पहुंचे। शिंदे गुट और अजित पवार गुट को जितनी उम्मीद थी, परिणाम वैसा नहीं आया। दोनों डिप्टी सीएम अपनी पार्टियों की सीटें कम आने से भाजपा से नाराज हैं। जहां, शिवसेना की ओर से बताया गया है कि एकनाथ शिंदे बीमार हैं, वहीं, अजित पवार बारामती में अपने चाचा शरद पवार से मिलने उनके घर पहुंचे हैं।

बहुमत का आंकड़ा है 114

इसके अलावा शिंदे को पार्षद टूटने का भी डर है। 227 सदस्यीय बीएमसी में, बहुमत का आंकड़ा 114 है। भाजपा ने 89 सीटें जीतीं, जबकि शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 29 सीटें जीतीं है। इसके साथ सत्तारूढ़ गठबंधन 118 पर पहुंच गया। यह आंकड़ा, बहुमत से मात्र चार सीट अधिक है। शिंदे को डर है कि कहीं पार्षद दूसरे दलों की तरफ न भागने लगे। मुख्य रूप से उन्हें उद्धव ठाकरे की पार्टी से डर है। के डर के पीछे वजह है नंबर गेम। 227 सदस्यीय बीएमसी में, बहुमत का आंकड़ा 114 है। बता दें, मुंबई के 227 वार्डों में से भाजपा ने 89, शिवसेना (यूबीटी) ने 65, शिवसेना (शिंदे) ने 29, कांग्रेस ने 24, मनसे ने 6, एनसीपी (अजित पवार) ने 3 और एनसीपी (शरद पवार) ने 1 में जीत हासिल की है।

कैबिनेट मीटिंग से शिंदे-अजित पवार गायब

फडणवीस बोले, मैं और शिंदे मिलकर तय करेंगे मेयर

मुंबई के 227 वार्डों में भाजपा ने जीते हैं 89 वार्ड

उद्धव को भी अपना मेयर बनाने की आस

इन सबके बीच उद्धव ठाकरे ने एक खास संदेश जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा कि मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) का मेयर चुनने का उनका सपना अभी जिंदा है। उन्होंने कहा कि अगर भगवान ने चाहा तो ऐसा होगा। उद्धव ठाकरे के इस बयान के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं।

शिंदे बनाना चाहते हैं अपना महापौर

रिपोर्ट के मुताबिक, शिवसेना (शिंदे) ने सभी 29 पार्षदों को ताज होटल शिफ्ट कर दिया है। शिवसेना (शिंदे) के इस फैसले को मुंबई के मेयर पद से जोड़कर देखा जा रहा है। शिवसेना के नगरसेवकों और नेताओं का कहना है कि मुंबई में ढाई–ढाई साल के लिए महापौर पद दिया जाए. शिंदे गुट की मांग है कि बालासाहेब ठाकरे की जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर शिवसेना का महापौर बैठे। इस मुद्दे पर भाजपा और शिवसेना के नेताओं के बीच चर्चा जारी है। अब सबकी नजर इस पर है कि इस बातचीत का नतीजा क्या निकलता है। उधर सीएम फडणवीस ने कहा, मेयर कौन बनेगा और कब चुना जाएगा। ये सभी फैसले मैं, शिंदे और हमारे पार्टी नेता मिलकर लेंगे। इस पर कोई विवाद नहीं है।

यूपी में कोहरे का कहर 15 जिलों में 40 गाड़ियां भिड़ीं, 100 ट्रेनें लेट

नई दिल्ली। यूपी में शनिवार को सीजन का सबसे घना कोहरा पड़ा। हालत इतने खराब हो गए कि सड़कों पर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। गाड़ियों की लाइटें भी नजर नहीं आ रही थीं। मेरठ, बाराबंकी समेत 15 जिलों में 40 से ज्यादा गाड़ियां टकराईं। डेढ़ साल की बच्ची समेत 7 की मौत हो गई। 50 से ज्यादा घायल हैं। फतेहपुर में एनएच-2 पर 10 गाड़ियां टकराईं। यहां कार ड्राइवर की मौत हो गई। मुरादाबाद में ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया, जिसमें जीजा की जान चली गई। ऐसे ही सुल्तानपुर में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को एक वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे 3 की मौत हो गई। वहीं, मेरठ में कोहरे की वजह से कार नाले में गिर गई। हादसे में डेढ़ साल की बच्ची की जान चली गई। विजिबिलिटी कम होने से रेलवे और हवाई सफर भी प्रभावित रहा। गोरखपुर, वाराणसी समेत तमाम स्टेशनों पर 100 से ज्यादा ट्रेनें लेट हैं। वीआईपी ट्रेनें भी समय पर नहीं हैं। लखनऊ एयरपोर्ट्स पर इंडिगो की 2 फ्लाइट्स कैंसिल हैं। इसके अलावा 14 उड़ानें देरी से उड़ीं।

गोवा में 2 रशियन महिलाओं की बेरहमी से हत्या, रेता गला

पणजी। गोवा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां 2 रशियन महिलाओं की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। मामले में पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। मामला उत्तरी गोवा के अरम्बोल और मोरजिम गांवों का है। यहां 14 और 15 जनवरी को रूस की दो महिलाओं की हत्या हुई। इस हत्याकांड के आरोप में एक रूसी व्यक्ति एलेक्सी लियोनोव को गिरफ्तार किया गया है। मांड्रेम थाने के एक अधिकारी ने बताया, 'आरोपी ने 14 जनवरी को मोरजिम स्थित उसके कमरे में दोस्त एलेना वानीवा (37) की चाकू से गला काटकर हत्या कर दी। वानीवा की मकान मालकिन की शिकायत के अनुसार, यह घटना रात 11 बजे के बाद हुई।' मोरजिम थाने के अधिकारी ने बताया, 'इसके बाद 15 जनवरी की शाम आरोपी, आठ किलोमीटर दूर स्थित अरम्बोल गांव में अपनी दोस्त एलेना कास्थानोवा (37) से मिलने गया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड
(सं./सं.) संम्भाग-बलरामपुर

क्रमांक/का.यं.ब./क्रय/सूचना/5458 / बलरामपुर, दिनांक 17.01.2026

विद्युत बंद की सूचना

बलरामपुर जिले के समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओ को सूचित किया जाता है कि दिनांक 20.01.2026 को 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र रामानुजगंज में ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि का कार्य किया जाना प्रस्तावित है, जिस हेतु निम्नलिखित सूची अनुसार विद्युत प्रवाह बंद रहेगा।

दिनाँक	उपकेन्द्र/फीडर का नाम	समय	प्रभावित क्षेत्र
20.01.2026	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र रामानुजगंज	सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक	33/11 के0व्ही0 उपकेन्द्र रामानुजगंज से निकलने वाली समस्त फीडर की विद्युत प्रवाह बन्द रहेगी।

टीप:- आवश्कतानुसार समय में बदलाव किया जा सकता है।
"विद्युत की बचत करें, समय पर विद्युत बिल का भुगतान करें।"
संवाद

भवदीय
कार्यपालन अभियंता (सं./ सं.) संभाग
छ स्टे.पा.डि.कं.लि., बलरामपुर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल-17 (बीरगांव), तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग.

:: आम सूचना ::

दिनांक 16/01/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री तीजूराम पिता लेड़गाराम निवासी ठाकुरदेव चौक, गुमा द्वारा आवेदित ग्राम बोरझरा प.ह.नं. 87 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-17 (बीरगांव) स्थित भूमि खसरा नंबर 285/3 रकबा 0.1700 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/वाचक/ना. तह./ 2025 आदेश दिनांक 05.12.2025 के परिपालन में दिनांक 21.01.2026 को समय 1.00 PM बजे पश्चात् किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 87 बीरगांव के स्थित कार्यालय में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जाने।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-17 (बीरगांव)

सार्वजनिक घोषणा

(लैंको इन्फ्राटेक लिमिटेड, माननीय NCLT हैदराबाद द्वारा स्वीकृत अधिग्रहण योजना के कार्यान्वयन के तहत, आदेश दिनांक: 26.09.2022 के अनुसार
L.A. No. 5 No. 561 of 2021 in CP (IB) 111/07/HDB/2017)

1.	कंपनी का नाम	लैंको इन्फ्राटेक लिमिटेड
2.	निगमन की तारीख	26/03/1993
3.	वह अथॉरिटी जिसके तहत कंपनी को निगमित किया गया है	कंपनी रजिस्ट्रार-हैदराबाद
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या	U45200TG1993PLC015545
5.	पंजीकृत कार्यालय का पता	एफ-2, दूसरी मंजिल, नैना रेजीडेंसी, प्लॉट नंबर-344, रोड नंबर 07, काकतीय हिल्स, माधापुर, हैदराबाद-500081, तेलंगाना।
6.	ईएमडी के भुगतान की अंतिम तिथि	29 जनवरी 2026 समय: 15.00 बजे ईएमडी का भुगतान लैंको इंफ्राटेक लिमिटेड - डेजिग्नेटेड बैंक अकाउंट के पक्ष में किया जाएगा, चालू खाता संख्या-0126102000003780 IFSC-IBKL0000126
7.	बोली लगाने वाले की प्रोफ़ाइल जमा करने की अंतिम तिथि	29 जनवरी 2026 समय: 15.00 बजे, प्रस्तुति इस प्रकार किए जाएंगे। (i) ई-ऑक्शन पोर्टल/Rpad/Spad/Email के माध्यम से: F-2, दूसरी मंजिल, नैना रेजिडेंसी, प्लॉट नंबर-344, रोड नंबर 07, काकतिया हिल्स, माधापुर, हैदराबाद -500081, तेलंगाना। ईमेल द्वारा: <Info@lancogroup.com> (या) <Info@krsepl.com>
8.	ई-नीलामी की तारीख	31/01/2026 समय: 11.00 बजे
9.	निरीक्षण की तारीख	यह जानकारी <info@lancogroup.com> (या) <info@krsepl.com> पर ईमेल करके रिक्वेस्ट करने पर मिलेगी।
10.	लॉट का विवरण साथ ही आरक्षित मूल्य एवं ईएमडी	अनुसूची ए (नीचे तालिका देखें)

अनुसूची ए

लॉट नं.	संपत्तियों वाली साइटों का स्थान	आरक्षित मूल्य (भारतीय रू. में)	ईएमडी राशि (भारतीय रू. में)
लॉट नं.I	वर्धा, नागपुर	₹2,00,65,000	₹20,06,500
लॉट नं.II	करोडी, महाजेनको	₹2,01,71,500	₹20,17,200
लॉट नं.III	एननोर, टैंगेडको	₹3,91,05,000	₹39,10,500
लॉट नं.IV	फाटा, रुद्रप्रयाग	₹1,36,16,411	₹13,62,000
लॉट नं.V	अन्य साइट्स	₹3,44,00,000	₹34,40,000
अनुसूची बी			
लॉट नं.VI	लॉट नं. I से V सभी साइट्स	₹12,73,57,911	₹1,27,36,200

-बोली लगाने वाले लॉट नंबर I से लॉट V में बताए गए लॉट के साथ-साथ लॉट VI के लिए भी अलग-अलग बोली लगा सकते हैं।
-यह साफ किया जाता है कि लॉट VI के लिए मिली बोलियों को अलग-अलग लॉट यानी लॉट I से लॉट V के लिए मिली बोलियों पर प्राथमिकता दी जाएगी।

11.	प्रक्रिया दस्तावेज प्राप्त करने का तरीका	संभावित आवेदकों से अनुरोध है कि वे प्रोसेस डॉक्यूमेंट के लिए "info@lancogroup.com (या) Info@krsepl.com" पर ईमेल भेजें, जिसका डॉक्यूमेंट कॉस्ट 1000/- (सिर्फ एक हजार रुपये) है, जो RTGS/NEFT/IMPS द्वारा "lanco Infratech Limited Account" के नाम पर देय है। नामित बैंक चालू खाता संख्या-0126102000003780 IFSC-IBKL0000126
12.	प्रक्रिया दस्तावेज जारी करने की अंतिम तिथि	24 जनवरी 2026, शनिवार को या उससे पहले
13.	विषय - वस्तु	माननीय नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल, हैदराबाद द्वारा 26.09.2022 के आदेश, 03.12.2025 के जॉइंट मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग, और लैंको इन्फ्राटेक लिमिटेड (LITL) द्वारा पारित प्रस्तावों के अनुसार, कंपनी भारत भर में निम्नलिखित साइटों पर स्थित पहचाने गए फिजिकल एसेट्स की बिक्री के लिए योग्य बोलीदाताओं से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (EOI)/बोली आमंत्रित करती है: वर्धा (महाराष्ट्र), कोराडी (महाराष्ट्र), एन्नोर (तमिलनाडु), फाटा और अन्य स्थान। बिक्री "जैसा है, जहां है, जैसा है वैसा ही और जो कुछ भी है, बिना किसी शर्त के" आधार पर ऑनलाइन ई-नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी।

ध्यान दें:
1) इसमें दी गई कोई भी बात कंपनी की बताई गई जगहों पर ऊपर बताई गई किसी भी संपत्ति को बेचने के लिए कोई बाध्यकारी प्रस्ताव या प्रतिबद्धता नहीं मानी जाएगी।
2) इस प्रक्रिया में भाग लेने वाले किसी भी इच्छुक आवेदक द्वारा किए गए किसी भी खर्च के लिए कंपनी किसी भी स्थिति में ज़िम्मेदार नहीं होगी।
3) कंपनी बिना कोई कारण बताए, किसी भी समय और किसी भी तरह से, इस आमंत्रण में संशोधन करने और/या इसे रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखती है।

कृते-लैंको इन्फ्राटेक लिमिटेड

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बलौदाबाजार, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
Tel.No.07727-223138 E-mail : cmobalodabazar@rediffmail.com & cmobalodabazar@ymail.com

क्रमांक / 951 / लो.नि.वि./ न.पा.प. / 2026 बलौदाबाजार, दिनांक 16/01/2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
main portal – http://cgeprocurment.gov.in
Sub portal-http://uadd.cgeprocurement.gov.in
Email-cmobalodabazar@rediffmail.com

नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार क्षेत्रांतर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारो से ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम टेंडर के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि (एफ.डी. आर. के माध्यम से)	निविदा फार्म शुल्क (डी.डी.)	समयावधि	निविदा दरें प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
01	183557	निकाय में अकुशल / अर्द्धकुशल / कुशल / उच्च कुशल प्लेसमेंट श्रमिक एवं स्वच्छता कमाण्डों श्रमिकों की आपूर्ति कार्य (तृतीय निविदा)।	106.66	80000.00	3000.00	12 माह	27.01.2026

उपरोक्त कार्यों की निविदा की विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से एवं विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in एवं https://eproc.cgstate.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार

OFFICE OF THE NAGAR PANCHAYAT INDORI, DIST- KABIRDHAM (CHHATTISGARH)
Email – cmoindori@gmail.com

No./ 635 / N.P./PWD/2025-26 Indori, Date - 15/01/2026

E-Procurement Tender Notice (3rd Call)

नगर पंचायत इंदौरी, जिला - कबीरधाम (छ. ग.) द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ऑनलाईन (online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्रमांक	कार्य का विवरण	लागत राशि (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	183883	Design, Construction, Testing, Commissioning and setting up of Material Plant in Municipal Areas of Devbhog, Chhattisgarh	53.72	02.02.2026 05:00 PM

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http://epros.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http;uad.cg.gov.in

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत इंदौरी

जीवन में अपनाएं ये मंत्र, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

अगर आप भी हमेशा अमीर बने रहना चाहते हैं तो पर्सनल फाइनेंस के कुछ मंत्र याद रखें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। इससे आपको कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ मंत्र बताने वाले हैं जो आपके काफी काम के होंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकते हैं और बचत भी कर सकते हैं। आजकल लोगों के लिए पैसा कमाने से भी ज्यादा मुश्किल उसे संभालना हो गया है। ज्यादातर लोगों की सैलरी आते ही खर्च हो जाती है और महीने के आखिरी में उनकी जेब खाली हो जाती है। इसी के साथ-साथ न ही वह कोई बचत कर पाते हैं, क्योंकि महीने के आखिरी तक कुछ बचता ही नहीं। ऐसे में पर्सनल फाइनेंस के पांच नियमों को अपना लें। इससे आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकेंगे और बचत भी कर पाएंगे।

50–30–20 नियम अपनाएं

50–30–20 नियम में 50 का मतलब है कि आपको अपनी सैलरी का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल जरूरी खर्चों में खर्च करना है। इसमें घर का किराया, राशन, बिल और अन्य जरूरी खर्चों को शामिल करें। सैलरी का 30% हिस्सा अपने लिए रखें और अपनी जरूरत और अपने इच्छाओं के अनुसार खर्च करें। सैलरी का 20 प्रतिशत हिस्से की बचत करें और निवेश करें।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अपने लिए एक इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं, जो मुश्किल समय में काम आ सकें। इमरजेंसी फंड 3 से 6 माह के जरूरी खर्च के बराबर जरूर होना चाहिए. यह फंड नौकरी जाने, मेडिकल इमरजेंसी और अचानक आय रुकने की स्थिति में काम आता है। इमरजेंसी फंड आपको वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

ईएमआई इनकम के 40% तक रखें

ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) इनकम के 40 प्रतिशत तक रखना एक अच्छा नियम है। इससे आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने और अपने जीवन को तनाव मुक्त रखने में मदद मिलती है। ईएमआई के 40% तक रखने से आपको वित्तीय सुरक्षा मिलती है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। आपको तनाव से मुक्ति मिलती है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। आपको बचत करने में मदद मिलती है, जिससे अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इंश्योरेंस जरूर लें

केवल निवेश ही नहीं बल्कि इंश्योरेंस को भी प्राथमिकता दें। ऐसे में खुद को और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेल्थ और टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें। इसके कुछ फायदें हैं जैसे। इंश्योरेंस आपको और आपके परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इंश्योरेंस आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इंश्योरेंस आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इक्विटी में निवेश करें

अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं तो थोड़ा पैसा इक्विटी जैसे म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें। इक्विटी में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है। इक्विटी में निवेश करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश के समय को ध्यान में रखना चाहिए।

बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान इनमें निवेश करना फायदेमंद

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

- इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमाने का मौका
- निवेश करने से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर बाजार की अस्थिरता का असर कम करते हैं, जिससे लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इसलिए आप भी इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि निवेश से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय कर लें। इसके बाद ही निवेया का फैसला लें, वरना कई बार परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले साल में बाजार सतर्क रह सकता है, ऐसे में हाइब्रिड फंड निवेशकों को स्थिर रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं।

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड क्या हैं

एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड ऐसे फंड होते हैं, जो इक्विटी (शेयर बाजार) और डेट (बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियां, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट) दोनों में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि इनमें 65% से 80% तक का निवेश इक्विटी में किया जाता है, जबकि शेष 20% से 35% तक डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है। इक्विटी में ज्यादा निवेश होने की वजह से इन्हें इक्विटी फंड की तरह टैक्स बेनिफिट मिलता है, वहीं डेट का हिस्सा बाजार की अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसका फायदा यह है कि जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो डेट निवेश से नुकसान कम होता है। ऐसे फंड कंसर्वेटिव इक्विटी निवेशकों के लिए खास होते हैं, जो जोखिम लेने को तैयार हैं, लेकिन अत्यधिक उतार-चढ़ाव नहीं सह सकते। इससे लंबी अवधि में निवेशकों को धैर्यपूर्वक धन बढ़ाने का मौका मिलता है।

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए बेहतर ऑप्शन

लाभ और टैक्स की सुविधा

इन फंडों का एक बड़ा फायदा है नियमित प्रॉफिट बुकिंग। जब बाजार में इक्विटी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर स्टॉक्स बेचकर असाइनमेंट बनाए रखते हैं। यह लंबी अवधि में रिटर्न बढ़ाने में मदद करता है। व्यक्तिगत निवेशक अगर ऐसा करते हैं, तो 1 लाख रुपये से ज्यादा के लाभ पर टैक्स देना पड़ता है, जबकि म्यूचुअल फंड के निवेशकों को इस पर टैक्स की सुविधा मिलती है। हालांकि, नियमित डिविडेंड की उम्मीद से इन फंडों में निवेश करना उचित नहीं है।

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड कौन से हैं

पिछले कुछ वर्षों के प्रदर्शन, फंड मैनेजमेंट और रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न के आधार पर भारत में कई एग्रीसिव हाइब्रिड फंड निवेशकों के बीच पसंद किए जा रहे हैं। ये फंड निवेशकों को अच्छा मुना देने की क्षमता रखते हैं। इनमें निवेश करना भी ठीक रहता है। इनमें प्रमुख हैं।

- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड
- एसबीआई इक्विटी हाइब्रिड फंड
- कोटक इक्विटी हाइब्रिड फंड
- एचडीएफसी हाइब्रिड इक्विटी फंड
- यूटीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- क्वांट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- कनारा रोबेको इक्विटी हाइब्रिड फंड
- मिराए एसेट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

इनमें निवेश करना फायदेमंद

अगर निवेशक शुद्ध इक्विटी फंड के उच्च जोखिम से बचना चाहते हैं, लेकिन फिक्स्ड डिपॉजिट या डेट फंड जैसे कम रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड संतुलित विकल्प हैं।

इन फंड्स का उद्देश्य

- इक्विटी से ग्रोथ का लाभ मिले
- डेट से स्थिरता और सुरक्षा बनी रहे
- लंबी अवधि (5 से 7 साल या उससे अधिक) में इन फंड्स ने औसतन 10–14% तक का वार्षिक रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है, हालांकि रिटर्न बाजार स्थितियों पर निर्भर करता है।
- जब बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, तब पूरी रकम इक्विटी में निवेश करना कई निवेशकों को असहज कर सकता है। ऐसे समय में एग्रीसिव हाइब्रिड फंड का डेट हिस्सा वोलैटिलिटी को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है।

यह भी रखें ध्यान

- ये फंड पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते
- बाजार में तेज गिरावट आने पर इनमें भी अस्थायी नुकसान हो सकता है
- शुद्ध इक्विटी फंड की तुलना में इनकी गिरावट अक्सर थोड़ी कम देखी जाती है। इसलिए जिन निवेशकों को बाजार की चाल समझने में दिक्कत होती है या जो भावनात्मक फैसले लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड उपयोगी हो सकते हैं।

ऐसे में निवेशकों को क्या करना चाहिए?

- वर्तमान बाजार परिस्थितियों में निवेशकों को घबराकर फैसले लेने से बचना चाहिए। एक्सपर्ट्स की मानें तो:
- निवेश का लक्ष्य और समयावधि स्पष्ट रखें
- एसआईपी के जरिए निवेश करें, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत लाभ मिल सके
- एकमुश्त निवेश करने से पहले बाजार वैल्यूएशन पर ध्यान दें
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- अगर कोई निवेशक पहली बार म्यूचुअल फंड में कदम रख रहा है या मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहता है, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड एक अच्छी शुरुआत हो सकते हैं।

क्यों एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड की सबसे बड़ी ताकत उनका बैलेंस्ड अप्रोच है। ये फंड फंड मैनेजर को यह लचीलापन देते हैं कि वे बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट का अनुपात थोड़ा बहुत बदल सकें।

लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न की उम्मीद

इतिहास गवाह है कि लंबी अवधि में बाजार ने हमेशा धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है। एग्रीसिव हाइब्रिड फंड इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। ये न तो बहुत ज्यादा आक्रामक होते हैं और न ही बहुत ज्यादा रक्षात्मक। सही फंड का चयन, नियमित निवेश और लंबी अवधि तक बने रहना। ये तीन बातें मिलकर एग्रीसिव हाइब्रिड फंड को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती हैं।

छोटे-छोटे निवेश से भी किए जा सकते हैं बड़े सपने पूरे

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी वित्तीय योजना मजबूत और सुरक्षित हो, लेकिन सवाल यह है कि लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए सही निवेश कैसे चुना जाए? इसी का जवाब है। एसआईपी-एसडब्ल्यूपी, जो म्यूचुअल फंड निवेश को आसान और अनुशासित बनाते हैं।

एसआईपी : छोटी बचत से बड़ा निवेश

एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू कर सकते हैं। हर महीने तय राशि निवेश करने से धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार हो जाता है। यह तरीका निवेशक को अनुशासन सिखाता है और बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाता है। एसआईपी में चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है, यानी समय के साथ आपका पैसा ब्याज पर ब्याज कमाता है और तेजी से बढ़ता है।

एसडब्ल्यूपी: नियमित आय का साधन

दूसरी ओर, एसडब्ल्यूपी उन निवेशकों के लिए है जो अपने निवेश से नियमित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक अपने म्यूचुअल फंड से हर महीने या तिमाही तय राशि निकाल सकते हैं। यह तरीका

खासकर रिटायर लोगों के लिए उपयोगी है, क्योंकि उन्हें पेंशन जैसी स्थिर आय मिलती रहती है। एसडब्ल्यूपी से निवेशक का मूल निवेश सुरक्षित रहता है और जरूरत के मुताबिक पैसा मिलता रहता है।

विशेषज्ञों की राय

फाइनेंशियल एडवाइजर्स का मानना है कि एसआईपी और एसडब्ल्यूपी दोनों मिलकर निवेशक को संतुलित वित्तीय योजना बनाने में मदद करते हैं। एसआईपी से लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए फंड तैयार होता है, जबकि एसडब्ल्यूपी से जरूरत पड़ने पर नियमित आय मिलती है। यह संयोजन निवेशक को बाजार की अस्थिरता से बचाता है और अनुशासन बनाए रखता है।

किसके लिए बेहतर?

- **युवा निवेशक:** जो लंबी अवधि के लिए बचत करना चाहते हैं, उनके लिए एसआईपी सबसे अच्छा विकल्प है।
- **रिटायर लोग:** जिन्हें हर महीने खर्च के लिए आय चाहिए, उनके लिए एसडब्ल्यूपी आदर्श है।
- **मध्यम आय वर्ग:** एसआईपी से धीरे-धीरे फंड तैयार कर सकते हैं और बाद में एसडब्ल्यूपी से उसका लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी और SWP सिर्फ निवेश के तरीके नहीं हैं, बल्कि वित्तीय अनुशासन और सुरक्षा का आधार हैं। एसआईपी से आप भविष्य के बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं, जबकि एसडब्ल्यूपी से वर्तमान की जरूरतें पूरी होती हैं। सही योजना और समय पर निवेश से ये दोनों तरीके मिलकर आपकी वित्तीय जिंदगी को स्थिर और सुरक्षित बना सकते हैं।

प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन पर ध्यान दें

लोन लेने जा रहे हैं तो रहें अलर्ट, हिडन चार्ज कर सकते हैं जेब खाली

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेकर अपना आशियाना खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान रहें, वरना कुछ हिडन चार्ज आपकी जेब ढीली का सकते हैं। इसलिए कुछ बातों को जानना जरूरी है। दरअसल, लोन लेने के दौरान बैंक कई तरह के चार्ज लगाती हैं। लोन लेने के बाद काफी लोग कम ब्याज दर के कारण लोन ट्रांसफर भी कराते हैं। ऐसे में उन्हें कई तरह के चार्ज चुकाने पड़ते हैं। इससे लोन चुकाने में ज्यादा रकम खर्च होती है। इनमें से कुछ चार्ज को कम कर पैसा बचाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोन लेने के दौरान प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन आपके लोन की कुल लागत को काफी बढ़ा सकते हैं। प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर के क्लॉज पर खास ध्यान देना चाहिए, खासकर जब उन पर कोई शुल्क लगता हो। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ जो आपको परेशान कर सकते हैं।

प्रोसेसिंग चार्ज

हर होम लोन की शुरुआत प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और प्रशासनिक खर्चों से होती है। ये वो शुल्क हैं जो बैंक आपके आवेदन का मूल्यांकन करने, डॉक्यूमेंट्स की जांच करने और क्रेडिट चेक करने

के लिए लेते हैं। ये शुल्क 5000 से 15000 रुपये तक हो सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक होम लोन लेते समय बैंक से इन चार्ज के बारे में मोलभाव करना चाहिए। काफी बैंक इन चार्ज को कम कर देते हैं।

प्रीपेमेंट पेनल्टी

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर क्लॉज तब काम आते हैं जब आप अपना लोन आंशिक रूप से या पूरी तरह से जल्दी चुकाना चाहते हैं। आरबीआई के नियमानुसार फ्लोटिंग रेट (बदलते ब्याज दर वाले) होम लोन पर कोई प्रीपेमेंट शुल्क नहीं लग सकता है। हालांकि फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट और हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट होम लोन पर आमतौर पर बकाया मूल राशि का 4% तक का जुर्माना लग सकता है। बेसिक होम लोन के सीईओ और को-फाउंडर अतुल मोंगा के अनुसार, जब कोई उधारकर्ता आंशिक प्रीपेमेंट करता है तो बैंक आमतौर पर लोन की अवधि कम कर देते हैं और ईएमआई वैसे ही रखते हैं। इससे लंबे समय में ब्याज की काफी बचत होती है।

ब्याज दर बदलने पर चार्ज

बाजार की स्थितियां बदलती रहती हैं। हो सकता है कि आप अपने लोन की अवधि के दौरान फ्लोटिंग से फिक्स्ड रेट या फिक्स्ड रेट से फ्लोटिंग रेट पर स्विच करना चाहें। बैंक इसके लिए कन्वर्जन की सुविधा देते हैं, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। मोंगा के अनुसार, कन्वर्जन फीस आमतौर पर आपकी बकाया लोन राशि का 0.25% से 0.5% तक होती है। 40 लाख रुपये की बकाया

इनमें से कुछ चार्ज को कम कर बचाया जा सकता है पैसा

राशि पर यह 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच हो सकता है। कन्वर्जन विकल्प का उपयोग करने से पहले, यह गणना करें कि क्या ब्याज दर का अंतर कन्वर्जन शुल्क को सही ठहराता है। कभी-कभी अपनी मौजूदा दर पर बने रहना अधिक किफायती होता है।

बैलेंस ट्रांसफर की लागत

अपने होम लोन के कुछ साल बाद आपको कम ब्याज दरों पर बैलेंस ट्रांसफर (लोन को एक बैंक से दूसरे बैंक में ले जाना) के ऑफर मिल सकते हैं। हालांकि, ब्याज दर बदलने की तरह ऐसे अवसर को तुरंत लपक लेना हमेशा एक अच्छा ऑप्शन नहीं हो सकता है। कम ब्याज दर के अलावा, नए ऋणदाता के पास भी वही शुरुआती शुल्क हो सकते हैं जैसे प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और मूल्यांकन शुल्क, एमओडीटी शुल्क आदि। अगर आपका पुराना लोन हाइब्रिड या फिक्स्ड रेट पर था, तो उस पर फोरक्लोजर पेनल्टी भी लग सकती है। शेट्टी कहते हैं कि बैलेंस ट्रांसफर तभी फायदेमंद होता है जब ब्याज दर का अंतर काफी ज्यादा हो।

लेट पेमेंट पर लगने वाला चार्ज

कई बार होम लोन की ईएमआई लेट हो सकती है। यह कई कारणों से हो सकती है, जैसे सैलरी का देरी से मिलना, कोई मेडिकल इमरजेंसी आदि। ऐसे में लेट पेमेंट के नाम पर बैंक भारी चार्ज लगाते हैं। यह बकाया ईएमआई का 3 फीसदी तक या इससे ज्यादा भी हो सकता है। मोंगा बताते हैं कि अधिकांश बैंक जुर्माना लगाने से पहले ड्यू डेट के बाद 5 से 10 दिनों का अतिरिक्त ग्रेस पीरियड (छूट अवधि) देते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि अपने अकाउंट में पर्याप्त पैसा रखें ताकि ईएमआई बाउंस न हो।

जबरन बीमा बेचना

इंश्योरेंस एक और ऐसा सेक्टर है जहां उधारकर्ता अक्सर अनजाने में पैसा गंवा देते हैं। दो तरह के इंश्योरेंस दिए जाते हैं। पहला प्रॉपर्टी इंश्योरेंस। होम लोन के दौरान आपकी प्रॉपर्टी बैंक में गिरवी रखी संपत्ति होती है। बैंक को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि यह आग, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य नुकसानों से सुरक्षित है। दूसरा इंश्योरेंस लोन प्रोटेक्शन है। यह एक टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी है जो होम लोन लेने वाले की मृत्यु होने पर लोन का बकाया पेमेंट करती है। लोन प्रोटेक्शन इंश्योरेंस वैकल्पिक है। विवाद तब पैदा होते हैं जब बैंक स्पष्ट सहमति के बिना सिंगल-प्रीमियम इंश्योरेंस को लोन में बंडल कर देते हैं। उधारकर्ता अपनी पसंद के बीमाकर्ता को चुनने या अलग टर्म प्लान लेने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते वे बैंक की आवश्यकताओं को पूरा करते हों।

सीईआरएसएआई चार्जेज

सीईआरएसएआई (सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सिक्योरिटाइजेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऑफ इंडिया) एक ऐसा शुल्क है जो आमतौर पर पहली बार होम लोन लेने वाले को भ्रमित करता है। शेट्टी बताते हैं कि सीईआरएसएआई चार्जेज एक ही प्रॉपर्टी पर कई लोन को रोकने के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस में मॉर्गेज के रजिस्ट्रेशन को कवर करते हैं। ये शुल्क 100 (जीएसटी के अतिरिक्त) तक हो सकते हैं।

लोन भी गुड और बैड कुछ होते हैं दौलत के दोस्त और कई जेब के 'दुश्मन'

आसानी से मिल जाने वाले लोन का पैसा राहत के साथ दे सकता है बड़ी परेशानी

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में लोन लेना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। बैंक हों या मोबाइल एप, कुछ ही समय में आसानी से लोन मिल जाता है। अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे लोन ले लेते हैं, लेकिन यहीं से कई बार फाइनेंशियल परेशानी शुरू हो जाती है, क्योंकि हर लोन आपके फायदे के लिए नहीं होता। असल में लोन दो तरह के होते हैं गुड लोन और बैड लोन और दोनों में फर्क समझना आम लोगों के लिए बेहद जरूरी है। डिजिटल दौर में इंस्टेंट लोन ऐप्स ने लोगों को जल्दी पैसा तो दिया, लेकिन साथ में हाई इंटरेस्ट, छिपे चार्ज और मानसिक तनाव भी दिया है। कई लोग छोटी जरूरतों के लिए ऐसे ऐप्स से लोन लेते हैं और बाद में ईएमआई के बोझ में फंस जाते हैं। यही वजह है कि लोन लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस तरह का कर्ज ले रहे हैं।

> **सोच समझकर ही कदम उठाना होगा फायदेमंद, वरना आप रहेंगे घाटे में**
> अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे ले लेते हैं लोन

क्या होता है गुड लोन

गुड लोन वह होता है जो आपकी जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करें। ऐसा लोन जो भविष्य में आपकी आमदनी बढ़ाए, संपत्ति बनाए या करियर को मजबूत करे, उसे अच्छा कर्ज माना जाता है। इसमें ब्याज दर आमतौर पर कम होती है और समय के साथ इसका फायदा नजर आता है। मान लीजिए आपने पढ़ाई के लिए एजुकेशन लोन लिया और आगे चलकर उसी पढ़ाई से आपकी कमाई बढ़ती है। इसी तरह बिजनेस लोन से व्यापार बढ़ता है या होम लोन से आपकी खुद की संपत्ति बनती है। ऐसे लोन लंबे समय में आपकी नेटवर्थ बढ़ाने का काम करते हैं, इसलिए इन्हें गुड लोन कहा जाता है।

गुड लोन की खास पहचान

गुड लोन में रिटर्न की संभावना ब्याज से ज्यादा होती है। ईएमआई आपकी कमाई के हिसाब से मैनेज हो जाती है और लोन का इस्तेमाल किसी प्रोडक्टिव काम में होता है। यह आपकी फाइनेंशियल ग्रोथ का हिस्सा बनता है, बोझ नहीं।

बैड लोन क्या होता है

बैड लोन वह होता है जो सिर्फ खर्च बढ़ाता है, आमदनी नहीं। इस तरह के लोन में ब्याज दर काफी ज्यादा होती है और कई बार अतिरिक्त चार्ज भी जुड़ जाते हैं। अगर समय पर भुगतान न हो, तो क्रेडिट स्कोर बिगड़ जाता है और आगे लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड बकाया, इंस्टेंट लोन ऐप्स से लिया गया कर्ज या गैर-जरूरी चीजों के लिए लिया गया लोन अक्सर इसी कैटेगरी में आता है। इनसे न तो कोई एसेट बनता है और न ही भविष्य में कोई फायदेमंद रिटर्न मिलता है।

बैड लोन क्यों बन जाता है परेशानी

बैड लोन की ईएमआई जेब पर भारी पड़ती है। कई लोग एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन लेते हैं और धीरे-धीरे कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। तनाव बढ़ता है, सेविंग खत्म हो जाती है और आर्थिक आजादी खतरे में पड़ जाती है।

दोनों में क्या है अंतर

आधार	: लोन लेने का मकसद
गुड लोन	: भविष्य को मजबूत बनाना
बैड लोन	: सिर्फ मौजूदा खर्च पूरा करना
आधार	: पैसे का असर
गुड लोन	: दौलत और कमाई बढ़ाता है
बैड लोन	: जेब पर बोझ बढ़ाता है
आधार	: ब्याज दर
गुड लोन	: अपेक्षाकृत कम
बैड लोन	: काफी ज्यादा
आधार	: लंबे समय का फायदा
गुड लोन	: फायदा देता है नहीं
बैड लोन	: नुकसान बढ़ाता है
आधार	: कमाई
गुड लोन	: बढ़ाने में मदद करता है
बैड लोन	: नहीं करता
आधार	: जोखिम का स्तर
गुड लोन	: कम जोखिम
बैड लोन	: ज्यादा जोखिम
आधार	: उदाहरण
गुड लोन	: होम लोन, एजुकेशन लोन, बिजनेस लोन
बैड लोन	: पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड लोन, इंस्टेंट ऐप लोन
आधार	: मानसिक असर
गुड लोन	: सुरक्षा और स्थिरता
बैड लोन	: तनाव और दबाव
आधार	: भविष्य की प्लानिंग
गुड लोन	: आसान बनती है
बैड लोन	: मुश्किलें बढ़ाती है

कितना लोन लेना है सही

लोन लेते समय अपनी आय और खर्च का सही हिसाब लगाना जरूरी है। इसके लिए डेट-टू-इनकम रेश्यो देखा जाता है। यानी आपकी कुल मासिक ईएमआई, आपकी मासिक कमाई के 40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर यह 30 फीसदी से नीचे है, तो और भी बेहतर माना जाता है।

लोन से पहले बचत को दें प्राथमिकता

हर छोटी जरूरत के लिए लोन लेना समझदारी नहीं है। बेहतर है कि पहले बचत की आदत डालें। छोटी प्लानिंग, एसआईपी या इमरजेंसी फंड बनाकर कई खर्च बिना कर्ज के पूरे किए जा सकते हैं। लोन तभी लें, जब वह सच में आपकी जिंदगी को आगे बढ़ाने वाला हो।

समझदारी ही असली सुरक्षा

लोन अपने आप में न अच्छा है, न बुरा। फर्क इस बात से पड़ता है कि आप उसे किस मकसद से ले रहे हैं। सही जानकारी और सोच-समझकर लिया गया कर्ज आपकी तरक्की का रास्ता खोल सकता है, जबकि जल्दबाजी में लिया गया लोन आपकी जेब का सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है।

अफसर की मौत के बाद जागा स्वास्थ्य विभाग, अपडेट होगा विभागाध्यक्ष भवन का अस्पताल

रायपुर। हार्ट अटैक से अफसर की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग के नवा रायपुर विभागाध्यक्ष भवन में दस बिस्तर का अस्पताल संसाधनों से लैस होगा। विभागाध्यक्ष सहित आसपास के शासकीय कार्यालयों में आने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों की उपचार व्यवस्था के लिए खोला गया अस्पताल सुविधाहीन था। खड़े हुए सवालों के बाद हेल्थ सेंटर को सुविधा से लैस करने के साथ आवश्यक स्टाफ से लैस किया जाएगा। जानकारी के अनुसार विभागाध्यक्ष भवन में काफी समय से दस बिस्तर अस्पताल का संचालन किया जाता है। अक्सर यह शिकायत सामने आती रहती थी कि यहां डाक्टर सहित अन्य चिकित्सकीय स्टॉफ की उपस्थिति काफी कम संख्या में होती है। इसके अलावा जरूरत होने पर कर्मचारियों को वहां जरूरी दवाएं भी नहीं मिल पातीं। शिकायतों के बीच पिछले दिनों एक अफसर को मंत्रालय जाने के दौरान हार्ट अटैक आ गया। सहकर्मियों ने गंभीर हालत में उन्हें शहर के निजी अस्पताल पहुंचाया, मगर उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस घटना के बाद वहां के कर्मचारियों ने स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए दी गई सुविधा पर सवाल उठाया था। घटना के बाद संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ने स्वयं विभागाध्यक्ष भवन जाकर वहां मौजूद 10 बिस्तर अस्पताल का निरीक्षण किया था। वहां मिली बेहद कमियों पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की थी। उनके द्वारा जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को इस 10 बिस्तर अस्पताल में जरूरी सुधार के निर्देश दिए थे। अफसरों से मिली फटकार के बाद विभागीय टीम सक्रिय हुई और इस अस्पताल को अपडेट करने का काम शुरू कर दिया गया है। शनिवार को जिला अस्पताल और स्वास्थ्य कार्यालय के कर्मचारियों ने वहां जाकर कमियों को दूर किया। आने वाले दिनों में वहां डाक्टर सहित अन्य चिकित्सकीय स्टाफ की संख्या बढ़ाई जाएगी। कर्मचारी संगठनों ने घटना के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी, कार्यरत कर्मचारियों के लिए जीवन रक्षक सुसज्जित अस्पताल की व्यवस्था न कर सके। प्रति माह नहीं तो कम से कम 6 माह में एक बार कार्यस्थल पर स्वास्थ्य जांच का कैंप लगाया जाए।

कलेक्टर गाइड लाइन पर हजारों आपत्तियां, निराकरण करने विशेष टीम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नई कलेक्टर गाइड लाइन जारी होने के बाद इसे लेकर खासा विवाद भी हुआ। राजधानी रायपुर में 100 से अधिक और पूरे राज्य में करीब 2000 आपत्तियां दर्ज की गईं।

राजस्व विभाग का दावा है कि सभी आपत्तियों का गंभीरता से निराकरण किया जाएगा। एक्सपर्ट की एक विशेष टीम इसके लिए बनाई जाएगी, जो जिलों के पंजीयन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर जमीन की कीमतों की समीक्षा करेगी। खासतौर पर उन इलाकों पर ध्यान दिया जाएगा, जहां दरें कम करने की मांग की जा रही है। नई दरें लागू होने के बाद उसी दर पर रजिस्ट्री जा रही है। गणना की दरों के कुछ प्रावधानों में छूट भी दी गई है। छत्तीसगढ़ में जमीन की सरकारी कीमतों को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। राज्य में जो कलेक्टर गाइड लाइन अभी लागू है, उसे ही वित्त वर्ष तक जारी रखने की तैयारी है। राजस्व विभाग के अफसरों का कहना है कि नई कलेक्टर गाइड लाइन इसी वित्तीय वर्ष में तैयार की गई है। नई दर को लेकर पहले जमीनों का सर्वे, कई चरणों की जांच और परीक्षण किया गया था। ऐसे में महज तीन महीने के भीतर जमीन की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव संभव नहीं माना जा रहा। उल्लेखनीय है कि सात सालों से जमीन की गाइडलाइन दरों में वृद्धि नहीं किया गया था।

सर्वे में की गई अनदेखी

बताया जा रहा जमीन गाइड लाइन को लेकर 31 दिसंबर तक दावा आपत्ति मंगाए गए थे। राजधानी रायपुर और अधिकांश जिलों सर्वे के आधार पर जमीन की दरों की अनदेखी किए जाने से कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखी गई है।वहीं गाइडलाइन दरों में सड़क के पास की जमीन और उसकी दूरी पर लगने वाले दरों को लेकर भी आपत्ति की गई है।जो एक तरह से रजिस्ट्री कराने पर अधिक कीमत चुकानी होगी।

राशिफल

मेष मन परेशान हो सकता है। कारोबार में अभी कठिनाइयां बनी रहेंगी। सचेत रहें। कोई नया निवेश करने से बचें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में संयत रहें। कारोबार विस्तार के लिए परिवार से आर्थिक सहयोग मिल

मिथुन मन परेशान हो सकता है। आत्मसंयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि

कर्क किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में विदेश यात्रा पर जा सकते हैं।

सिंह आत्मविश्वास में कमी आएगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। मन अशान्त रहेगा। संयत रहें। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।

तुला मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां तो रहेंगी, लेकिन परिश्रम भी अधिक रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है।

धनु आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु अतिउत्साही होने से बचें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है।

कुंभ आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। खर्चों की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

सुनवाई का अवसर दिए बिना किसी भी शासकीय कर्मचारी के एसीआर में प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की जा सकती: हाईकोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि सुनवाई का अवसर दिए बिना किसी भी शासकीय कर्मचारी के एसीआर में प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की जा सकती।

हाईकोर्ट ने इसके साथ ही एक रिट याचिका की सुनवाई के पश्चात सुप्रीमकोर्ट द्वारा पारित न्याय दृष्टांत और छत्तीसगढ़ शासन, द्वारा वर्ष 2005 में जारी सर्कुलर के तहत कहा कि याचिकाकर्ता एसीआर में अतिरिक्त अंक प्राप्त कर चयन का हकदार है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने मामले का नियमानुसार निराकण कर आवेदक को आबकारी उपनिरीक्षक के पद पर प्रमोशन देने का आदेश दिया है। गंगानगर कॉलोनी, गौरेला निवासी मुकेश शर्मा, जिला जांजगीर-चाम्पा में आबकारी मुख्य आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं।

वर्ष 2023 में आबकारी आयुक्त, रायपुर द्वारा मुख्य आरक्षक से सब इन्सपेक्टर पद पर प्रमोशन हेतु एक विभागीय परीक्षा का आयोजन किया गया, उक्त भर्ती परीक्षा में आवेदक को वर्ष 2017, 2018 एवं 2019 के एसीआर में प्रतिकूल टिप्पणी होने के कारण अंक में कटौती होने से सब-इन्सपेक्टर पद पर प्रमोशन से वंचित कर दिया गया।

इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं वर्षा शर्मा के माध्यम से रिट याचिका दायर की गई।

आबकारी कांस्टेबल को उपनिरीक्षक के पद पर प्रमोशन देने का आदेश

समय के भीतर नोटिस जारी करना आवश्यक

याचिका में कहा गया कि किसी शासकीय कर्मचारी के एसीआर में प्रतिकूल टिप्पणी अंकित करने के पूर्व उसे निर्धारित समयावधी के भीतर कारण बताओ नोटिस जारी नहीं किए जाने पर प्रतिकूल टिप्पणी स्वतः ही समाप्त हो जाती है। यह भी कहा गया कि आवेदक वर्ष 2018-2019 के दौरान अनुसूचित जिला जीपीएम में पदस्थ था तथा छत्तीसगढ़ शासन के वर्ष 2005 के सर्कुलर के तहत ख श्रेणी को क श्रेणी मान्य किया जाएगा। चूंकि उक्त विभागीय भर्ती परीक्षा में याचिकाकर्ता को 200 में से 172 अंक प्राप्त हुए जबकि अंतिम चयनित अनारक्षित वर्ग की उम्मीदवार श्रीमती कीर्ति ठाकुर को 175 एवं राहुल सिंह बघेल को 177 अंक मिला। अतः यदि याचिकाकर्ता को 3 अतिरिक्त अंक प्रदान किए जाते हैं ऐसी स्थिति में याचिकाकर्ता आबकारी उपनिरीक्षक पद पर प्रमोशन का पात्र है।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने समयबद्ध पूर्णता पर दिया जोर

मणिपुर में तोखन ने की शहरी विकास योजनाओं की समीक्षा

इम्फाल। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने शनिवार को मणिपुर के आधिकारिक दौरे के दौरान राज्य में संचालित विभिन्न केंद्रीय शहरी विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इम्फाल पहुँचने पर हवाई अड्डे पर राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी,आवास एवं शहरी विकास निगम,राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के प्रतिनिधियों तथा नागरिक समाज के सदस्यों ने उनका स्वागत किया।

राज्य सचिवालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठकों में मंत्री ने शहरी विकास पहलों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन का आकलन किया। राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान स्वच्छ भारत मिशन,अटल मिशन फॉर रीजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (नगर कायाकल्प एवं शहरी परिवर्तन मिशन) तथा प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी की प्रगति पर चर्चा हुई। मंत्री ने इन योजनाओं के प्रदर्शन पर चिंता व्यक्त करते हुए लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए ठोस और त्वरित कदम उठाने के निर्देश दिए। राज्य सरकार के अधिकारियों ने योजनाओं में सुधार का आश्वासन दिया। विभागीय समीक्षा के दौरान केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, आवास एवं शहरी विकास निगम तथा राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के अधिकारियों के साथ परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। मंत्री ने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही, उन्होंने आवास एवं शहरी विकास निगम को नव-प्रारंभ किए गए एकीकृत शहरी सूचना कार्यप्रणाली पोर्टल (यूआईविन पोर्टल) के माध्यम से शहरी स्थानीय निकायों की पहुँच बढ़ाने की सलाह दी। समीक्षा बैठकों के बाद श्री साहू ने मणिपुर के राज्यपाल श्री अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की और राज्य के समग्र विकास पर विचार-विमर्श किया। इसके पश्चात वे काकचिंग जिले के लिए रवाना हुए, जहाँ जिला दंडाधिकारी के नेतृत्व में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विकासात्मक गतिविधियों पर बैठक की। बैठक में स्थानीय विधायक

दिन के अंत में मंत्री ने छब्बीसवाँ सेक्टर असम राइफल्स मुख्यालय

पहुँचकर अधिकारियों से मुलाकात की और क्षेत्रीय महत्व के विषयों तथा सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की।रविवार को वे क्षेत्र का दौरा कर स्वयं सहायता समूहों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करेंगे।

अफगानिस्तानी विक्षोभ तीन दिन बढ़ाएगा टेंप्रेचर इससे पहले कई इलाकों में चली शीतलहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

- इस बार आउटर में कड़ाके की ठंड, शहर में भी कांप रहे लोग
- धीमे-धीमे बढ़ेगी दिन की अवधि, कम होगा ठंड का असर

अफगानिस्तान और उससे लगे पाकिस्तान में बने पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले तीन दिन रात के तापमान में तीन डिग्री तक बढ़ोतरी के आसार बन रहे हैं। इसके पहले रायपुर और दुर्ग के आउटर सहित सरगुजा संभाग में शीतलहर का प्रकोप रहा। इस बार आउटर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। साथ ही शहर में सुबह-सुबह कंपा देने वाली ठंड असर दिखा रही है। धीमे-धीमे दिन की लंबाई में होने वाली वृद्धि के साथ ठंड का असर भी कम होने की संभावना है।

जनवरी का पहला पखवाड़ा जोरदार ठंड के साथ बीता है, दूसरे पखवाड़े में सक्रिय होने वाले पश्चिमी विक्षोभ की वजह से अगले तीन दिनों से रात के तापमान में एक से तीन डिग्री तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसके अलावा लगातार आने वाले दो नए पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव से 26 जनवरी तक तापमान में विशेष गिरावट होने की संभावना नहीं। इधर सूर्य की दिशा उत्तर होने की वजह से दिन की लंबाई बढ़ने लगी है। रात की अवधि कम होने के बाद मौसम को ठंडा होने का कम वक्त मिलेगा, इससे ठंड में कमी आएगी। अनुमान लगाया जा रहा है कि जनवरी के महीने ककी ठंड का पीक बीत चुका है और अब उस तरह की स्थिति बनने की संभावना नहीं है। इधर तापमान में वृद्धि का दौर शुरू होने के पहले दो रात माना सहित बाहरी इलाके और दुर्ग तथा सरगुजा जिले के कई इलाकों में शीतलहर के हालात बने रहे। पिछले चौबीस घंटे में राज्य में सबसे कम तापमान अंबिकापुर का 4.7 तथा सबसे अधिक जगदलपुर का 31.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रायपुर का न्यूनतम तापमान 12.5 और अधिकतम 30.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

नहीं टूटा रिकार्ड

ठंड के इस सीजन में मैनपाट, बलरामपुर समेत सरगुजा संभाग के कई शहरों में शून्य डिग्री का तापमान होने की वजह से सुबह पाला जमता रहा। रायपुर समेत मध्य इलाके में कड़ाके की ठंड पड़ती रही मगर इस बार शहर में न्यूनतम तापमान दस डिग्री से नीचे नहीं जा पाया। मौसम विभाग के रिकार्ड के अनुसार वर्ष 2019 में एक जनवरी को न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था। माना इलाके में इस सीजन जैसा हुआ उस तरह की स्थिति पिछले पंद्रह सालों में नहीं बन पाई थी।

दिन में चढ़ रहा पारा

रात के तापमान में धीमे-धीमे बदलाव हो रहा है वहीं दिन का तापमान भी धीमे-धीमे चढ़ने लगा है। राज्य का औसत अधिकतम तापमान 27 से 31 डिग्री सेल्सियस डिग्री के बीच है। ज्यादातर शहरों का तापमान सामान्य से ढाई से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक रिकार्ड किया जा रहा है। रायपुर का पारा 30.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 2.3 डिग्री अधिक है। शहर में जनवरी महीने में अधिकतम तापमान पिछले साल 33.6 डिग्री तक पहुंचा था जो दस साल मे सबसे ज्यादा था।

टी-20 में इस बार वनडे जैसी दीवानगी नहीं, तीन दिन बाद भी खाली हैं सीटें, 2 हजार से 12 हजार तक टिकट उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

- जनरल टिकटों के लिए मारामारी कम होने से इस बार टिकटों की कालाबाजारी की समस्या नहीं रहेगी
- रोहित-विराट की कमी का असर, दिग्गजों के बिना टी-20 के लिए ठंडा पड़ा फैंस का जोश

शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 23 जनवरी को होने वाले भारत-न्यूज़ीलैंड टी-20 मैच को लेकर रायपुरियंस में वह उत्साह नजर नहीं आ रहा, जो पिछले वनडे मैच के दौरान देखा गया था। स्थिति यह है कि ऑनलाइन टिकट बुकिंग शुरू होने के तीन दिन बाद भी बुकिंग फुल का बोर्ड नहीं लगा है।

शनिवार तक स्टेडियम की करीब 80 प्रतिशत सीटें ही बुक हो सकी हैं। अभी भी लगभग 2000 से 3500 टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इसकी तुलना अगर पिछले वनडे मैच से करें, तो तब टिकट विंडो खुलते ही महज 15 मिनट के भीतर हज़ारों टिकट बिक गए थे और स्लॉट फुल हो गया था।

इस बार बुकिंग की रफ़्तार काफी धीमी है। इंडोर स्टेडियम में फिजिकल टिकट लेने पहुंचने वाले फैंस की संख्या फिलहाल कम है। बता दें कि छग क्रिकेट संघ ने इस बार भी 48 से 50 हजार दर्शकों के लिए टिकट बेचने का लक्ष्य रखा है। माना जा रहा है कि वनडे मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी ने फैंस का जोश हाई कर दिया था। टी-20 टीम में इन दिग्गजों के न होने से टिकट बुकिंग के रुझानों पर साफ असर दिखाई दे रहा है।

इस बार ब्लैक मार्केटिंग का खेल खत्म

जनरल टिकटों के लिए मारामारी कम होने के कारण इस बार टिकटों की कालाबाजारी की समस्या भी न के बराबर रहने की उम्मीद है। क्रिकेट प्रेमियों ने ऑनलाइन बुकिंग में पिछली बार जैसी हड़बड़ी नहीं दिखाई है, जिसका सीधा असर ब्लैक मार्केट पर पड़ा है। पिछले मैच के दौरान 2 हजार रुपये वाले टिकट ब्लैक में 8 से 10 हजार रुपये तक बिकी थी, लेकिन इस बार फैंस इतने ऊंचे दाम पर टिकट खरीदने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। हालांकि, धीमी शुरुआत के बावजूद मैच के दिन पूरा स्टेडियम नीली जर्सी से रंगा नजर आएगा और उम्मीद है कि मैच शुरू होने तक सभी 50 हजार टिकट बिक जाएंगे।

किसानों के घर-घर जाकर धान सत्यापन करने की कार्रवाई की कड़ी निंदा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा किसानों के घरों में जाकर धान का सत्यापन करने की प्रक्रिया पर जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने आपत्ति जताई है। राज्य में गिरदावरी, एग्री स्टैक पोर्टल पर पंजीयन और सोसाइटी में टोकन कटने की औपचारिकताओं के बाद भी सरकार के अधिकारी किसानों के घर पहुंचकर धान की जांच कर रहे हैं। यह कार्रवाई किसानों की मेहनत और सम्मान पर सीधा प्रहार है। क्या किसान चोर हो गए हैं? क्या उनकी मेहनत से उगाई गई फसल पर अब शक किया जा रहा है? भाजपा सरकार की यह नीयत किसानों को अपमानित करने और उन्हें संदिग्ध ठहराने की लग रही है। उन्होंने कहा, यदि सरकार के पास समर्थन मूल्य पर धान खरीदने के लिए पर्याप्त पैसा नहीं है या भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर ऐसी अनावश्यक प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं, तो यह किसानों के साथ धोखा है। पिछली कांग्रेस सरकार में धान खरीदी पारदर्शी और किसान-हितैषी रही है, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार की नीतियां किसानों को परेशान कर रही हैं।

शब्द पहेली - 6112

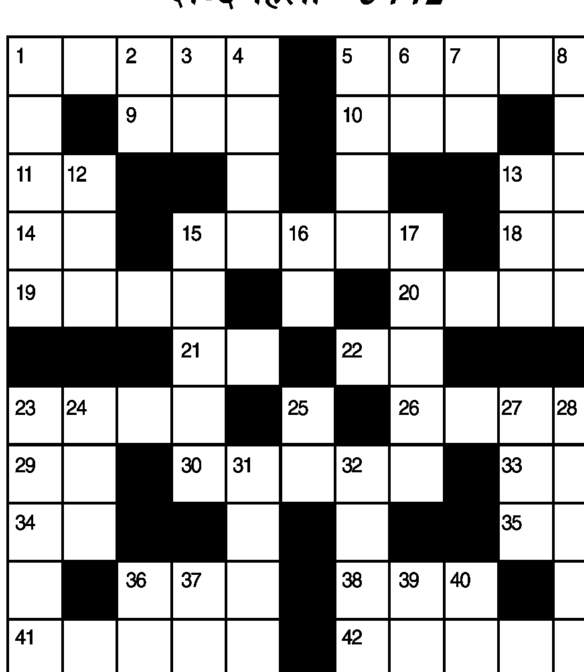

बाएँ से दाएँ
1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे
1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली- 6111 का हल

सा	ल	■	ब	ला	■	य	म	■	श	र
या	■	क	ल	■	जो	श	■	जा	य	ज
■	कै	द	■	श	र	■	का	न	न	■
न	दी	■	खे	मा	■	का	त	ना	■	जा
म	■	जा	ल	■	का	य	र	■	ता	ल
■	मा	न	■	र	म	ल	■	का	ला	■
का	या	■	बी	न	ना	■	रा	म	■	सी
र	■	क	ह	र	■	शो	र	■	बा	धा
■	की	च	ड़	■	सा	ला	■	री	त	■
क	म	रा	■	ख	र	■	सी	ता	■	द
म	त	■	जी	त	■	मा	मा	■	दा	म

सूडोकु नवताल - 6122

★★★★☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6121 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

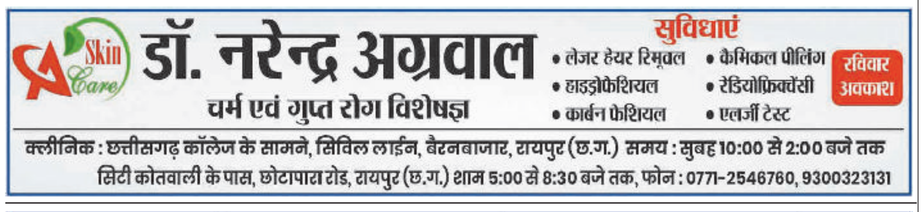

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रधानपाठक नहीं जाते...

स्वयं ही लगाया जा सकता है। बताया जा रहा है कि सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड अंतर्गत मोहरसोप प्राथमिक शाला में डीएस सिंह की पदस्थापना प्रधान पाठक के रूप में की गई है लेकिन प्रधान पाठक डीएस सिंह महीने में सप्ताह भर भी स्कूल नहीं आते है। कक्षा पहली से पांचवीं तक वाले विद्यालय में कुल 52 बच्चे अध्ययनरत है लेकिन स्कूल अभी भी एकल शिक्षकीय है। यही वजह है कि प्रधान पाठक ने भी बच्चों की पढ़ाई के लिए किराए पर शिक्षक रख लिया है। प्रधान पाठक द्वारा स्कूल में महज 2 हजार रुपए में शिक्षक रखा गया है और खुद महीने में एक सप्ताह ही स्कूल आते है। प्रधान पाठक की अनुपस्थिति में भृत्य स्कूल खोलकर सफाई करता है जबकि किराए में रखा गया शिक्षक आकर बच्चों को पढ़ाने का काम कर रहा है। पूर्व में एक किराए के शिक्षक द्वारा काम छोड़ने के बाद पिछले 12 दिनों से पूर्व देव यादव नामक युवक बच्चों को पढ़ा रहा है जबकि शासकीय स्कूल में पढ़ाने के लिए उसकी कोई शासकीय नियुक्ति भी नहीं की गई है।

बच्चों ने भी कहा रोज नहीं आते-

गुरुवार को स्कूल में 52 में से 11 बच्चे स्कूल में मौजूद थे। इस दौरान बच्चों से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि प्रधान पाठक मीटिंग में जाते है तो स्कूल नहीं आते। बाकी समय पूर्व देव यादव द्वारा बच्चों को पढ़ाया जाता है। हैरानी की बात तो यह है क्षेत्र में प्रधान पाठक द्वारा किराए पर शिक्षक रखने की जानकारी ना ही क्षेत्र के संकुल समन्वयक को है और ना ही अधिकारियों को।

कलेक्टर, मंत्री का...

कि दूरस्थ क्षेत्र में मौजूद एकल शिक्षकीय विद्यालयों में बच्चों के शिक्षा गुणवत्ता का स्तर क्या है।

अंतिम सांसें गिन...

महिला कैडर सहित 4 माओवादी कैडरों के शव बरामद किए गए हैं। वहीं उनके पास से एके-47 ओर 303 राइफल जैसे ग्रेडेड हथियार भी बरामद किए गए हैं। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पट्टिलिंगम ने कहा कि दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बनी चुनौतीपूर्ण स्थितियों के बीच भी डीआरजी, कोबरा एवं एसटीएफ के जवान अनुशासन, रणनीतिक दक्षता और साहस का परिचय देते हुए सशस्त्र माओवादी कैडरों के विरुद्ध निर्णायक अभियान को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मृत माओवादी कैडरों में से एक नेशनल पार्क एरिया कमेटी का कुख्यात माओवादी कैडर डीवीसीएम दिलीप बेड़जा के रूप में शिनाख्त की गई है। मुठभेड़ में मारे गए अन्य माओवादियों के भी नेशनल पार्क एरिया कमेटी से संबंधित होने की संभावना है, जिनकी पहचान की जा रही है। क्षेत्र में सघन सर्चिंग अभियान लगातार जारी है।

इलाके की घेराबंदी, तलाशी अभियान जारी-

मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। अतिरिक्त जवानों को मौके पर भेजा गया है और सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षाबल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार मुठभेड़ स्थल पर कई अन्य नक्सलियों के भी मारे जाने या घायल होने की संभावना जताई जा रही है। कुछ नक्सलियों के जंगल में फंसे होने की भी सूचना है, जिसके चलते ऑपरेशन को और तेज कर दिया गया है।

सरेंडर नहीं करने पर मारे जाएंगे-

केंद्र और राज्य सरकार 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने का ऐलान कर लगातार नक्सल उन्मूलन अभियान चला रही है। बार बार सरेंडर करने को कहा जा रहा है। जिसमें शासन की पुनर्वास नीति के तहत शांतिपूर्ण जीवन जीने का अवसर मिलेगा। जो सरेंडर नहीं कर रहे है वे मारे जा रहे हैं।

—

सुंदरराज पट्टिलिंगम, आईजी बस्तर

वामपंथी उग्रवाद को...

को खत्म करने के लिए 31 मार्च की समय सीमा तय की है।

आठ देशों पर...

कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर मौजूदा बयानबाजी से डेनमार्क में चिंता का माहौल है। उन्होंने कहा कि वह हालात को शांत करना चाहते हैं। कोपेनहेगन में कून्स ने कहा, मुझे उम्मीद है कि डेनमार्क के लोग अमेरिकी लोगों में अपना विश्वास नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका डेनमार्क और नाटो के प्रति उन सभी कार्यों के लिए सम्मान रखता है जो हमने साथ मिलकर किए हैं। उनकी टिप्पणियां 'व्हाइट हाउस' से आ रही टिप्पणियों से बिल्कुल विपरीत हैं। ट्रंप ने बार-बार यह दावा करके अमेरिका द्वारा ग्रीनलैंड पर कब्ज़ा करने की अपनी मांगों को सही ठहराने की कोशिश की है कि चीन और रूस की ग्रीनलैंड पर नजर है, जहां महत्वपूर्ण खनिजों के विशाल अप्रयुक्त भंडार मौजूद हैं।

डेनमार्क के समर्थन में यूरोपीय देश-

यूरोपीय देशों ने डेनमार्क के समर्थन में कदम बढ़ाए हैं। फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन, नॉर्वे, फिनलैंड, नीदरलैंड और ब्रिटेन ग्रीनलैंड में एक निगरानी मिशन के तहत सीमित संख्या में सैनिक भेज रहे हैं। जर्मन विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने में डेनमार्क का समर्थन करने के लिए 13 लोगों की एक टीम भेजेगा।

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता है

आवश्यकता है-फर्निशिंग दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मरीन फोम एंड फर्निशिंग, पेट्रोल पम्प के पास भारतीय नगर चौक व्यापार विहार रोड बिलासपुर 8889978688 **(39691)**

आवश्यकता है- ड्राइवर चाहिए प्रचार वाहन टाटा एश चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। कार चलाने वाले को प्राथमिकता दी जावेगी। सम्पर्क करें- चन्द्र टीवीएस, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर 78696 51234 **(39683)**

आवश्यकता है- एक प्राइवेट हॉस्पिटल (लघु) चलाने के लिए रिटायर्ड डॉक्टर (MBBS) एवं स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- डॉक्टर बारिक 7999122715 **(39679)**

आवश्यकता है- चिल्हर दवाई दुकान प्रारम्भ करने हेतु फार्मासिस्ट उपलब्ध हैं तथा थोक दवाई दुकान मे कार्य हेतु सेल्समेन-2, सेल्स प्रमोटर कमीशन आधार पर सम्पर्क- केशवप्रसाद दुबे, महावीर मेडिकल एजेन्सी बिलासपुर 9399929163 **(39690)**

आवश्यकता है- प्रो सोलर एनर्जी कम्पनी में टेलीकॉलिंग हेतु लड़कियों (वेतन योग्यतानुसार) प्रचार प्रसार हेतु लड़कों की आवश्यकता है 10000+ 3000 पेट्रोल+ कमीशन सम्पर्क करें- सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 9302158989, 8889580567 **(39681)**

आवश्यकता है- यश बिग बाजार में काम करने हेतु Busy अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर एवं सेल्स हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- स्टेट बैंक के सामने राजकिशोर नगर बिलासपुर 9300329794 **(39682)**

आवश्यकता है- किताब दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों/ लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- समय सुबह 10.30 से रात 8 तक विवेक बुक डिपो, दयालबन्द गुरुद्वारा के पास बिलासपुर 9893378899 **(39689)**

आवश्यकता है- मोटर वाइन्डर, लेथ ऑपरेटर एवं हेल्पर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। पीएफ, ईएसआईसी की सुविधा सम्पर्क करें- किशोरी ट्रेडर्स, मुख्य मार्ग सेंदरी- मोपका बायपास ग्राम नगोई, बिलासपुर 83058 12303 **(39676)**

आवश्यकता है- गृहकार्य, खाना बनाने हेतु महिला की आवश्यकता है उम्र 18 से 35वर्ष वेतन- 6000 से 12000 योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- दयालबन्द, बिलासपुर 79998 19387 **(39688)**

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 8000 सम्पर्क करें- गुप्ता अम्ब्रेला (छाता दुकान) हनुमान मन्दिर के पास जगदीश होटल के सामने गोल बाजार बिलासपुर **(39537)**

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- श्रीसांई सिक्युरिटी सर्विस, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291 **(39669)**

आवश्यकता है- चश्मा शोरूम में कार्य हेतु सेल्समेन चाहिए वेतन 8000 से 15000 योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- गुरुनानक चश्मा राजीव प्लाजा जिला चिकित्सालय के सामने पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर **(39671)**

आवश्यकता है- (M/F) मैनेजर, एकाउंटेंट, सुपरवाइजर, सेल्समैन, हेल्पर चाहिए (समय 10 से 8) सैलरी 9000 से 25000 सम्पर्क करें- Farmers Pride नेचर सिटी गेट से 200 मीटर आगे सकरी रोड उसलापुर 917929 4949 **(39672)**

आवश्यकता है- मिल्क पार्लर में 10 आदमियों की आवश्यकता है। जिन्हें गाड़ी चलानी आती हो सम्पर्क करें- नेचर केयर, आर्यन पब्लिक स्कूल के सामने, शक्ति चौक के पास, राजकिशोर नगर बिलासपुर 7999232712 **(39678)**

आवश्यकता है- पेमेंट रिकवरी, फील्ड वर्क, ऑफिस कम्प्यूटर ऑपरेटर बिजी, GST एकाउंट, कोटेशन के जानकार लड़के/ लड़की, रिकवरी पेमेन्ट वसूली हेतु लड़के चाहिए सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू गोड़पारा बिलासपुर 9669211111, 9827175811 **(39674)**

आवश्यकता है- फॉर्च्यूनर गाड़ी चलाने के लिए लाइसेंसधारी पूर्ण रूप से अनुभवी ड्राईवर की आवश्यकता है आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- गायत्री मन्दिर चौक के पास विद्या नगर बिलासपुर 9425221777 **(39658)**

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ओम एजेन्सी बाल्मीकि चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर **(39675)**

आवश्यकता है- जर्नी कंसल्टेंसी ग्रुप ऑफिस में एक महिला चपरासी। (नाश्ता पानी हेतु जिसे चाय नाश्ता बनाना आता हो) ऑफिस के सभी कार्य अनुभवी रहने खाने की व्यवस्था पेमेंट योग्यतानुसार सम्पर्क 9993316757 **(39677)**

आवश्यकता है- स्टेशनरी शॉप में कार्य करने हेतु बीसी सॉफ्टवेयर ऑपरेटर (एकॉउंटस) एवं लड़के/ लड़की की आवश्यकता है। अनुभवी सम्पर्क करें- भाटिया इंटरप्राइजेज, पेट्रोल पम्प के बाजू में नेहरू चौक बिलासपुर 7587259295 **(3180)**

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने के लिए कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर माल लाने ले जाने के लिए लड़कों की आवश्यकता सम्पर्क करें- विपुल मेडिको, मेडिकल कॉम्प्लेक्स, तेलीपारा बिलासपुर **(39626)**

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में दो ग्राफिक डिजाइनर चाहिए जिन्हें कोरलड्रॉ, फोटोशॉप, सोशल मीडिया ऑपरेट करना आता हो। वेतन 5अंकों में+ अच्छा काम करने पर इंसेंटिव सम्पर्क करें- गोल बाजार बिलासपुर 913115 5033, 9827180896 **(39666)**

आवश्यकता है- वेल्डर की फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस सरकंडा बिलासपुर 90395 24801, 9753511108 **(39657)**

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित हॉटल में कार्य करने हेतु वेटर-2 की आवश्यकता है (ड्यूटी टाइम 9 घंटा) वेतन 6000 रुपए प्रतिमाह सम्पर्क करें- हॉटल रोहित जूनी लाइन गोल बाजार बिलासपुर 78699 19506 **(39653)**

आवश्यकता है- रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीरचांपा, कोरबा, रायगढ़ हेतु वेल्डर, कटरफिटर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, हेल्पर, कम्पयूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी स्टोरकीपर, सुपरवाईजर 5वीं-ग्रेजुएट वेतन 11000 से 30000 रहना फ्री नया पता- बस स्टैण्ड बिलासपुर 7898973405 **(39659)**

आवश्यकता है- नर्सिंग स्टाफ, OT नर्स/ ब्रदर की जरूरत। Salary- अनुभव के आधार में. CV के साथ सम्पर्क करें- अग्रवाल प्लास्टिक सर्जरी सेन्टर, 301, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ि नाका, रायपुर 9575042809 (10am से 7pm Mon to Sat.) **(39628)**

आवश्यकता है- ऑफिस ब्वाय- 3 पद, समान पैकेजिंग, लोडिंग अनलोडिंग, ऑटो चालक एवं सफाई कार्य हेतु व्यक्तियों की आवश्यकता है वेतन- 9000 से 12000 प्रति माह सम्पर्क करें- 07879 364778 **(39662)**

आवश्यकता है- तिलक नगर बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने, होम्योपैथीक क्लिनिक में काम करने के लिए लड़की की ज़रूरत है संपर्क समय सुबह 10 से 12 मो. 9329370041 **(39663)**

आवश्यकता है- Zee Guard Solar Industries को Manager, Marketing Manager, फिल्ड ऑफिसर, Surveyor, Counselor, TeleCaller, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, पिकअप ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन (10000 से 35000) सम्पर्क- Narayan Plaza, Bilaspur 9755990933, 8085045559 **(39665)**

आवश्यकता है- पुस्तक प्रकाशन हाऊस में बुक डिजाइनिंग (MS Office फोटोशॉप अनुभवी) एवं टेलीकॉलिंग हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से शुरू। सम्पर्क करें- Evince Pub Publishing Koni Bilaspur 9171810321, 6260711728 **(39650)**

आवश्यकता है- होटल, लॉज में साफ सफाई स्टाफ टॉयलेट क्लीनिंग स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- होटल स्वर्णभूमि बिलासपुर सम्पर्क करें- 7869380124 **(39654)**

आवश्यकता है- फलैक्स शॉप के लिए अनुभवी एवं फ्रेशर ग्राफिक्स डिजाइनर की अतिशीघ्र आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें गगन फ्लैक्स एण्ड एलईडी 27 खोली चौक बिलासपुर 9425535104, 9039968650 **(39651)**

आवश्यकता है- ऑफिस में टेलीकॉलिंग काम करने के लिए लड़कियों व महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5,000+ कमीशन बोनस एक्स्ट्रा संपर्क करें:- मंगला चौक बिलासपुर 8120822435 **(481)**

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु ,रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़को की आवश्यकता है रूम बिजली की सुविधा फ्री है पता बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534 **(39664)**

आवश्यकता है- 500/- प्रतिदिन चौकीदार (परिवार वाला) फटाका जमाना पैकिंग, बिल बनाना, ड्राइवर लड़कों की आवश्यकता सम्पर्क तापड़िया फटाका, नेमींचंद गली तेलघानीनाका चौक रायपुर **(164)**

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय-06, जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 77460 00016, 7746000019 **(348)**

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में माल निकालने /जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें:- सलुजा मेडिकल एजेंसी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा **(480)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28 वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री सम्पर्क करें- 78701 92397, 7796880121 **(455)**

आवश्यकता है- एजेन्सी में कार्य हेतु इच्छुक गार्ड, (योग्यता 10वीं, 12वी पास) अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन 9500 से 10000, कार्य स्थल- बिलासपुर में 2 पहिया तथा 4 पहिया वाले, (समय 11 से 7) पता- A/4 Associates, अशोक नगर चौक बिलासपुर 9425534940, 99816 30084 **(474)**

आवश्यकता है- महासमुंद में सुरक्षा गार्डों की आवश्यकता है शिक्षा 10वीं, ऊंचाई 167 सेमी. वेतन- 16000/- प्रति माह सुविधाएं- ईपीएफ, चिकित्सा और कमरा निःशुल्क। आवश्यक दस्तावेज- मार्कशीट, आधार कार्ड, बैंक पासबुक और 4 पासपोर्ट फोटो सहित सम्पर्क करें- 9021510849, 9382515917 **(482)**

आवश्यकता है- सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़की /लड़को की आवश्यकता है लड़को के पास स्वयं का बाइक अनिवार्य, समान छोड़ने लाने हेतु, योग्यता दसवीं+ बारवी संपर्क:- श्री विनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर 98933 67787 **(473)**

बेचना है

बेचना है- जिला मुंगेली तहसील पथरिया के ग्राम पकरिया और ग्राम रामबोड. में खेत खसरा नं-240 (45 डिसमिल) एवं खसरा नं-33/2 (1एकड़ 17 डिसमिल) खेत बेचना है खरीददार सम्पर्क करें- 8319235183, 6264828931 **(39667)**

बेचना है- TNC प्रोजेक्ट (सर्वसुविधायुक्त Plot & Home) मंगला धुरीपारा रोड एवं रतनपुर मेन रोड से 500 मीटर अन्दर, सेन्दरी मोपका बाईपास फोर लेन के ऊपर बेचना है सम्पर्क करें- 9827157523, 78983 18935 **(39660)**

बेचना है- रतनपुर में बिलासपुर कोरबा बाईपास 102 वर्गफीट फ्रंट कॉमर्शियल प्लाट 0.14 एकड़, बिल्हा मुढीपार टोल प्लाजा से आधा किलोमीटर अंदर मुढीपार रोड में फार्म हाउस बोर सहित 2.7 एकड़ प्लॉट, बिलासपुर नया बसस्टैंड पास 2000, 1500 वर्गफीट प्लाट- 2000/- वर्गफीट में, यदुनंदन नगर 1200, 2200 वर्गफीट प्लाट 1350/- वर्गफीट में, रामा वैली बिलासपुर 3BHK स्वतंत्र मकान 98लाख, उसलापुर ओवर ब्रिज नीचे श्री श्याम परिसर 3BHK फ्लैट 75लाख बेचना है संपर्क- 72411 11402, 7241111407 **(460)**

बेचना है- लोखण्डी मेन रोड से लगे हुए व्यावसायिक, आवासीय सर्वसुविधायुक्त प्लाट, मकान उपलब्ध है सम्पर्क करें- एस.के. कंस्ट्रक्शन नारायणी हॉस्पीटल के बगल वंदना ट्रेडर्स के ऊपर मंगला चौक बिलासपुर 90986 49603, 7987295995 **(39605)**

बेचना है- (1) बलेजा स्मार्ट रोड पर 1562 वर्गफुट कामर्शियल प्लॉट (2) सागरदीप कालोनी स्वतंत्र मकान (3) वार्ड नं.-1 शांति नगर प्लॉट (4) सकरी बटालियन सामने 100 फुट रोड पर 80डिस. जमीन शादी घर, फैक्टरी अन्य हेतु कमर्शियल प्लाट सम्पर्क- 9340723055, 9827408205 **(39670)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

बेचना है- गोकुल धाम में 2BHK मकान एवं डायवर्टेड प्लाट गोकुल धाम, नारायणी होम्स एवं लोखण्डी में बेचना है रोड, नाली, पानी, बिजली सर्वसुविधायुक्त, बुकिंग प्रारंभ पता- राजपूत कन्ट्रक्शन बिलासपुर 8815964187, 9993864783 **(39576)**

बेचना है- बिलासपुर सिरगिट्टी में, गोविन्दनगर में, 3225 वर्गफीट का पूर्वमुखी, डाइवर्टेड प्लॉट और व्यापार विहार में एक कॉमर्शियल प्लाट बेचना है। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें। सम्पर्क - 9630083740 9770676030 **(39655)**

बेचना है- प्लॉट बेचना है समृद्धि विहार सेंदरी बिलासपुर में 1250 वर्गफीट प्लॉट की बिक्री करना है। कीमत 2400/- प्रति वर्गफीट सम्पर्क करें- 9755786671, 97520 20227 **(39685)**

किराए से चाहिए

किराए से चाहिए-तिफरा, मोपका, आदर्श नगर (सिरगिट्टी रोड), कोनी, तोरवा, हेमू नगर में मेन रोड पर 600 वर्गफीट (20×30) की दुकान किराए पर चाहिए है। सम्पर्क करें- 8349054531, 78800 42169 **(39637)**

किराये

किराया- शांति नगर गोविन्दम पैलेस के सामने 2BHK, नेचरसिटी में 2BHK, 1BHK फैमिली को एवं राजेन्द्र नगर में 2BHK स्वतंत्र मकान फैमिली/ सेमी कमर्शियल किराये से देना है। सम्पर्क 7999205535, 8821888440 **(39668)**

किराया- जगदम्बा कॉलोनी आरके पेट्रोल पम्प के पास में रोड से मात्र 100 मीटर अन्दर 22×12 की दुकान किराए से देना है सम्पर्क करें- 9752934111 **(39686)**

किराया- घनश्याम होम्स व्यापार विहार बिलासपुर में सर्व सुविधा युक्त 6BHK फ्लैट फैमिली वालों को अथवा गेस्ट हाऊस के लिए किराए पर देना है सम्पर्क करें- 8839405065 **(39680)**

फाइनेन्स

फायनेंस- विनायिका फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज) (30% छूट) संपर्क:- 7587708423 **(477)**

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे:- B.A, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Polytechnic, B.Tech, अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें-Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 98261 96515, 9826896515 **(4129)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

ऑस्ट्रेलियाई ओपन: रिकॉर्ड बनाने से बस एक कदम दूर वीनस

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

वीनस विलियम्स 45 वर्ष की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में नया रिकार्ड बनाने के लिए तैयार हैं। अमेरिका की यह स्टार खिलाड़ी रविवार को कोर्ट पर उतरते ही वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के महिला एकल में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें इस बात का अहसास तब तक नहीं हुआ जब तक कि उन्हें पांच साल में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश नहीं मिला। वीनस जापान की किमिको दाते का रिकॉर्ड तोड़ेगी, जिन्होंने 44 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था।

पहली बार 1998 में लिया था हिस्सा

वीनस ने कहा, 'जब तक यह खबर मीडिया में नहीं आई, मैंने इसके बारे में सोचा भी नहीं था। मेरे लिए यह बहुत खुशी की बात है।' मीडिया से बात करने के बाद वह सभागार से बाहर निकलीं और अपने पति एंड्रिया प्रीटी के हाथ में हाथ डालकर एक गलियारे से होते हुए खिलाड़ियों के क्षेत्र में वापस चली गईं। उन्होंने इससे पहले 2021 में आखिरी और कुल 21वीं बार मेलबर्न पार्क में प्रतिस्पर्धा की थी। वीनस जब 17 साल की थीं तब उन्होंने पहली बार 1998 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लिया था और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही थी। मेलबर्न पार्क की अपनी पहली यात्रा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'वह खूबसूरत समय था, क्योंकि मुझे बहुत सी चीजों के बारे में पता नहीं था। लेकिन न जानने का एक बड़ा फायदा यह है कि इससे आपको नए सिरे से शुरुआत करने का मौका मिलता है। मुझे बहुत कुछ सीखना था और फिर मैंने वह सब सीख लिया।'

25वें खिताब की ओर जोकोविच, अल्काराज और सिनर बड़ी चुनौती

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

नोवाक जोकोविच को अब भी पूरा भरोसा है कि वह अपना 25वां एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने में सफल रहेंगे और उन्हें उम्मीद है कि रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वह कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर की कड़ी चुनौती से पार पाने में सफल रहेंगे।

जोकोविच पिछले साल चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन वह अल्काराज और सिनर की चुनौती से पार पाने में असफल रहे थे। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में एक बार फिर से यह दोनों युवा खिलाड़ी उनकी राह में सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं। जोकोविच ने कहा, '2025 में मैंने सिनर या अल्काराज़ के खिलाफ खेले गए चार

ग्रैंड स्लैम मैच में से तीन में हार का सामना किया।' उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'हमें उनकी ज्यादा तारीफ करने की जरूरत नहीं है। उनकी तारीफ पहले ही काफी हो चुकी है। हम जानते हैं कि वे कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। वे उस मुकाम के हकदार हैं, जहां वे अभी हैं। वे इस समय पुरुष टेनिस में सबसे मजबूत खिलाड़ी हैं।' जोकोविच अपने 25वें ग्रैंड स्लैम एकल खिताब की तलाश में तीसरा सत्र शुरू कर रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अपने दृष्टिकोण में थोड़ा बदलाव किया है। उन्होंने अपने एकमात्र निर्धारित अभ्यास टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया, क्योंकि वह युवा खिलाड़ियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से फिट रहना चाहते हैं।

खबर संक्षेप

एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य बने विजेंदर

नई दिल्ली। मुक्केबाज विजेंदर सिंह को एशियाई मुक्केबाजी परिषद में सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है, जो एक शीर्ष खिलाड़ी से वैश्विक खेल प्रशासक बनने के उनके सफर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विजेंदर भारत के पहले ओलंपिक मुक्केबाज हैं, जिनके पास एमेच्योर और पेशेवर मुक्केबाजी दोनों में खेल के सर्वोच्च स्तर पर खेलने का लगभग दो दशकों का अनुभव है। एशियाई मुक्केबाजी परिषद में उनकी नियुक्ति खेल की उनकी गहरी समझ और पूरे महाद्वीप में इसके विकास के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विजेंदर ने कहा, 'एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त होने पर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

पूर्व बल्लेबाज मार्टिन अस्पताल से पहुंचे घर

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेमियन मार्टिन को मेनिन्जाइटिस से उबरने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मार्टिन 27 दिसंबर 2025 को बीमार पड़ गए थे और उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में कृत्रिम कोमा में रखना पड़ा था, लेकिन जनवरी के पहले सप्ताह में उनमें सुधार के लक्षण दिखाई देने लगे थे। लेकिन अब वह इस मुश्किल दौर से बाहर निकल आए हैं और उन्होंने अपने शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। मार्टिन ने एक्स पर लिखा, 'वर्ष 2026 का स्वागत है। मैं अस्पताल से घर आ गया हूं। मैं उन सभी लोगों का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इस दौरान मेरा और मेरे परिवार का साथ दिया।' उन्होंने कहा, 'इस अनुभव से मुझे पता चला कि जीवन कितना क्षणभंगुर है। सब कुछ कितनी जल्दी बदल सकता है और समय कितना अमूल्य है।' मार्टिन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट, 208 वनडे और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

अंडर19 वर्ल्ड कप 2026 : सूर्यवंशी ने 67 गेंदों में 72 रन बनाए

14 साल की उम्र में वैभव के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड बांग्लादेश के खिलाफ फिफ्टी ठोक रचा इतिहास

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के वैभव सूर्यवंशी ने 17 जनवरी को इतिहास रच दिया। वह 15 साल के होने से पहले अंडर19 वर्ल्ड कप में हाफ सेंचुरी बनाने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बन गए हैं। बिहार के बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी ने बांग्लादेश के खिलाफ अंडर19 वर्ल्ड कप 2026 के अपने दूसरे ग्रुप ए मैच में भारत के लिए फिफ्टी लगाई। उन्होंने 67 गेंदों में 72 रन बनाए। उन्होंने 14 साल और 296 दिन की उम्र में हाफ सेंचुरी लगाई।

सूर्यवंशी ने 30 गेंदों में लगाई फिफ्टी

वैभव को 30 गेंदों में अपने 50 रन पूरे किए। उन्होंने 13वें ओवर की छठी गेंद पर एक रन लेकर 50 रन का आंकड़ा छुआ। इस टूर्नामेंट में अमेरिका के खलिाफ भारत के पहले मैच में सूर्यवंशी बैटिंग से प्रभावित नहीं कर पाए थे। उन्होंने 108 रन के चेज में आयुष म्हात्रे के साथ पारी की शुरुआत की, लेकिन 4 गेंदों में सिर्फ 2 रन ही बना पाए। बारिश से प्रभावित इस मैच में सूर्यवंशी को रन चेज के तीसरे ओवर की दूसरी गेंद पर ऋत्विक अप्पिडी ने पवेलियन भेज दिया।

अंडर19 वर्ल्ड कप मैच खेलने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर

वैभव अंडर19 वर्ल्ड कप मैच खेलने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर (14 साल, 294 दिन) बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। उन्होंने कनाडा के बैट्समैन नीतीश कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा। नीतीश 15 साल और 245 दिन के थे, जब उन्होंने 15 जनवरी 2010 को क्राइस्टचर्च में ज़िम्बाब्वे के खिलाफ कनाडा के लिए अपना पहला अंडर19 वर्ल्ड कप मैच खेला था। यूएसए के खिलाफ मैच में वैभव ने एक विकेट भी लिया।

सूर्यवंशी ने कोहली को छोड़ा पीछे

भारत की तरफ से यूथ वनडे में वैभव सूर्यवंशी ने सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने अपने यूथ वनडे करियर में कुल 28 मुकाबलों की 25 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 46.57 के बेहतरीन औसत के साथ कुल 978 रन बनाए थे। वहीं वैभव ने 20 पारियों में 50 से अधिक के औसत के साथ यूथ वनडे में अपने 1000 रनों का आंकड़ा पूरा कर लिया है। वह कोहली से भी आगे निकल गए हैं। वैभव भारत की तरफ से यूथ वनडे में सबसे कम पारियों में एक हजार रनों का आंकड़ा पूरा करने के मामले में तीसरे सबसे तेज भारतीय बने हैं, जिसमें उनसे तेज सिर्फ शुभमन गिल 13 पारियों में तो वहीं उनमुक्त चंद ने 17 पारियों में ये कारनामा किया था। वहीं यूथ वनडे में हजार रन पूरे करने वाले वैभव 7वें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

नो हैंडशेक नीति पर चले म्हात्रे बांग्लदेशी कप्तान को किया अनदेखा

बुलावायो। भारत और बांग्लादेश के बीच तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों का असर क्रिकेट के मैदान पर भी दिखा क्योंकि शनिवार को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप ग्रुप ए मैच से पहले दोनों टीमों के कप्तानों ने परंपरा के अनुसार हाथ नहीं मिलाए। बारिश के कारण मैच देरी से शुरू होने के बाद भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे और बांग्लादेश के उप कप्तान जवाद अबरार टॉस के लिए आए थे। लेकिन सिक्का उछालने से पहले या बाद में उन्होंने हाथ नहीं मिलाया। हालांकि दोनों टीमों ने अभी तक इस घटना के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

एशिया कप से चल रही नीति

गौरतलब है कि पिछले साल एशिया कप से भारत और पाकिस्तान के बीच हाथ नहीं मिलाने की नीति चल रही है जो पहलगाम नरसंहार के बाद शुरू हुई थी। हाल के दिनों में भारत और बांग्लादेश के बीच राजनीतिक और क्रिकेट संबंध काफी खराब हुए हैं। हाल के दिनों में पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर कथित अत्याचार के विरोध में भारत के विभिन्न हिस्सों में बांग्लादेश विरोधी कई रैलियां आयोजित की गईं।

डब्ल्यूपीएल

यूपी वॉरियर्स ने 3 दिन में दूसरी बार मुंबई इंडियंस को हराया

लैनिंग और लिचफील्ड के अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

यूपी वॉरियर्स ने कप्तान मेग लैनिंग (70 रन) और फीबी लिचफील्ड (61) के अर्धशतकों और दूसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से शनिवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को 22 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। दोनों टीम तीन दिन में दूसरी बार आमने सामने हुईं। दोनों ही बार यूपी वॉरियर्स ने मुंबई इंडियंस को पराजित किया। लैनिंग की अगुआई वाली यूपी वॉरियर्स ने आठ विकेट पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई इंडियंस 20 ओवर में छह विकेट पर 165 रन ही बना सकी। मुंबई इंडियंस की आधी टीम 11वें ओवर में 69 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुकी थी। इसके बाद अमेलिया केर (नाबाद 49 रन) और अमनजोत कौर (41 रन) ने मिलकर छठे विकेट के लिए 45 गेंद में 83 रन की भागीदारी की। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यूपी वॉरियर्स ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर खाता खोला था।

दोनों टीमों के पांच मैच में चार-चार अंक

दोनों टीमों के पांच मैच में चार-चार अंक हैं। यूपी वॉरियर्स के लिए शिखा पांडे ने 30 रन देकर दो विकेट झटके जबकि क्रांति गौड़, दीप्ति शर्मा, सोफी एक्लेस्टोन और क्लो ट्रायोन को एक एक विकेट मिला। मुंबई इंडियंस के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 18 रन, नटाली साइवर ब्रंट ने 15, हैली मैथ्यूज ने 13 रन और सजीवन सजना ने 10 रन बनाए। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज किरण नवगिरे लगातार पांचवें मैच में असफल रहीं और पहले ही ओवर में निकोला कैरी की गेंद पर बोल्ड हो गईं।

ऑकलैंड ओपन

मेनसिक ने किया तीखी सर्विस का शानदार नजारा पेश, जीता खिताब

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

तीसरी वरीयता प्राप्त जैकब मेनसिक ने अपनी तीखी सर्विस का शानदार नजारा पेश करते हुए सेबेस्टियन बाएज को सीधे सेटों में हराकर ऑकलैंड ओपन एटीपी 250 टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज मेनसिक ने फाइनल में 6-3, 7-6 (7) से जीत हासिल करने के लिए 18 ऐस लगाए। चेक गणराज्य के इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरे सेट के टाईब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाकर अपना दूसरा एटीपी टूर खिताब जीता। अब वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लेंगे, जहां पहले दौर में उनका मुकाबला स्पेन के पाब्लो कैरेनो बुस्टा से होगा।ऑकलैंड में क्वार्टरफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन को हराने वाले बाएज मेलबर्न में पहले दौर में जियोवानी म्पेटशी पेरिकार्ड से भिड़ेंगे।

एसए20 : एमआई केपटाउन ने सनराइजर्स को हराया, प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार

एजेंसी ▶▶| केपटाउन

मौजूदा चैंपियन एमआई केपटाउन ने सनराइजर्स ईस्टर्न केप को तीन विकेट से हराकर एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीद बरकरार रखी। सनराइजर्स (24 अंक), पार्ल रॉयल्स (24 अंक) और प्रिटोरिया कैपिटल्स (20 अंक) पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। एमआई केपटाउन के 14 अंक हैं।

एमआई केपटाउन ने मैच में पहली गेंद से ही अपना दबदबा बना दिया था। ट्रेंट बोल्ट ने पारी की पहली ही गेंद पर शानदार फॉर्म में चल रहे क्विंटन डी कॉक को आउट कर दिया। सनराइजर्स इससे आखिर तक नहीं उबर पाया और उसकी टीम 9 विकेट पर 139 रन ही बना पाई।

यानसन ने खेली शानदार पारी

सनराइजर्स की तरफ से ऑलराउंडर मार्को यानसन ने 23 गेंदों में 42 रन बनाए, जिसमें चार छक्के और तीन चौके शामिल हैं। एमआई केपटाउन के लिए बोल्ट ने 28 रन देकर तीन और कॉर्बिन बॉश ने 34 रन देकर चार विकेट लिए। एमआई केपटाउन ने 19.2 ओवर में सात विकेट पर 140 रन बनाकर जीत हासिल की। यानसन ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 23 रन देकर दो विकेट लिए लेकिन एमआई केपटाउन नियमित अंतराल में विकेट गंवाने के बावजूद लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा। उसकी तरफ से रीज़ा हेंड्रिक्स (43 गेंदों पर 41 रन) ने एक छोर संभाले रखा।

क्वार्टर फाइनल में हारे चोटरानी

नई दिल्ली। भारत के वीर चोटरानी अमेरिका के क्लीवलैंड में चल रहे स्क्वाश इन द लैंड 2026 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में मैक्सिको के दूसरी वरीयता प्राप्त लियोनेल कार्डेनास से हार गए। भारतीय खिलाड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया। विश्व रैंकिंग में 52वें स्थान पर काबिज चोटरानी ने इस पीएसए रजत स्तर के टूर्नामेंट के मैच में दूसरे और तीसरे गेम में अपने प्रतिद्वंद्वी को कड़ी चुनौती दी। उन्होंने विश्व के नंबर 13 खिलाड़ी के खिलाफ अपने आक्रामक खेल का अच्छा प्रदर्शन किया और खेले गए मैच में कार्डेनास पर दबाव बनाया। कार्डेनास ने हालांकि उनकी चुनौती से अच्छी तरह मुकाबला किया और 11-3, 11-7, 11-8 से जीत दर्ज की।

एडिलेड इंटरनेशनल

18 साल की मीरा एंड्रीवा ने लगातार जीते 9 गेम, खिताब पर किया कब्जा

एजेंसी ▶▶| एडिलेड

तीसरी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने शुरू में 0-3 से पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी करते हुए लगातार नौ गेम जीतकर एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में विक्टोरिया एमबोको को 6-3, 6-1 से हरा दिया। यह मुकाबला डब्ल्यूटीए टूर की रैंकिंग में शीर्ष 20 में शामिल लेकिन 20 वर्ष से कम उम्र की खिलाड़ियों के बीच था। एंड्रीवा 18 वर्ष और एमबोको 19 वर्ष की हैं। कनाडा की खिलाड़ी एमबोको ने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद एंड्रीवा ने उनकी एक नहीं चलने दी और आसानी से मैच अपने नाम करके

अपना पांचवां डब्ल्यूटीए खिताब जीता। बाद में पुरुष एकल के फाइनल में थॉमस मचाक ने उगो हम्बर्ट को 6-4, 6-7 (2), 6-2 से पराजित किया।

सावधान सावधान सावधान

हमें पता चला है कि कुछ बेईमान लोग/प्लेसमेंट एजेंसियां, जो गलत तरीके से ACB India Limited से जुड़े होने का दावा कर रहे हैं, नौकरी चाहने वालों को फीस लेकर नौकरी के ऑफर देकर लुभा रहे हैं और गुमराह कर रहे हैं। ये धोखेबाज लोग/एजेंसियां मैसेजिंग प्लेटफॉर्म जैसे WhatsApp वगैरह का इस्तेमाल करते हैं और हमारे साथ नौकरी दिलाने के नाम पर नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों से फीस/चार्ज वगैरह के रूप में पैसे मांगते हैं।

हम आपको बताना चाहते हैं कि हम नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों से उनके कैंडिडेटचर पर विचार करने के लिए या भर्ती प्रक्रिया के दौरान किसी भी समय कोई फीस/चार्ज नहीं लेते हैं, और न ही हमने किसी व्यक्ति, एजेंसी या फर्म को हमारे लिए उम्मीदवारों की भर्ती करने के लिए अधिकृत किया है। **ACB India Limited** में नौकरी चाहने वाले किसी भी व्यक्ति को सावधान रहना चाहिए और किसी भी एजेंसी या व्यक्ति पर भरोसा नहीं करना चाहिए, जो हमारा प्रतिनिधि होने का दावा करता है, और हमारे साथ नौकरी दिलाने के लिए फीस लेता है।

हम ACB India Limited में नौकरी चाहने वाले सभी लोगों को सलाह देना चाहते हैं कि कृपया निम्नलिखित बातों पर ध्यान दें:

A. हमारे कर्मचारी या अधिकृत एजेंट होने का दावा करने वाले व्यक्तियों/एजेंसियों से मिलने वाले किसी भी नौकरी के ऑफर का जवाब न दें, खासकर जो नौकरी के आवेदन के लिए फीस/चार्ज मांगते हैं। कृपया ध्यान दें कि पैसे मांगने वाला कोई भी कम्युनिकेशन जो **ACB India Limited** से आया हुआ लगता है, वह झूठा है।
B. हमारे साथ नौकरी पाने के लिए किसी भी व्यक्ति/एजेंसी को कोई पेमेंट न करें। हम अपने साथ नौकरी चाहने वाले व्यक्ति से कुछ भी चार्ज नहीं करते हैं।
C. बिना ठीक से वेरिफाई किए और सच्चाई की जांच किए बिना, बैंक अकाउंट डिटेल्स सहित कोई भी निजी और गोपनीय जानकारी शेयर न करें।
D. अगर आपको हमारे प्रतिनिधि होने का दावा करने वाले किसी व्यक्ति/एजेंसी के सोर्स और क्रेडेंशियल्स के बारे में थोड़ा भी शक हो, तो आप तुरंत हमारे ऑफिस या स्थानीय पुलिस अधिकारियों को इसकी रिपोर्ट कर सकते हैं।
E. नकली ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर या नकली लेटर हेड पर जारी किए गए कम्युनिकेशन से सावधान रहें। **ACB India Limited** किसी भी तरह से किसी भी नुकसान के लिए जिम्मेदार या जवाबदेह नहीं होगा जो ऐसे धोखेबाज लोगों के साथ डील करने के कारण किसी भी आम जनता को हो सकता है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्र. सं. (1) ई-निविदा सूचना संख्याः 85 एसटी टेंडर 2025 दिनांक - 06.01.2026

कार्य : बिलासपुर डिवीजन के मुख्य लाइन खंड पर जंग लगी पटरियों वाले डीसी ट्रैक सर्किट में डुअल MSDAC की व्यवस्था करके विश्वसनीयता में सुधार हेतु

निविदा मूल्यः रु. 8,86,21,342.62 (आठ करोड़ छियासी लाख इक्कीस हजार तीन सौ बयालीस रुपये और बासठ पैसे मात्र)। **अमानत राशिः** रु. 5,93,100/- (पांच लाख तिरानवे हजार एक सौ रुपये मात्र)। **निविदा का जमा होना दिनांकः** 29.01.2026 के 15.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी http://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (ML)
सीपीआर/10/AM/600 द.पू.म.रेलवे/बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-175-25-26, दि. 09-01-2026 कार्य : वरिष्ठ मंडल अभियंता/मध्य/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न ट्रैक कार्य जैसे टी.एफ.आर., टी.आर.पी. (पी), सी.टी.आर. (एस.), ग्लूइड ज्वॉइंट्स एसईजे, टी.टी.आर. आदि का निष्पादन। निविदा मूल्यः 2,99,35,508.11/–, अमानत राशिः ₹ 2,99,700.00/–, कार्य पूर्णता की अवधिः 12 माह।

क्र.सं. (2) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-176-25-26, दि. 09-01-2026 कार्य : वरिष्ठ मंडल अभियंता/मध्य/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत टी.एस.आर. (पी) 26.403, किलोमीटर आदि जैसे ट्रैक कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्यः 3,18,51,668.03/– अमानत राशिः ₹ 3,09,300.00/–, कार्य पूर्णता की अवधिः 12 माह।

निविदा जमा की आरंभ तिथि : दिनांक 19–01–2026 के 11.00 बजे से, निविदा जमा की अंतिम तिथिः 02–02–2026 के 11.00 बजे तक। उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/FL/614 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल

अनुलग्नक–अ

कार्य का विवरण – पांच (05) वर्षों की अवधि के लिये बिलासपुर रेलवे स्टेशनों के सभी प्लेटफार्मों (पि एफ नं. 1 से 8) पर डबल साइडेड स्टैटिक बैकलिट हैगिंग बोर्ड के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन (गैर डिजिटल) के प्रदर्शन के लिए जिसका कुल प्रदर्शन क्षेत्र 3000 वर्ग फीट है, लाइसेंसधारी की लागत पर लाइसेंस आबंटन हेतु ई–नीलामी आमंत्रित की गई है। केटेलॉग पहले ही दिनांक 07.01.2026 को IREPS वेबसाइट (https://ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण इस प्रकार है:–

कैटेलॉग क्र.	श्रेणी	नीलामी दिनांक/समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
ADVT-OSN-BSP-26	Advertising On Station Premises (Non-Digital)	27-01-26 13:00:00	ADVT-BSP-BSP-OSN-190-25-1	बिलासपुर रेलवे स्टेशनों के सभी प्लेटफार्मों (पि एफ नं. 1 से 8) पर डबल साइडेड स्टैटिक बैकलिट हैगिंग बोर्ड के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन (गैर डिजिटल) के प्रदर्शन के लिए जिसका कुल प्रदर्शन क्षेत्र 3000 वर्ग फीट है, लाइसेंसधारी की लागत पर लाइसेंस।	1826 दिन

सीपीआर/10/FL/606 सहायक वाणिज्य प्रबंधक (Chg), द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

ई–निविदा सूचना क्रमांकः एनआईटी/14/26/1, तिथि 06 जनवरी 2026

क्र. सं.	ई–निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	टेंडर बंद/खुलने की तिथि एवं समय	खरीदी मात्रा
1	06250078	हाई व्हिस्काउस नाएलोन (एचव्हीएन) लाइनर फॉर द यूज विथ विडर बॉटम कंकरीट स्लीपर्स फॉर 60 के.जी. रेल्स	27.01.2026 At 10:30hrs	687020 नग
2	05251222	मोडेम कार्ड नं. 6 फॉर सीईएल मेक सिग्नल सेक्शन डिजिटल काउंटर मोडल – डीसीएफ 710 पी.	23.01.2026 At 10:30hrs	155 नग
3	03252320D	लॉक फॉर सीबीसी फॉर बॉक्स एनएचएल वैगन.	27.01.2026 At 10:30hrs	16852 नग
4	05255480	सप्लाए ऑफ 25 वाट डिजिटल व्हीएचएफ सेट एज पर आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन नं. आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/107 – 2018 वर्सन. 2.1 ऑर लेटेस्ट.	27.01.2026 At 10:30hrs	263 सेट

रेलवे को किसी निविदा के लिये शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धि पत्र और ई खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक
द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
सीपीआर/10/FL/598
South East Central Railway @secrail

भारत में ऐसे भी गरीब जिनके पास है फ्लैट दुकान से लेकर 7.5 करोड़ की प्रॉपर्टी

सड़क किनारे कटोरा थामे खड़े भिखारी को देखकर आमतौर पर हमारे दिमाग में गरीबी और मजबूरी की तस्वीर बनती है. लेकिन क्या हो अगर वही भिखारी फ्लैट, दुकान और करोड़ों की प्रॉपर्टी का मालिक निकले? सुनने में अजीब लगता है, लेकिन दुनिया में ऐसे कई भिखारी हैं, जिन्होंने भीख मांगकर अमीरी का नया पैमाना लिख दिया है। कहीं करोड़ों की संपत्ति, तो कहीं लग्ज़री ज़िंदगी-इन कहानियों ने गरीबी की हमारी सोच को ही पलट कर रख दिया है। आइए जानते हैं भारत के सबसे अमीर भिखारियों के बारे में....

मिलिए दुनिया के सबसे अमीर भिखारियों से

भरत जैन

दुनिया का सबसे अमीर भिखारी

भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे अमीर भिखारियों में गिने जाने वाले भरत जैन की कहानी सबसे ज्यादा चौंकाने वाली है। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और आजाद मैदान के आसपास भीख मांगते हुए उन्हें करीब 40 साल हो चुके हैं। रोजाना 10 से 12 घंटे तक सड़क पर खड़े रहना, लोगों से पैसे मांगकर आज वह करोड़ों के मालिक बन गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भरत जैन भीख मांगकर महीने में 60 से 75 हजार रुपये कमाते हैं। इतना ही नहीं, भरत के पास 7.5 करोड़ की संपत्ति है। साथ ही, मुंबई में दो फ्लैट खरीदे हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में बताई जाती है। इसके अलावा ठाणे में उनकी दो दुकानें हैं, जिनसे उन्हें हर महीने किराया मिलता है।

बुर्जु चंद्र आजाद

मुंबई के ही एक और भिखारी बुर्जु चंद्र आजाद की कहानी तब सामने आई, जब एक ट्रेन हादसे में उनकी मौत हो गई। रेलवे स्टेशन पर भीख मांगने वाले बुर्जु की असली हैसियत किसी को पता नहीं थी। मौत के बाद जब पुलिस ने गोवंडी स्थित उनके घर की तलाशी ली, तो वहां से 1.5 लाख रुपये कैश और 8.77 लाख रुपये की रकम की फिक्स्ड डिपॉजिट सामने आई।

कृष्ण कुमार गीते : मुंबई में रहने वाले कृष्ण कुमार गीते भी भारत के अमीर भिखारियों की लिस्ट में शुमार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कृष्ण कुमार एक दिन में करीब 1,500 रुपये तक कमा लेते हैं। इतना ही नहीं, उनके पास एक फ्लैट भी है, जिसकी कीमत तकरीबन सात लाख है। हैरानी की बात यह है कि कृष्ण के पैसों को मैनेज करने का काम उनके भाई करते हैं।

लक्ष्मी दासः कोलकाता की करोड़पति भिखारिन : कोलकाता की गलियों में भीख मांगने वाली लक्ष्मी दास ने बहुत कम उम्र में सड़क पर जिंदगी शुरू की थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी महीने की कमाई 30 हजार रुपये से ज्यादा है और कुल संपत्ति करीब 1 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है।

पप्पू कुमार, उधार भी देते हैं पैसा

पप्पू कुमार की कहानी मजबूरी से शुरू हुई थी। एक हादसे में पैर टूटने के बाद उन्होंने भीख मांगना शुरू किया। धीरे-धीरे उनकी कमाई बढ़ती गई और आज उनकी संपत्ति करीब 1.25 करोड़ रुपये बताई जाती है। उनकी लाइफस्टाइल का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि वह अब छोटे व्यापारियों को उधार तक देते हैं।

भारत के इस गांव में शादी के बाद बेटी नहीं, बेटे की होती है विदाई, लड़कियां कभी नहीं जातीं ससुराल

खासी समुदाय में लगता है मां का सरनेम

खासी जनजाति पूर्वोतर राज्य मेघालय में रहती हैं. यहां पर पितृसत्तामक नहीं बल्कि मातृसत्तात्मक नियम को फॉलो किया जाता है। इस समुदाय में बेटियों को विरासत मिलती है। इसका अर्थ है कि बेटी अपनी मां के साथ जिदंगीभर रह सकती है। दुनियाभर में लोग अपने नाम के पीछे पिता के सरनेम का इस्तेमाल करते हैं वहीं खासी जनजाती के लोग अपने नाम के पीछे मां के सरनेम का इस्तेमाल करते हैं। यहां पर बच्चों को पिता नहीं बल्कि मां के नाम से जाना जाता है।

होती है लड़कों की विदाई

भारत में शादी के बाद लड़कियों की विदाई होती है लेकिन खासी जनजाती में लड़कियों को नहीं बल्कि लड़कों की होती है विदाई। इस समुदाय के लड़के ससुराल जाते हैं, इसके अलावा लड़के घर का सारा काम करते हैं और लड़कियां बाहर का काम करती है। इस समुदाय में यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है।

एजेंसी ▶▶| मेघालय

भारत में ही नहीं दुनियाभर में सालों परंपरा चली आ रही है कि लड़की एक दिन शादी करके अपना घर छोड़ ससुराल जाती हैं। शादी के बाद लड़की की पूरी जिदंगी, पति, सास-ससुर की सेवा के इर्द-गिर्द रहती है। आज भी लड़कियां शादी के बाद ससुराल जाती हैं। भारत में ऐसा समुदाय हैं जहां पर लड़कियों की नहीं बल्कि लड़कों की विदाई होती है। यह समुदाय पितृसत्तामक नहीं बल्कि मातृसत्तात्मक समाज की परंपरा को फॉलो करता है। आज भी इस समुदाय के लोग इस परंपरा को निभाते हैं। आइए जानते हैं इस समुदाय के बारे में और शादी से जुड़े इस अनोखे रिवाज के बारे में।

दिल्ली में 15 से 26 जनवरी तक परिंदों की रोज रहती है पार्टी, इस बार सरकार खिला रही बोनलेस चिकन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हर साल 26 जनवरी को जब देश अपना गणतंत्र दिवस मनाता है, तब दिल्ली सिर्फ जमीन पर ही नहीं, बल्कि आसमान में भी देश की ताकत का प्रदर्शन देखती है।

लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और वायुसेना के जांबाज पायलट आसमान में हैरतअंगेज करतब दिखाते हैं। यह नजारा देखने लायक होता है लेकिन ऐसे में एक सवाल हर किसी के मन में आता है कि इन तेज रफ्तार विमानों के रास्ते में अगर कोई परिंदा आ जाए तो क्या होगा।

चलिए आइए जानते हैं कि 26 जनवरी तक दिल्ली में क्यों परिंदों की पार्टी की जाती है और इससे क्या फायदा होता है।

ब्लैक काइट से बर्ड स्ट्राइक का खतरा

खासतौर पर चील जैसे बड़े पक्षी अगर विमानों से टकरा जाएं, तो इसे बर्ड स्ट्राइक कहा जाता है, जो बहुत खतरनाक हो सकता है। इसी खतरे से बचने के लिए हर साल दिल्ली में एक अनोखी योजना बनाई जाती है, जिसे लोग मजाक में परिंदों की पार्टी भी कहते हैं। इस योजना के तहत चीलों को खाना खिलाकर विमानों के रास्ते से दूर रखा जाता है।

इस साल खिलाया जाएगा बोनलेस चिकन

इस साल योजना में एक बड़ा बदलाव किया गया है। जहां पहले चीलों को भैंस का मांस खिलाया जाता था. वहीं इस साल पहली बार बोनलेस चिकन दिया जा रहा है.।अधिकारियों के अनुसार, चिकन हल्का होता है, जल्दी खाया जाता है और चीलों को ज्यादा पसंद भी आता है। इससे वे तय जगहों पर ही बनी रहती हैं।

किन इलाकों में होती है यह पार्टी?

दिल्ली के ऐसे 20 संवेदनशील इलाके चुने गए हैं, जहां चीलों की संख्या सबसे ज्यादा रहती है, जैसे लाल किला, जामा मस्जिद, मंडी हाउस, दिल्ली गेट, मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट और आसपास के पुराने शहर के इलाके। इन जगहों पर चीलों को 20–30 ग्राम के छोटे चिकन टुकड़े फेंके जाते हैं ताकि वे नीचे ही रहें।

कितने दिनों तक और कितना मांस?

यह पूरी एक्सरसाइज 15 जनवरी से 26 जनवरी तक चलती है। इसमें कुल इस्तेमाल होने वाला चिकन 1,275 किलो है। जिसे सात अलग-अलग दिनों में सप्लाई किया जाता है। ज्यादातर दिनों में 170 किलो प्रतिदिन और 22 जनवरी को 255 किलो, यह सारा मीट पहले वजीराबाद स्थित वाइल्डलाइफ रेस्क्यू सेंटर पहुंचाया जाता है, फिर वहां से अलग-अलग जगहों पर भेजा जाता है। हर जगह रोज करीब 20 किलो चिकन इस्तेमाल होता है।

इस योजना से क्या फायदा होता है?

इस योजना से विमानों के लिए बर्ड स्ट्राइक का खतरा कम होता है, वायुसेना का फ्लाईपास्ट सुरक्षित रहता है, चीलों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाता है और वन्य जीव संरक्षण और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों में संतुलन बना रहता है।

परिंदे आयोजन स्थल के आसमान से रहें दूर

दिल्ली के आसमान में बड़ी संख्या में चीलें पाई जाती हैं, खासकर पुरानी दिल्ली इलाके जैसे लाल किला, जामा मस्जिद और आसपास के क्षेत्र। ये पक्षी ऊंचाई पर उड़ते हैं और अगर वे गणतंत्र दिवस के फ्लाईपास्ट कॉरिडोर में आ जाएं, तो विमानों के लिए खतरा बन सकते हैं। इसलिए दिल्ली सरकार, वन विभाग और भारतीय वायुसेना मिलकर एक खास रणनीति अपनाते हैं। यह रणनीति चीलों को उनके पसंदीदा खाने से एक जगह रोकना है जब चीलों को नीचे जमीन के पास खाना मिल जाता है, तो वे ऊंचाई पर उड़ान नहीं भरतीं और विमान सुरक्षित रहते हैं।

रानियों के नहाने के लिए बना था यह तैरता महल, पानी में डूबी हैं 4 मंजिलें

आज भी अंदर जाने की नहीं है अनुमति

एजेंसी ▶▶| जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक बेहद अनोखा महल है। यह महल पानी पर तैरता हुआ दिखाई देता है। हम बात कर रहे हैं ऐतिहासिक जल महल की। यह 300 एकड़ में फैली मानसागर झील के बीच स्थित है। राजा ने इसे अपनी रानियों के नहाने के लिए बनवाया था। इसकी पांच में से चार मंजिलें पानी के अंदर रहती हैं। यह जयपुर आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

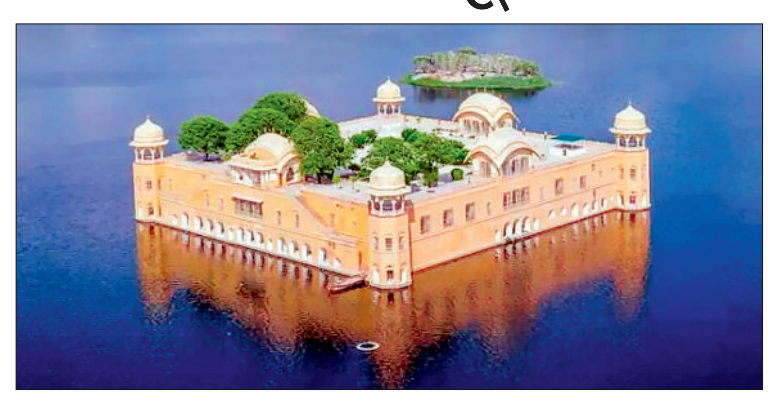

रानियों के लिए बना था समर पैलेस

महाराजा सवाई जयसिंह ने 1799 में इस महल को बनवाया था। उन्होंने जयपुर की पानी की जरूरत के लिए गर्भावती नदी पर बांध बनवाया था। इससे मानसागर झील का निर्माण हुआ। राजा अपनी रानियों के साथ यहां खास वक्त बिताते थे। यह महल रानियों के लिए एक पिकनिक स्पॉट जैसा था। यहां रानियां शाही स्नान करती थीं और अपने वस्त्र बदलती थीं। इसी वजह से महल को झील के बीचों-बीच बनाया गया था।

पानी के अंदर का रहस्य

यह 5 मंजिला इमारत लाल बलुआ पत्थर से बनी है। इसमें से चार मंजिलें हमेशा पानी में डूबी रहती हैं। केवल पांचवीं मंजिल ही बाहर दिखाई देती है। 222 साल से पानी में रहने के बाद भी इसे कोई नुकसान नहीं हुआ है। जयपुर की चिलचिलाती गर्मी में भी यह महल ठंडा रहता है। पर्यटक इसे बाहर से ही देख सकते हैं। महल के अंदर जाने की इजाजत नहीं है।

छत पर उगे हैं हजारों पेड़

जल महल की छत पर एक विशाल नर्सरी है। यहां एक लाख से ज्यादा पेड़-पौधे लगे हुए हैं। इनकी देखभाल के लिए 40 माली काम करते हैं। यह राजस्थान की सबसे ऊंचे पेड़ों वाली नर्सरी मानी जाती है। रात के समय जयपुर का यह महल रोशनी में नहाया हुआ बेहद खूबसूरत लगता है। अरावली की पहाड़ियां इसकी सुंदरता में चार चांद लगा देती हैं।

इंसान है या छिपकली? इस परिवार का सच जानकर कांप जाएगी रूह!

दुनिया अजीब रहस्यों से भरी है। हाल ही में इंडोनेशिया से एक हैरान करने वाली न्यूज सामने आई है। यहाँ मुरांग परिवार का चेहरा हर दिन बदलता है। स्थानीय लोग इन्हें इंसान नहीं, बल्कि 'छिपकली' मानते हैं। डॉक्टरों के लिए भी यह केस एक बड़ी चुनौती बन गया है। विज्ञान भी इस घटना को देखकर सन्न है। मुरांग परिवार के मुखिया सूर्या मुरांग 12 साल तक बिल्कुल सामान्य थे। फिर अचानक उनके चेहरे में बदलाव होने लगा। उनकी आंखें बाहर आ गईं और त्वचा सख्त हो गई। यह मामला वायरल न्यूज इसलिए बना क्योंकि इनका चेहरा रोज बदलता है। दावा किया जाता है कि सुबह इनका चेहरा अलग दिखता है और शाम तक बदल जाता है।

गोवा। गोवा अपनी खूबसूरत समुद्री तटों और नाइटलाइफ के लिए ही नहीं, बल्कि अपने रहस्यमयी किस्सों के लिए भी जाना जाता है। यहां एक ऐसा अनोखा गांव है, जो साल में 11 महीने समय नजर ही नहीं आता है। यह गांव सिर्फ एक महीने ही दिखाई देता है। यही वजह है कि इस गांव को देखने के लिए लोग साल के उसी खास वक्त का इंतजार करते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com